शुभ लाभ

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

गारंटी वापस लेने की स्थिति का करना पड़ सकता है सामना: भाजपा @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 03 जनवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।*। मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-3

अमित शाह ने दिए कश्मीर का नाम बदलने के संकेत

ऋषि कश्यप के नाम पर हो सकता है कश्मीर

नई दिल्ली, 02 जनवरी (एजेंसियां)।

राजधानी दिल्ली में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख थ्रू द एजेस पुस्तक को लॉन्च किया गया। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कश्मीर का नाम बदलने के भी संकेत दिए। शाह ने कहा कि कश्मीर का नाम ऋषि कश्यप के नाम से हो सकता है। कि अगर भारत को समझना है तो इस देश को जोड़ने वाले तथ्यों को समझना होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है और निर्भरता के समय में कोशिशें की गईं कि हम इसे भुला दें। एक झूठ फैलाया गया कि यह देश कभी एकजुट नहीं हो सकता और लोगों ने इसे मान लिया था।

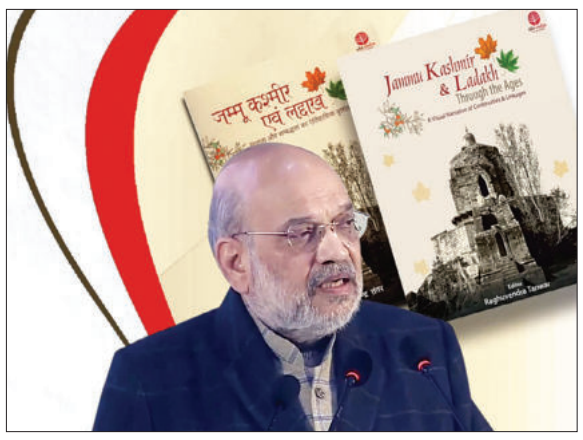

भारत की सीमाएं संस्कृति से परिभाषित होती हैं, युद्ध या समझौते से नहीं

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा, हमारे देश का इतिहास हजारों साल पुराना है। हर कोने से दुनिया भर की सभ्यता को कुछ न कुछ देने के लिए कई गतिविधियां हुई। लेकिन हमारी गुलामी के कालखंड में हमारा प्रजातीय आम्तविश्वास तोड़ने के क्रम में इसको विस्मृत कराने के कई प्रयास किए गए। एक झूठ फैलाया गया कि देश कभी एक था ही नहीं। देश की आजादी की कल्पना ही बेईमानी है, क्योंकि यह देश कभी था ही नहीं। ढेर सारे लोगों ने इस झूठ को स्वीकार कर लिया। जब इसके मूल में जाते हैं तो हमें मालूम पड़ता है कि अंग्रेजों के समय में लिखे गए इतिहास में कोई खराब इरादा नहीं होगा। लेकिन इनके अल्पज्ञान के कारण उनकी देश की व्याख्या ही गलत थी। एक प्रकार से देखे तो दुनिया भर के अधिकांश देशों का अस्तित्व जियो पॉलिटिकल अस्तित्व है। सीमाओं से बने हुए देश हैं। या तो किसी युद्ध से जन्मे हैं।

अमित शाह ने अनुच्छेद 370 और 35ए हटाने पर भी बात की। उन्होंने कहा, अनुच्छेद 370 और 35ए ये हमारे देश को एक प्रकार से हमारे देश के साथ कश्मीर को एकरूप होने से रोकने वाले योगदान थे। उस वक्त भी जनता यह नहीं चाहती थी। संविधान सभा में भी बहुमत नहीं चाहता था, कि धारा 370 संविधान का हिस्सा बनें। पीएम मोदी के मजबूत संकल्प ने इसे कश्मीर से हटाया, जिसके बाद से कश्मीर और पूरे देश में विकास शुरू हुआ। अनुच्छेद ने 370 ने घाटी में अलगाववाद के बीज बोये जो बाद में ▶10पर

ओएनडीसी से छोटे व्यवसायों को बल, ई-कॉमर्स में क्रांति : मोदी

विकास और समृद्धि को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

नई दिल्ली, 02 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाने और ई-कॉमर्स में क्रांति लाने में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तत्वावधान में विकसित खुले ऑनलाइन मंच- ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कामर्स (ओएनडीसी) के योगदान का उल्लेख करते हुए गुरुवार को कहा कि यह विकास और समृद्धि को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

वणिज्य एवं उद्योगमंत्री पीयूष गोयल की ओएनडीसी के बारे में सोशल मीडिया मंच एक्स पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए श्री मोदी ने लिखा, ओएनडीसी ने छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाने और ई-कॉमर्स में क्रांति लाने में योगदान दिया है। इस तरह से विकास और समृद्धि को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

श्री गोयल ने लिखा, मोदी सरकार ने भारत में ई-कॉमर्स को लोकतांत्रिक बनाने के उद्देश्य से 2021 में इसे लॉन्च किया था। पिछले तीन वर्षों में, इसने न केवल कई उपलब्धियां हासिल की हैं, बल्कि नेटवर्क पर उनके लिए समान अवसर बनाकर व्यवसायों, विशेष रूप से छोटे उद्यमों को सशक्त भी बनाया है। विक्रेताओं और खरीदारों के बीच की खाई को पाटकर,ओएनडीसी देश के ई-कॉमर्स के क्षेत्र में लगातार क्रांति कर रहा है।

वाणिज्य मंत्री ने ओएनडीसी की उपलब्धियों को एक पोस्टर के माध्यम से प्रकाशित किया है जिसके अनुसार इस मंच पर इस छोटी अवधि में ही लेन-देन की संख्या 15 करोड़ हो गया है। इस खुले नेटवर्क से 200 से अधिक ई-कामर्स नेटवर्क जुड़ चुके हैं और इससे 600 से अधिक शहरों और कस्बों के सात लाख बिक्रेता तथा सेवा प्रदाता जुड़ चुके हैं। देश भर के 1100 से अधिक शहरों और कस्बों के ग्राहक ने इस ओएनडीसी के माध्यम से खरीदारी की है।

चिन्मय कृष्ण की जमानत याचिका खारिज

यह जेहादी और हिंदू विरोधी मानसिकता का संकेत : बंसल

नई दिल्ली, 02 जनवरी (एजेंसियां)।

वीएचपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने गुरुवार को बांग्लादेश की एक अदालत द्वारा पूर्व इस्कॉन नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की जमानत याचिका खारिज किए जाने की आलोचना करते हुए कहा कि यह विकृत, जेहादी, हिंदू विरोधी और बांग्लादेश विरोधी मानसिकता का संकेत है । बंसल ने आरोप लगाया कि देश की निचली न्यायपालिका जिहादियों के दबाव में है, जो बांग्लादेश के युवाओं पर इस्लाम की छवि को नष्ट करने का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा, बांग्लादेश अलगाववादियों के लिए एक आश्रय स्थल बन गया है... ऐसा लगता है कि उनकी निचली न्यायपालिका जिहादियों के दबाव में काम कर रही है... (चिन्मय

दास के खिलाफ देशद्रोह का आरोप लगाना) एक विकृत, जिहादी, हिंदू विरोधी और बांग्लादेश विरोधी मानसिकता का संकेत है... बांग्लादेश के युवाओं ने इस्लाम की छवि को नष्ट कर दिया है। इस बीच, विदेशी मामलों के विशेषज्ञ रोबिंदर सचदेवा ने कहा कि बांग्लादेश की न्यायपालिका हिंदू अल्पसंख्यकों के बारे में सरकारी प्रभाव या पक्षपाती धारणाओं के तहत काम कर रही हो सकती है। उन्होंने तर्क दिया कि चिन्मय के खिलाफ आरोप गंभीर नहीं हैं और वह जमानत के हकदार हैं , साथ ही उन्होंने कहा कि न्यायपालिका की कार्रवाई देश में इस्लाम को प्राथमिक धर्म और संस्कृति के रूप में स्थापित करने के प्रयास को दर्शाती है। ऐसा लगता है कि बांग्लादेश की न्यायपालिका सरकार के निर्देशों या हिंदू अल्पसंख्यकों के तत्वों और उनके खिलाफ मामलों से एक निश्चित तरीके से निपटने की धारणाओं पर व्यवस्थित रूप से काम कर रही है। चिन्मय के खिलाफ आरोप गंभीर नहीं हैं। वह जमानत के हकदार हैं... ऐसा लगता है कि न्यायपालिका एक ▶10पर

आंध्र प्रदेश सरकार ने माना, अडाणी ग्रुप पर लगे आरोप झूठे!

जब तक सबूत नहीं, तब तक कार्रवाई नहीं : नायडू

अमरावती, 02 जनवरी (एजेंसियां)।

अडाणी ग्रुप की कंपनी अदाणी ग्रीन पर अमेरिका में लगे बेबुनियाद आरोपों को लेकर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि जब तक इस मामले में ठोस सबूत नहीं मिल जाते, तब तक कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। ये मामला आंध्र प्रदेश में बिजली आपूर्ति से जुड़ा है, जिसमें तय नियमों के अनुसार अदाणी ग्रीन को कॉन्ट्रैक्ट मिला है।चंद्रबाबू नायडू ने विधानसभा में प्रदेश की पिछली सरकार से जुड़ी रिश्वतखोरी के आरोपों पर कार्रवाई की बात कही थी। हालांकि अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट और यूएस-एसईसी के आरोप लगाने के तुरंत बाद से ही इसकी चहुंओर आलोचना होने लगी थी और जल्द ही स्पष्ट हो गया कि ये आरोप

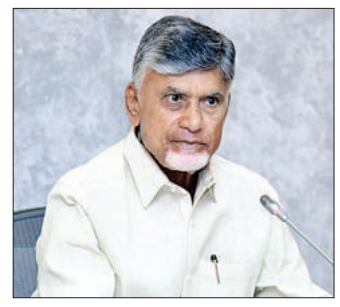

बेबुनियाद और बेतुके हैं।

अब आंध्र प्रदेश सरकार भी ये मानकर चल रही है कि इन आरोपों में दम नहीं है। ईटी की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार शाम विजयवाड़ा में चंद्रबाबू नायडू ने मीडिया से कहा कि इस मामले में जब तक ठोस सबूत नहीं मिल जाते और आरोपों की पुष्टि नहीं हो जाती, तब तक कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती। तब भी कहा था- सोचेंगे, देखेंगे!

जगनमोहन रेड्डी की पिछली सरकार में मिले इस कॉन्ट्रैक्ट को लेकर आरोप सामने आने के बाद चंद्रबाबू नायडू ने कहा था कि वे इस मामले को देखेंगे। उन्होंने अपने बयान में कहा था, अभी और तथ्य सामने आने बाकी हैं. सरकार भी इस बारे में सोच रही है कि क्या कदम उठाए जाएं क्योंकि हम जैसे-जैसे बात कर रहे हैं, तथ्य सामने आ रहे हैं। हम स्थिति का जायजा लेंगे, देखेंगे कि क्या करने की जरूरत है, और उसके अनुसार कार्रवाई करेंगे।

मंगलवार को नायडू ने कहा कि अगर मुझे इस मुद्दे पर जगनमोहन रेड्डी के खिलाफ कार्रवाई करनी होती, तो मेरे लिए ये लड्डू मोमेंट था। लेकिन मैं बदले की ▶10पर

मनु भाकर, गुकेश सहित चार को खेल रत्न 32 खिलाड़ियों को मिलेगा अर्जुन पुरस्कार

नई दिल्ली, 02 जनवरी (एजेंसियां)।

इस साल भारत की स्टार शूटर मनु भाकर और शतरंज के चैंपियन डी. गुकेश समेत चार खिलाड़ियों को खेल रत्न अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। इस लिस्ट में हॉकी खिलाड़ी हरमनप्रीत सिंह और पैरा एथलीट प्रवीण कुमार भी शामिल हैं। वहीं कुल 32 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। ये सभी खिलाड़ी 17 जनवरी को राष्ट्रपति भवन में होने वाले कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किए जाएंगे। मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में शूटिंग में दो ब्रान्ज मेडल जीते थे। वे एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बनीं थीं। जबकि गुकेश ने चेस में कमाल किया है। उन्होंने बीते साल 12 दिसंबर को वर्ल्ड चैंपियन बनकर इतिहास रचा था। गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को मात दी और महज 18 साल की उम्र में ये खिताब अपने नाम किया। ▶10पर

ममता बनर्जी के बेतुके बयान से बवाल

बीएसएफ बंगाल में करा रही आतंकवादियों की घुसपैठ

कोलकाता, 02 जनवरी (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में आतंकवादियों की घुसपैठ का मुद्दा बीजेपी जोर-शोर से उठाती रही है। लेकिन अब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने आतंकवाद के मुद्दे पर बीजेपी पर पलटवार किया है और बीएसएफ पर गंभीर आरोप लगाया है। ममता बनर्जी ने कहा कि इस्लामपुर, सीताई, चोपड़ा के रास्ते से आतंकवादी घुस रहे हैं। हमारे पास खबर है। सीमा

बीएसएफ के हाथों में है। बीएसएफ की गलतियों की वजह से तृणमूल को लोग गाली न दें।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, हम चाहते हैं कि वहां भी शांति बनी रहे और यहां भी...। ▶10पर

ममता अवैध घुसपैठियों को मदद पहुंचा रही हैं : अनिल गौर

श्रीनगर, 02 जनवरी (एजेंसियां)। रक्षा विशेषज्ञ कैप्टन अनिल गौर ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के बयान का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि वह अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को भारत में बसाने और मतदाता सूची में उनका नाम दर्ज कराने में बड़ी मददगार हैं।कैप्टन गौर ने दावा किया कि बीएसएफ के खिलाफ बनर्जी के आरोप गलत हैं और यह उनके लोग ही हैं जो घुसपैठियों की मदद कर रहे हैं । उन्होंने आरोप लगाया कि बनर्जी अपने मतदाताओं को खुश करने के ▶10पर

डल्लेवाल को लेकर पंजाब सरकार पर बिफरा सुप्रीम कोर्ट

'हमें मजबूर न करें' आप चाहते हैं समझौता न हो

नई दिल्ली, 02 जनवरी (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के मामले में पंजाब सरकार को फटकार लगाई। शीर्ष अदालत ने कहा कि सरकार के अधिकारी और कुछ किसान नेता मीडिया में यह गलत धारणा फैला रहे हैं कि किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का अनशन खत्म कराने की कोशिश की जा रही है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के उसके आदेश को यह नहीं समझा जाना चाहिए कि यह उनका अनशन तुड़वाने के इरादे से दिया गया है। बता दें, फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग को लेकर चल रहे किसान विरोध प्रदर्शन के तहत डल्लेवाल अनशन पर हैं। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस सुधांशु धूलिया की खंडपीठ ने कहा कि डल्लेवाल को इस बात से ▶10पर

शिंदे के फैसले पर फडणवीस ने लगाई रोक!

नई दिल्ली, 02 जनवरी (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एकनाथ शिंदे सरकार द्वारा बस किराए पर लेने के फैसले पर रोक लगा दी है। सीएम ने शिंदे की अगुवाई वाली सरकार के इस फैसले का रिव्यू किया था और फिर बाद में इस पर रोक लगाने का फैसला किया। अभी स्पष्ट नहीं है कि मुख्यमंत्री पिछली सरकार के और भी फैसलों का रिव्यू करेंगे। हालांकि, विपक्ष के नेता अम्बादास दानवे ने कहा कि इस बारे में उन्हें कोई स्पष्टीकरण नहीं मिला है। विपक्ष ने इस मामले में 2800 करोड़ रुपए के घोटाले के आरोप लगाए थे। महाराष्ट्र

विधानसभा में विपक्ष के नेता दानवे ने कहा कि इस फैसले में

विपक्ष ने 2800 करोड़ के घोटाले का लगाया आरोप

घोटाला हुआ है। हमने रिपोर्ट सुना है कि सीएम ने बस किराए पर लेने के फैसले को खारिज कर दिया है, लेकिन इस बारे में कुछ कन्फर्मेशन नहीं मिली है। विधानसभा में एलओपी दानवे ने कहा, 2022 में एमएसआरटीसी ने तेल समेत 44 रुपये प्रति किलोमीटर के हिसाब से बस किराए पर लिया था।

एलओपी अम्बादास दानवे ने कहा, 1,310 बसों की हाइरिंग तेल के बगैर 34.7 रुपये से 35.1 रुपये प्रति किलोमीटर के हिसाब से की गई थी, और इसको लेकर एक लेटर ऑफ इंटेंट भी साइन किए गए थे। अगर प्रति बस 22 रुपये प्रति किलोमीटर का ही हिसाब लगाया जाए तो प्रत्येक बस प्रति किलोमीटर के हिसाब से 56 से 57 रुपये तक पड़ेगा। पहले के कॉन्ट्रेक्ट के हिसाब से 12-13 रुपये का अंतर है। यह एक घोटाला है। दरअसल, सितंबर 2024 में ▶10पर

किसानों को महाराष्ट्र सरकार का बड़ा तोहफा, वापस मिलेगी जमीन

मुंबई, 02 जनवरी (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष और राज्य मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत के दौरान महाराष्ट्र सरकार द्वारा लिए गए फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नए साल की शुरुआत में किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। प्रदेश सरकार 963 किसानों को उनकी जमीन वापस करेगी, जो सरकार द्वारा उनके ऊपर सरकारी बकाया न चुकाए जाने के कारण जब्त कर ली गई थी।

चंद्रशेखर बावनकुले ने बताया कि कैबिनेट बैठक में निर्णय लिया है कि 963 किसानों को जमीन वापस की जाएगी। यह एक अहम कदम है, जिसे राज्य सरकार ने किसानों की भलाई के लिए उठाया है। किसानों की यह जमीन वापसी उनके लिए एक बड़ी राहत होगी और इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। शरद पवार और अजीत पवार के एनसीपी के विलय के बारे में पूछे जाने पर बावनकुले ने कहा कि अगर परिवार एक साथ आता है तो यह एक अच्छी ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 79,700/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 89,750/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 20^0

कार्टून कॉर्नर

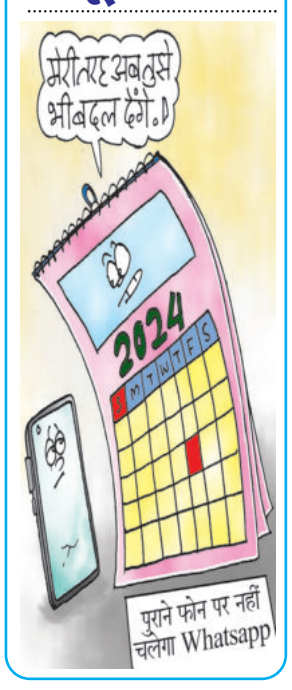

राष्ट्रीय अधिवेशन में मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स को मिला श्रेष्ठ शाखा राष्ट्रीय पुरस्कार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच का 15वां राष्ट्रीय अधिवेशन अनंतम गांधीधाम कच्छ में सफलतापूर्वक आयोजित हुआ, जिसमें मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स शाखा के सदस्य भी उपस्थित रहे। इस अधिवेशन के दौरान मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स शाखा को देश भर की 833 शाखाओं के बीच श्रेष्ठ शाखा राष्ट्रीय पुरस्कार 2023-24 से सम्मानित किया गया। साथ ही शाखा को 2023-24 विशिष्ट शाखा के रूप में भी पुरस्कृत किया गया। स्टार्स शाखा को ये पुरस्कार समाज एवं संगठन के प्रति लगातार कर्मठता से सेवा के लिए प्रदान किया गया। मंच दर्शन के अनुरूप निरंतर चलाये जा रहे जनसेवा, समाज सुधार, व्यक्ति विकास के विभिन्न कार्यक्रम जैसे

रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण, नारी-चेतना, अमृतधारा, आनंद सबके लिए, युवा विकास एवं खेलकूद शिक्षा के क्षेत्र में किये गए अभूतपूर्व कार्यों को सराहने के लिए पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त शाखा के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान में कर्नाटक प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष नितेश टिबड़ेवाल को देश भर के युवा साथियों के लिए स्वास्थ्य सेवा और मेडिकल क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु नवरत्न पुरस्कार 2024-25 से सम्मानित किया गया। साथ-साथ शाखा कोषाध्यक्ष सुनील अग्रवाल को शाखा के वित्तीय प्रबंधन में डिजिटल और तकनीकी नवाचार लाने के लिए श्रेष्ठ शाखा कोषाध्यक्ष राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अधिवेशन में हुए शपथ ग्रहण समारोह में आन्ध्र प्रदेश तेलंगाना प्रान्त सिकंदराबाद शाखा के सुरेश एम. जैन ने अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के आगामी सत्र 2025-27 के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए शपथ ग्रहण किया एवं कर्नाटक प्रान्त बेंगलूरु स्टार्स शाखा के साकेत रिटोलिया ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (जोन 5) के पद के लिए शपथ ग्रहण किया। पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रवि सिंघानिया ने निस्वार्थ, उदार, मेधावी, विलक्षण एवं उत्कृष्ट सेवा भाव के धनी साकेत का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का शपथ ग्रहण करना शाखा के लिए बेहद गौरवान्वित क्षण बताया। शाखा के सभी पूर्व अध्यक्षों, सलाहकारों और वरिष्ट सदस्यों ने साकेत द्वारा किये जा रहे अनन्य समाजसेवी कार्यों की बेहद प्रशंसा की और उनको शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

12 दिवसीय यात्रा संघ का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री महावीर स्वामी वर्षीतप चैरिटेबल ट्रस्ट चामराजपेट के तत्वावधान में आचार्य श्री अरुणोदयसागर सूरीश्वरजी, आचार्य श्री अरविंदसागर सूरीश्वरजी, श्री अमरपद्मसागरजी, श्री हिरपद्मसागरजी एवं साध्वीवर्या श्री रम्यागुणा श्री जी की पावनिय निश्रा में 4 दिवसीय छःरि पालक सोनगढ़ से शाश्वत तीर्थ शत्रुंजय गिरीराज यात्रा संघ आयोजित किया गया। इसके अलावा लाभार्थी वर्षीतप तपस्विनी मंजूदेवी मदनलाल बाफना मोकलसर निवासी के सहयोग एवं बसों द्वारा तलाजा शत्रुजय डैम तीर्थ, शंखेश्वरजी, चुली तीर्थ, पेपराल तीर्थ, भोरोल तीर्थ, भिलड़ियाजी तीर्थ, नवकार तीर्थ, छत्राल तीर्थ, मणिलक्ष्मी तीर्थ आदि 12 दिवसीय यात्रा संघ में 351 यात्री यशवन्तपुर से रेल द्वारा रवाना हुए। ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर मेहता ने सभी यात्रियों का स्वागत करते हुए यात्रा की सफलता हेतु मंगल कामना की। मंत्री संतोष चौहान, उपाध्यक्ष गौतम मुथा, सहमंत्री महावीर श्रीश्रीमाल, सहकोषाध्यक्ष नरेश बांठिया, ट्रस्ट के प्रवीण पोरवाल, सुनील गादिया, किशोर पोरवाल, महेन्द्र छाजेड़, गौतम पोरवाल, जयंतीलाल बागरेचा, उत्तम सालेचा, सुनील मोदी, मोतीलाल बाफना, प्रवेश बालर, सुरेश पिरगल, विकाश पालरेचा, विशाल पोरवाल एवं वर्षीतप ट्रस्ट के कार्यकर्ता नरेंद्र सोलंकी, महावीर गुलेछा, महावीर हुंडिया, महाबल भीलोश, हितेश गुलेच्छा आदि अपनी सेवाएं देंगे। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।

कड़ी लगन व मेहनत से पाए लक्ष्य के तहत नववर्ष का मंगलपाठ

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या संयमलता जी ने दक्षिणांचल में स्थित मलनाड विभाग में कड़ी लगन व मेहनत से पाए लक्ष्य के तहत नववर्ष का मंगल पाठ करते हुए कहा नववर्ष नए उल्लास एवं उमंग को लेकर आया है। हर इंसान के मन में कुछ नया करने एवं पाने की चाह है। इंसान जीवन के हर एक पल हर क्षण मंगलमय बनाना चाहता है। पुराने कैलेंडर हटा के नया कैलेंडर लगा रहा है। अर्थात व अतीत को छोड़ अनागत की कल्पना में रंग भरना चाहता है। आज नव वर्ष आने वाले कल की नवीन कल्पनाएं उसके मन व मस्तिष्क कुछ नया करने हेतु प्रेरित कर रही है। इतिहास के झरोखे में जो महापुरुष हुए उन्होंने नव संकल्प, समर्पण, एकनिष्ठा के

साथ परिश्रम किया। चाहे महावीर हो या मोहम्मद, कृष्ण हों या कबीर, राम हो या रहीम, अडानी हो या अम्बानी, महाप्रज्ञ हो या महाश्रमण, कड़ी मेहनत एवं लगन से ही लक्ष्य को प्राप्त किया। आज नव वर्ष पर शुभ संकल्प के साथ शुभ भविष्य का निर्माण करें। साध्वी जी ने परिषद को डिजिटल डिटॉक्स की प्रेरणा देते हुए रात को ग्यारह बजे से सुबह सात बजे तक मोबाइल परिहार की प्रेरणा दी। साध्वी जी ने स्वरचित गीत नई उमंगे नई तरंगे का संगान किया। कार्यक्रम में अर्हम का रक्षा कवच बनाते हुए अनुष्ठान किया गया। अनुष्ठान व मंगल पाठ में मलनाड संभाग से चिलमगलूरु, मुड़ीगेरे, होलेनरसिपुर आदि आस पास के क्षेत्रों से श्रावक समाज ने सहभागिता दर्ज कराई। कार्यक्रम की शानदार शुरुआत हासन तेरापंथ युवक परिषद ने आया नया सवेरा लाई नई बहारे मन को उत्साहित करने वाली गीतिका के माध्यम से की। मलनाड अध्यक्ष महावीर भंसाली ने सभी का स्वागत किया। हासन सभा अध्यक्ष सोहनलाल तातेड ने सभी का आभार व्यक्त किया।

वर्ष 2025 के कैलेंडर का विमोचन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नव वर्ष के अवसर पर युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी सिद्ध प्रभा जी के सानिध्य में राजाजीनगर इंडस्ट्रियल टाउन स्थित अशोका कन्वेंशन हॉल कुंबलगुडु स्थित तुलसी चेतना केंद्र में साध्वी उदित यशा जी के सानिध्य में नववर्ष मंगलपाठ के कार्यक्रम में तेरापंथ युवक परिषद् विजयनगर द्वारा निर्मित वर्ष 2025 के कैलेंडर का विमोचन किया गया। साध्वी सिद्धप्रभा जी ने नववर्ष की मंगलमय शुरुवात हेतु आध्यात्मिकता को अपनाने की प्रेरणा दी।

राजाजीनगर के विमोचन के अवसर पर अभातेयुप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत, विजय नगर सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, राजाजीनगर सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी, तेयुप राजाजीनगर अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, विजयनगर युवक परिषद् प्रबंध मंडल से विकास बांठिया, अशोक मारू, पवन बैद, कमलेश दक, पूर्व अध्यक्ष गण तुलसी चेतना केंद्र में गांधीनगर सभा अध्यक्ष पारस मल भंसाली, तुलसी चेतना केंद्र अध्यक्ष अमित नाहटा, तेयुप गांधीनगर अध्यक्ष विमल धारीवाल, बेंगलूरु के संघीय संस्थाओं के पदाधिकारीगण की उपस्थिति रही। कैलेंडर सहयोगी परिवार से महावीर, वैभव पितलिया, महावीर, गौतम टेबा, सुशीला, अरविंद, हिम्मत पवन मांडोत, उम्मेद सिंह, जय पटावरी, ताराराम, कुशल चौधरी, ललित, नरेंद्र, विवेक, वैभव मांडोत, उत्तम, प्रवीण गन्ना, रमेश कुमार, गीतेश कुमार चावत, शांति लाल, दिनेश कुमार, मुकेश, नरेश खिवेंसरा, डालम चंद, सिद्धार्थ, दीपक सुराणा, रोशन लाल, दिनेश कुमार, राकेश पोखरणा, भूपेंद्र, ललित हिरन, महेंद्र, सुराणा परिवार का विशेष सहयोग रहा। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने साध्वी श्री सिद्ध प्रभा जी की बारह व्रत की विशेष प्रेरणा के साथ साध्वी उदित यशा जी एवं जय तिथि पत्रक के संपादक बहुश्रुत परिषद् सदस्य मुनि उदित कुमार जी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। तेयुप अध्यक्ष ने सभी प्रायोजक परिवारों का धन्यवाद किया। कैलेंडर के मुद्रण, संकलन में संयोजक राजेश चावत एवं सह संयोजक श्रेयांस गोलछा का विशेष श्रम रहा। कार्यक्रम में संपूर्ण श्रावक समाज की उपस्थिति रही।

अंग्रेजी नव वर्ष के कैलेंडर का विमोचन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी सिद्धप्रभाजी के पावन सानिध्य में राजाजीनगर स्थित अशोका कन्वेंशन हॉल में तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा अंग्रेजी नव वर्ष 2025 के कैलेंडर का विमोचन किया गया। नव वर्ष 2025 का कैलेंडर तेयुप राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेन्टर एवं डेंटल केयर श्रीरामपुरम के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से बनाया गया है। कैलेंडर स्थानीय कन्नड़ एवं हिन्दी भाषा में है।

तेरापंथ महासभा क्षेत्रीय प्रभारी प्रकाश लोढ़ा, सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी, अभातेयुप वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत, तेयुप अभूतपूर्व अध्यक्ष अरविंद गन्ना, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरडिया एवं प्रबंध मंडल द्वारा कैलेंडर का विमोचन किया गया।

इस अवसर पर तेयुप राजाजीनगर शाखा प्रभारी दिनेश मरोठी, महिला मंडल अध्यक्षा उषा चौधरी, सभा परिवार, महिला मंडल परिवार, अभातेयुप परिवार, विभिन्न स्थानीय तेयुप के पदाधिकारी एवं परिषद परिवार एवं श्रावक समाज की अच्छी उपस्थिति रही।

हम्पी उत्सव 28 फरवरी से होगा शुरू: जमीर अहमद खान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हम्पी उत्सव, जिसे विजया उत्सव के रूप में भी जाना जाता है, इस साल तीन दिनों के लिए आयोजित किया जाएगा, जो 28 फरवरी से शुरू होकर 2 मार्च तक चलेगा। बल्लारी जिले के प्रभारी और राज्य के आवास मंत्री जमीर अहमद खान के अनुसार, गुरुवार सुबह मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के साथ चर्चा हुई और आयोजन के लिए उनकी मंजूरी मिल गई। कर्नाटक के मंत्री जमीर खान ने कहा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया 28 फरवरी को हम्पी उत्सव का उद्घाटन करेंगे, इसके बाद 1 और 2 मार्च को कार्यक्रम होंगे। उत्सव 2 मार्च को समाप्त होगा। मंत्री जमीर अहमद खान ने डिप्टी कमिश्नर दिवाकर को कार्यक्रम की तैयारी शुरू करने का निर्देश दिया है। हम्पी उत्सव एक वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव है जो कर्नाटक के हम्पी में होता है। ऐसा माना जाता है कि यह त्योहार साम्राज्य के समय से मनाया जाता रहा है और इसे भारत के सबसे पुराने त्योहारों में से एक माना जाता है। कर्नाटक सरकार द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला यह उत्सव 2 से

3 दिनों तक बहुत धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया जाता है। यह त्योहार विजयनगर साम्राज्य के समय मनाए जाने वाले भव्य वसंतोत्सव की याद दिलाता है। हम्पी उत्सव भी एक अद्भुत मंच है जहाँ कर्नाटक के लोक नृत्य और लोक संगीत की समृद्धि का प्रदर्शन किया जाता है। इस उत्सव में कई तरह के कार्यक्रम शामिल होते हैं, जैसे पारंपरिक और मुक्त शैली के कला प्रदर्शन, जिनमें संगीत, नृत्य और थिएटर शामिल हैं। स्थानीय और क्षेत्रीय व्यंजनों के मेले लगाए जाते हैं, तथा कर्नाटक के हस्तशिल्प और अन्य वस्तुओं के लिए खरीदारी बाजार लगाए जाते हैं, जिससे यह त्यौहार हम्पी की यात्रा के लिए एक लोकप्रिय समय बन जाता है।

साध्वी से 2025 के लिए चातुर्मास की विनती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा के नेतृत्व में गुरुवार को तमिलनाडु के चेंगलपेट का दौरा कर आचार्य श्री पार्श्वचंद्र जी की सुशिष्या शशिप्रभा जी की सेवा में 2025 के लिए चातुर्मास की विनती रखी। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने विनती रखते हुए कहा कि संघ आचार्य पार्श्वचंद्र जी की फाल्गुनी चातुर्मास की विनती भी रख रहा है और समस्त संघ सदस्यों में चातुर्मास के प्रति विशेष उत्साह है और जय गच्छ का 62 वर्षों पश्चात अलसूर में चातुर्मास का सपना साकार होगा। विनती के प्रत्युत्तर में साध्वी शशिप्रभा जी ने कहा कि चातुर्मास स्थल का निर्णय आचार्य पार्श्वचंद्र जी होली चातुर्मास पर फरमाएंगे। अलसूर क्षेत्र की सेवा भावना अनुकरणीय है और क्षेत्र संयमी वर्ग के लिए अनुकूल है। इस मौके पर गौतम चंद छाजेड़, धनपत राज तातेड, सुनील कावड़िया, उगमराज मुथा आदि लोग मौजूद थे।

प्रेरणा मंच पर नव वर्ष का हुआ स्वागत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रेरणा महिला साहित्यिक मंच एवं प्रेरणा लोक मंच के संयुक्त तत्वावधान में नव वर्ष के स्वागत में बुधवार को गूगल मीट पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार रचना उनियाल ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध वक्ता धन्यकुमार विराजदार मौजूद थे। बतौर विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार अंजनीकुमार तिवारी सुधाकर मौजूद रहे। संस्था की संस्थापक अध्यक्ष वीणा मेदनी ने स्वागत किया तो संचालन सुनीता लाहोटी ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत गीता चौबे गूँज द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रगीत एवं मेदनी की सरस्वती वंदना से हुई। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि की शुभकामनाओं से आशीर्वचनों से सभा सुशोभित एवं गुंजायमान रही। तत्पश्चात कविता पाठ में गीता चौबे गूँज, पुष्पा पाण्डेय, भगवती सक्सेना गौड़, रुना रश्मि दीप्त, रीना चौधरी, अनुराधा के, गीता सिन्हा गीतांजलि, डॉ. शशि मंगल, डॉ. वत्सला, विद्या कृष्णा, कमल अरोड़ा, निर्मला कर्ण, रतिंदर कौर, कमल पुरोहित अपरिचित, सुनीता लाहोटी, वीणा मेदनी, रचना उनियाल एवं अंजनी कुमार तिवारी सुधाकर ने भाग लिया।

भक्तों ने किया गुरु पूजन, नव वर्ष पर श्रद्धालुओं को मिला रक्षा सूत्र

कृष्णगिरी/शुभ लाभ ब्यूरो।

व्यक्ति कोई हो वह आस्तिक, प्रभु का सच्चा भक्त है और धर्म, दान, पुण्य की महिमा जानता है तो सदैव याद रखें धर्म से जुड़कर कभी किसी का नुकसान नहीं, बल्कि फायदा ही हुआ है। देश-विदेश से विभिन्न जाति, उम्र वर्ग से यहां पावन तीर्थ कृष्णगिरी आए श्रद्धालुओं ने देवी मां पद्मावतीजी की भक्ति की शक्ति को प्राप्त कर पुण्य संपदा बढ़ाने का ही कार्य किया है जो आगामी नववर्ष ही नहीं, पूरे जीवन भर का मजबूत रक्षा कवच बन गया है।

यह बात श्रीपार्श्व पद्मावती शक्ति पीठाधीपति, राष्ट्रसंत, सिद्ध साधक संत श्री डॉ. वसंत विजय जी ने कही। तीन दिवसीय नव वर्ष भक्ति महोत्सव के समापन अवसर पर नौ दिनों तक चले विशिष्ट हवन यज्ञ की पूर्णाहुति एवं महा देवी मां पद्मावतीजी की हजारों पंच दीपों से सामूहिक महा आरती के बाद यहां भव्यता के साथ गुरु पूजन भी संपन्न हुआ।

इस दौरान संतश्रीजी ने अपने आशीर्वादी संदेश में कहा कि नव वर्ष सभी भक्तजनों के लिए भयमुक्त व मंगलकारी होगा। वे बोले, उनकी सदैव यही कामना एवं मां से प्रार्थना रहती है कि हर घर में मंगल हो। उन्होंने कहा बीते वर्ष इस पावन कृष्णगिरी तीर्थ में आए और नए वर्ष में अपने घरों की ओर जाने वालों का निश्चित ही पुण्य प्रबल है, तभी वे दूर-दूर से यहां तक आ पाए। सबका कल्याण करने वाली ममतामई मां पद्मावतीजी की करुणा एवं दयालुता का विस्तृत बखान करते हुए पूज्य गुरुदेवजी ने कहा कि मां कभी अपने बच्चों को दुखी, गरीब या संकट में नहीं देख सकती। जो उसकी कृपा से यहां तक आ पहुंचा है, वह सुखी तथा कष्ट पीड़ा से मुक्त भी होगा। इस दौरान सामूहिक गुरु दीक्षा भी प्रदान की गई। साथ ही सभी को पद्मावती मां मेरी है, कृष्णगिरी तीर्थ धाम मेरा है, गुरुदेव मेरे हैं, सरीखा स्वर भी गूंजाय मान कराते हुए हृदय में उतारने का अपनत्व भरा यह संदेश दिया। तीर्थ धाम के संकेश छाजेड़ ने बताया कि कार्यक्रम में गुरु भक्तों ने गुरु पूजन व आरती की। सभी श्रद्धालुओं को पूज्यश्री द्वारा विशेष सिद्ध रक्षा सूत्र व प्रसाद प्रदान किया गया।

बंदोबस्त ड्यूटी से बचने के लिए पुलिस कांस्टेबल ने किया आत्महत्या का प्रयास

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उद्यमबाग पुलिस स्टेशन के एक पुलिस कांस्टेबल ने कथित तौर पर जहर खाकर अपनी जान देने का नाटकीय प्रयास किया। हालांकि, एक निजी अस्पताल में मेडिकल जांच के बाद पुष्टि हुई कि उसने कोई जहरीला पदार्थ नहीं खाया था। बुधवार देर रात उसे छुट्टी दे दी गई। पुलिस कांस्टेबल की पहचान मुदकप्पा उदगट्टी के रूप में हुई है। वह दो महीने से बंदोबस्त ड्यूटी पर तैनात था और दो दिन की छुट्टी के बाद बुधवार को ड्यूटी पर लौटा था। जब उसे फिर से बंदोबस्त ड्यूटी पर तैनात किया गया तो उसने इसका विरोध किया और थाने परिसर में जहर खाकर गिर जाने का नाटक किया। पुलिस आयुक्त इदा मार्टिन मार्बनियांग ने बताया कि पुलिस कांस्टेबल ने बंदोबस्त ड्यूटी पर तैनाती को लेकर स्टेशन हाउस ऑफिसर से विवाद किया और गिर पड़ा। उसे इलाज के लिए थाने के पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

आग लगने से 50 दोपहिया वाहन जलकर खाक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्वी बेंगलूरु के महादेवपुरा में बुधवार को एक बाइक शोरूम में आग लग गई, जिसमें कम से कम 50 दोपहिया वाहन जलकर खाक हो गए। किसी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। यह घटना नारायणपुरा के पास ट्रायम्फ शोरूम में रात करीब 8.40 बजे हुई। व्हाइटफील्ड, होसकोटे और मेयो हॉल स्टेशनों से तीन दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और तीन घंटे तक चले अभियान के बाद आग पर काबू पा लिया गया। दमकल सूत्रों के मुताबिक, यह हादसा शोरूम के अंदर शॉर्ट सर्किट की वजह से हुआ। आग लगने के समय शोरूम बंद था, जिसकी वजह से कुछ ही मिनटों में आग फैल गई। इसका पता तब चला जब आसपास के एक दुकानदार ने शोरूम से धुएं का घना बादल देखा।

हिमाचल के बाद कर्नाटक सरकार को भी

गारंटी वापस लेने की स्थिति का करना पड़ सकता है सामना: भाजपा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री एसएस सुखू द्वारा संपन्न उपभोक्ताओं से बिजली सब्सिडी छोड़ने की अपील के बाद, भाजपा ने गुरुवार को दावा किया कि कर्नाटक सरकार को भी लोगों के लिए अपनी पांच कल्याणकारी गारंटी योजनाओं के साथ जल्द ही ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने गुरुवार को कहा कि अगर कर्नाटक सरकार जल्द ही खुद को हिमाचल प्रदेश सरकार जैसी स्थिति में पाती है तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होगा।

विजयेंद्र ने कहा अगर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार लोगों से किए गए वादों को पूरा करने और गारंटी योजनाओं के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, तो उसे तुरंत राजस्व उत्पन्न करने और गारंटी योजनाओं को बनाए रखने के लिए विकास परियोजनाओं को शुरू करने के लिए राज्य के वित्तीय संसाधनों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार इस बात का सबूत है कि जब सरकार वित्तीय संसाधनों को संतुलित करने और अपने खोखले वादों के लिए धन उपलब्ध कराने में असमर्थ होती है तो योजनाएं कैसे विफल हो जाती हैं।

विजयेंद्र ने दावा किया कर्नाटक में, कांग्रेस सरकार, जो पहले से ही पांच गारंटियों के प्रबंधन में चुनौतियों का सामना कर रही है, शक्ति योजना के तहत भारी घाटे में चल रही है, जो आरटीसी बसों में महिलाओं के लिए राज्य भर में मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान करती है। कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार अब सभी चार सरकारी स्वामित्व वाले परिवहन निगमों को 2,000 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण देने की योजना बना रही है।

गृह ज्योति योजना के तहत हुए घाटे की भरपाई करने के लिए, जो सभी घरों को 200 वाट तक मुफ्त बिजली प्रदान करती है, वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्रों के लिए बिजली की दरों में वृद्धि की गई है, जो अप्रत्यक्ष रूप से आम लोगों पर बोझ डाल रही है। गृह लक्ष्मी योजना के लिए धन आवंटित करने में असमर्थ, जिसके तहत राज्य में परिवार की प्रत्येक महिला मुखिया को 2,000 रुपये मासिक भत्ता देने का वादा किया गया है, सरकार चुनाव के समय लंबित किश्तों का भुगतान कर रही है और इस योजना का उपयोग केवल वोट बैंक बनाने के साधन के रूप में कर रही है। युवा निधि योजना, जिसमें नए स्नातकों को 3,000 रुपये और स्नातकों को दो साल की अवधि के लिए 1,500 रुपये मासिक भत्ता देने का वादा किया गया है, युवाओं के लिए एक अधूरा सपना बना हुआ है। किसान, मजदूर, युवा, छात्र और महिलाएं, जो समाज और राष्ट्र के मानव संसाधन की रीढ़ हैं, कांग्रेस सरकार द्वारा उपेक्षित हैं। उनके भविष्य के लिए कोई महत्वपूर्ण योजना बनाने में विफल रहने और विकास-विहीन शासन देने से राज्य का खजाना खाली हो गया है। यह लोगों के लिए कोई रहस्य नहीं है, क्योंकि करदाता हर दिन इस विफलता का खामियाजा भुगतते हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को राज्य के नौकरशाहों और अन्य सिविल सेवकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्र लोगों तक पहुंचे। उन्होंने कहा समानता सुनिश्चित करने और क्रय शक्ति को मजबूत करने के लिए हमने पांच गारंटियां लागू की हैं। इन गारंटियों से बिचौलियों को हटाकर सीधे लोगों के हाथों में पैसा पहुंचता है। अब यह सुनिश्चित करना आपकी जिम्मेदारी है कि ये लाभ लोगों तक प्रभावी रूप से पहुंचे।

प्रियांक खड़गे के इस्तीफे की मांग राजनीति से प्रेरित: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार शाम को कहा कि ठेकेदार आत्महत्या मामले में राज्य के ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे के इस्तीफे का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। विधान सौधा में मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ठेकेदार के सुसाइड नोट में खड़गे का नाम नहीं है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस मामले से खड़गे को जोड़ने वाला कोई सबूत या भूमिका नहीं है, इसलिए उन्हें पद छोड़ने की कोई जरूरत नहीं है। सिद्धरामैया ने कहा कि खड़गे ने जांच में सहयोग करने की इच्छा भी जताई है। कलबुर्गी में 26 वर्षीय ठेकेदार सचिन ने कथित तौर पर प्रियांक खड़गे के सहयोगी राजू से धमकियों और जबरन वसूली का सामना करने के बाद आत्महत्या कर ली। सचिन के सात पन्नों के सुसाइड नोट में राजू को अत्याचारों के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। भाजपा के चलवाडी नारायणस्वामी सहित विपक्षी नेताओं ने खड़गे पर आरोप लगाया और उनके इस्तीफे की मांग की। भाजपा ने मामले की सीबीआई जांच की मांग करते हुए अपना विरोध प्रदर्शन तेज करने की योजना बनाई है। मामले की सीबीआई जांच की भाजपा की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए सिद्धरामैया ने सवाल उठाया कि क्या भाजपा को राज्य पुलिस पर भरोसा नहीं है। पिछली भाजपा सरकार ने कोई भी मामला सीबीआई को नहीं सौंपा। इसलिए भाजपा के पास अब सीबीआई जांच की मांग करने का नैतिक अधिकार नहीं है। सिद्धरामैया ने आगे दावा किया कि अतीत में इसी तरह के एक मामले में पूर्व भाजपा नेता के.एस. ईश्वरप्पा का नाम मृत्यु नोट में उल्लेखित था। उन्होंने कहा कि मामले को जांच के लिए आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को सौंप दिया गया है और रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा मल्लिकार्जुन खड़गे को बदनाम करने की कर रही कोशिश: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मंत्री प्रियांक खड़गे ने आरोप लगाया है कि उनके खिलाफ भाजपा नेताओं की टूलकिट बुधवार से शुरू हो गई है और उनसे इस्तीफा लेने और एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले तीन-चार हफ्ते से भाजपा नेता मीडिया में आरोप लगा रहे हैं। लेकिन उन्होंने शिकायत की कि वे किसी भी चीज के दस्तावेज नहीं दे रहे हैं।

केएस ईश्वरप्पा के मामले को मेरे मामले से जोड़ा जा रहा है। आत्महत्या करने वाले ठेकेदार संतोष पाटिल ने लिखे पत्र में ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री केएस ईश्वरप्पा को मौत का जिम्मेदार बताया था। ठेकेदार ने लिखा था कि मैं अपनी सारी इच्छाएँ किनारे रखकर आत्महत्या कर रहा हूँ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री येदियुरप्पा को मेरे परिवार की मदद करनी चाहिए। उन्होंने लिखा कि न्याय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब बीदर के सचिन पंचाल ने नोट में मेरा नाम कहीं दर्ज किया गया है। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी राज्य में विपक्ष के नेता के रूप में काम नहीं कर रहे हैं, बल्कि पर्सनल विपक्ष के नेता के तौर पर काम कर रहे हैं। जैसे ही वे मल्लिकार्जुन खड़गे, डीके शिवकुमार और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को गाली देना बंद कर देंगे, उन्हें उनके पद से हटा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उन्होंने कलबुर्गी गणराज्य की आलोचना कर रहे भाजपा नेताओं से चार-पांच सवाल पूछे हैं, लेकिन अब तक उन्होंने उनका जवाब नहीं दिया है। कलबुर्गी घेराबंदी कार्यक्रम से पहले जवाब देना उचित होगा। राज्य भाजपा मुनिरत्ना, बसनगौड़ा पाटिल यतनाल को कम से कम एक नोटिस जारी नहीं कर पाई है। उन्होंने शिकायत की कि विभिन्न गुटों की राजनीति के कारण शर्मिंदगी से बचने के लिए उन पर बेबुनियाद आरोप लगाए जा रहे हैं।

पुलिस पर हमला करने के आरोप में 8 अय्यप्पा मालाधारी गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्रीकृष्ण मठ में भगवान के दर्शन करने आए 8 अय्यप्पा मालाधारियों को पुलिस कर्मियों पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। हाल ही में यह घटना घटी और हैदराबाद से शिवकुमार, विशाल, राजू, नवीन राज, रविकिरण, भानु, उमेन्द्र, रविकांत को गिरफ्तार कर लिया गया।

श्रीकृष्ण मठ के अंदर और बाहर भारी भीड़ थी। सुरक्षाकर्मी भगवान के दर्शन की पृष्ठभूमि को नियंत्रित करने आये थे। इसी समय

अय्यप्पा मालाधारियों के करीब 7-8 लोगों ने रथ स्ट्रीट पर आयोजित रथ उत्सव की पालकी के साथ कृष्ण मठ के अंदर आते समय विवाद करते हुए कई भक्तों पर हमला कर दिया। इस समय, मठ के दीवान नागराज आचार्य ने अयप्पा मालाधारियों को रोकने की कोशिश की।

आरोप है कि उन लोगों ने उनके साथ मारपीट करने की कोशिश की। उडुपी शहर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। अब पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर उडुपी कोर्ट में पेश किया है।

सीएम, खड़गे, राहुल से प्रियांक खड़गे को कैबिनेट से बर्खास्त करने की करेंगे अपील: नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि वह मुख्यमंत्री, खड़गे और राहुल गांधी से प्रियांक खड़गे को राज्य मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने का अनुरोध करेंगे। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने सचिन का डेथ नोट दिखाया। सचिन के डेथ नोट में सारी जानकारी है। सरकार को इसका जवाब देना चाहिए। उन्होंने जिम्मेदारी से न भागने की चेतावनी दी। क्या ऐसे व्यक्ति को न्याय नहीं मिलना चाहिए जब उसने धमकियों और प्रताड़ना के कारण जान दे दी हो? उन्होंने यह जानने की मांग की कि इसके पीछे कौन है। उन्होंने सिद्धरामैया सरकार पर गलत काम करने वालों को बचाने का आरोप लगाया। प्रियांक खड़गे की ओर से दिल्ली से फोन आ रहे हैं। उनकी तरफ से 3 लोगों ने बात की। सबसे पहले मुख्यमंत्री से बात हुई। उसके बाद उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और गृह मंत्री से बात हुई। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि हम भी जानते हैं कि सिद्धरामैया कैसे मुसीबत में हैं। यानी दबाव दिल्ली से आ रहा है। सचिन का डेथ नोट सच का आईना है। उन्होंने विश्लेषण किया कि अन्य मंत्री इसी कारण से नहीं बोल रहे थे। प्रियांक खड़गे ऐसे बोल रहे हैं जैसे उन्होंने बहुत संघर्ष किया हो। उन्होंने पूछा कि हमें बताएं कि उन्होंने किस शहर में संघर्ष किया है। हमारा पूरा जीवन एक संघर्ष है। इसीलिए मेरा नाम चलवाडी है। इस मौके पर नेता जगदीश हिरेमानी, प्रदेश प्रवक्ता अशोक गौड़ा, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष हरीश उपस्थित थे।

ठेकेदार आत्महत्या मामला

कर्नाटक सरकार से कोई अपडेट नहीं मिलने से पीड़ित परिजन प्रधानमंत्री को लिखेंगे पत्र

बीदर/शुभ लाभ ब्यूरो।

मंत्री प्रियांक खड़गे के करीबी सहयोगी पर आरोप लगाते हुए आत्महत्या करने वाले ठेकेदार सचिन पंचाल के परिवार ने कहा है कि उन्होंने भरोसा खो दिया है क्योंकि उन्हें मामले में कर्नाटक सरकार द्वारा कोई अपडेट नहीं दिया गया है और अब वे न्याय की मांग करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखेंगे। मृतक सचिन की बहन सुरेखा ने बीदर जिले के भालकी शहर के पास कट्टीटोंगोव गांव में कहा उसके आत्महत्या करने के सात दिन बाद भी एक भी अपडेट नहीं दिया गया है। हमें पता चला है कि वे मामले को दबाने की कोशिश कर रहे हैं।

गुस्से में उसने दावा किया आज वे दावा कर रहे हैं कि सचिन ठेकेदार नहीं है और कल वे दावा करेंगे कि सचिन का कार्यालय कलबुर्गी में मौजूद नहीं था और उसने कलबुर्गी में काम ही नहीं किया। वे यह भी दावा करेंगे कि सचिन उनसे कभी नहीं मिला। वे यह साबित करने के लिए दस्तावेज भी तैयार करेंगे कि मृत्यु नोट में लिखावट उसकी नहीं है और वे यह भी साबित करेंगे कि उसका अस्तित्व ही नहीं था। वे यह भी

साबित कर सकते हैं कि सचिन का जन्म ही नहीं हुआ था। सुरेखा ने कहा मृत्यु नोट में विवरण स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट हैं। अधिकारियों को मामले के बारे में मृत्यु नोट में नामित व्यक्ति से पूछताछ करनी चाहिए थी। इसके बजाय, पुलिस हमसे पूछताछ कर रही है। उन्हें पहले आरोपी से पूछताछ करने दें। अधिकारियों ने हमें यह अपडेट नहीं दिया है कि उन्हें पोस्टमार्टम रिपोर्ट या फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की रिपोर्ट मिली है या नहीं। चूंकि जांच में किसी भी विकास पर कोई अपडेट नहीं है, इसलिए हम सरकार पर कैसे भरोसा कर सकते हैं? हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखेंगे। उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलना संभव नहीं है। हमारे पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है, हम पीएम को एक पत्र लिखेंगे। उन्होंने कहा इस सरकार पर कोई भरोसा नहीं बचा है। केंद्र सरकार को मामले को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप देना चाहिए। मेरे भाई के पास एक आईफोन था। उसने मृत्यु नोट में उल्लेख किया था कि उसका फोन उससे छीन लिया गया था। पुलिस ने जांच करने की जहमत नहीं उठाई। सुरेखा ने आरोप लगाया ठेकेदार संघ के सदस्यों ने हमसे संपर्क किया और पूछा कि क्या सचिन के पास लाइसेंस है। हमें बताया गया है कि उससे संबंधित सभी दस्तावेज कलबुर्गी कार्यालय में हैं। वे सभी दस्तावेज पहले ही नष्ट हो चुके हैं। पहले भी हमने कहा था कि हमें नहीं पता कि सचिन के पास अनुबंध करने के लिए लाइसेंस था या नहीं। इस बीच, राज्य ठेकेदार संघ के अध्यक्ष जगन्नाथ शेगाजी ने कहा कि उन्होंने बीदर जिले के ठेकेदारों से जानकारी जुटाई है और सचिन पंचाल ठेकेदार नहीं हैं। जगन्नाथ ने कहा सचिन के पास कोई अनुबंध या लाइसेंस भी नहीं है। सचिन पंचाल को केवल तभी ठेकेदार माना जा सकता है, जब उनके पास बेंगलूरु में पीडब्ल्यूडी के तहत पंजीकृत लाइसेंस हो। उन्होंने कहा हमने धारवाड़ और कलबुर्गी के मुख्य अभियंताओं से पूछताछ की है। कोई पंजीकरण नहीं मिला। बेंगलूरु कार्यालय में भी इसकी पुष्टि की जाएगी। सचिन के नाम से किसी लंबित बिल या टेंडर के बारे में कोई जानकारी नहीं है। कलबुर्गी के 26 वर्षीय ठेकेदार सचिन ने कथित तौर पर प्रियांक खड़गे के सहयोगी राजू से धमकियाँ मिलने और जबरन वसूली के बाद आत्महत्या कर ली। सचिन के सात पन्नों के सुसाइड नोट में राजू को अत्याचारों के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है।

मुझे विजयेंद्र से मिलने की जरूरत नहीं: यतनाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विजयपुर के विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने कहा कि मुझे राज्य भाजपा अध्यक्ष बी.वाई.विजयेंद्र से मिलने की जरूरत नहीं है, भले ही वह आकर मुझसे बात करें, मैं उनसे बात नहीं करूंगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा मुझे विजयेंद्र से क्यों बात करनी चाहिए? अगर आलाकमान बुलाएगा और बात करेगा तो मैं बात करूंगा। हम जानते हैं कि हमारे साथ क्या गलत हुआ है। हमारा अपना दर्द है।

उन्होंने कहा कि वे आलाकमान के नेताओं से कहेंगे कि वे फोन कर बात करें। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद विजयेंद्र की शिकायत पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा नया साल हमारे लिए उगादि है। मुझे नहीं पता कि विजयेंद्र के लिए नया साल क्या है। मुझे पार्टी से नहीं निकाला जाएगा। निष्कासन मीडिया द्वारा बनाया गया बात है। वे मुझे क्यों निकाल रहे हैं? दिल्ली के नेता बार-बार विजयेंद्र को न्योता दे रहे हैं। लेकिन हमने किसी से अपॉइंटमेंट नहीं मांगा है। हम किसी से शिकायत नहीं करते। हम एक जन आंदोलन हैं। हमारा कोई दिल्ली आंदोलन नहीं है। मुझसे ज्यादा वफादार कोई नहीं है। मैं भीख मांगने वाली कांग्रेस का विधायक नहीं हूं, मैं हिंदुओं का, भाजपा का विधायक हूं। मुझे विजयेंद्र से मिलने की जरूरत नहीं है। उन्होंने जवाब दिया कि हर कोई जानता है कि यतनाल क्या है। वक्फ की बात करें तो वक्फ दौरे का दूसरा चरण हम शुक्रवार को तय करेंगे। बैठक में फैसला लिया जाएगा। हमारा कदम जनता की ओर है। हमारा कदम दिल्ली की ओर नहीं है।

जनता को पांच गारंटी के साथ जीवन की गारंटी दी जाए

सिद्धरामैया एआईसीसी अध्यक्ष के बेटे का इस्तीफा लेने से कतरा रहे: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने गुरुवार को कहा कि राज्य में मातृ मृत्यु के मामलों में दिन-ब-दिन वृद्धि होती जा रही है, चूंकि यह सरकार प्रायोजित हत्या है, सरकार को तुरंत इस मामले की जांच करनी चाहिए और मंत्री दिनेश गुंडू राव को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में सैकड़ों मौत के मामले सामने आए हैं। यह सिद्ध हो चुका है कि खराब गुणवत्ता वाली दवा ही इसका कारण है। उन्होंने कहा कि यह सरकार प्रायोजित हत्या है क्योंकि बैरेंटिस की मौत दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव में अपने पद से हटने की नैतिकता नहीं है। एसआईटी की जगह न्यायिक जांच सौंपी जाए। तभी निष्पक्ष जांच होगी और सच्चाई सामने आएगी। बैरेंटिस की मृत्यु खराब गुणवत्ता वाली दवाओं और आईवी इन्फ्यूजन के सेवन से हुई है। लेकिन स्वास्थ्य मंत्री इस बात से सहमत नहीं हैं। गुंडूराव ने कहा है कि कुछ नहीं हुआ है और सभी उपाय कर लिए गए हैं।

जब मैंने बेलगावी सत्र में इसका जिक्र किया तो स्वास्थ्य मंत्री ने मुझ पर आरोप लगाये। घटिया दवा को लेकर सरकार ने नोटिस दिया है। इसी तरह औषधि नियंत्रण को भी नोटिस देकर अपना पल्ला झाड़ लिया। उन्होंने गंभीर आरोप लगाया कि यह सरकार ड्रग माफिया चलाने वाली है। सरकार ने खुद नोटिस में कहा कि ड्रग कंट्रोलर ने पश्चिम बंगाल दवा कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की है। इस कंपनी की दवा लेने से लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने सवाल किया कि इसके पीछे क्या स्वार्थ है। अकेले रायचूर जिले में 11 मौत हो गई है। इसी तरह तुमकुरु जिले के तिपतुर में फिरदोज नामक ग्रामीण की भी मौत हो गई। अब उनका एक बच्चा अनाथ है। क्या इसके लिए सरकार जिम्मेदार नहीं है? बेलगावी में मरने वाली ज्योति के पति आत्महत्या की कोशिश के बाद आईसीयू में हैं। आश्चर्य की बात है कि 5 गारंटी देने का दावा करने वाली सरकार के शासन में ऐसा हो रहा है। ऐसे मामलों की चपेट में आए परिवार दुख में है। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि पार्टी ने उनसे मिलकर सांत्वना तक नहीं दी। मैं अब भी यह कहता हूं। मैं इसे फिर से कहूंगा। सरकार ड्रग माफिया के आगे झुक गई है। सरकार के पास अदालत में कोई वाजिब दलील पेश करने की क्षमता भी नहीं है। उनका काम ब्लैक लिस्टेड कंपनियों से वसूली करना है। जब चामराजनगर में ऑक्सीजन त्रासदी हुई, तो कांग्रेस नेता हिल गए और घड़ियाली आंसू बहाए। हासन के सम्मेलन के दौरान मातृ मृत्यु दर्ज की गई। आप उनके घर क्यों नहीं गए। कम से कम सांत्वना का एक शब्द भी नहीं कहा गया। उन्होंने पूछा कि क्या आपके आंसू सूख गए हैं? राज्य में ऐसी कितनी मौत हुई है, इसकी सटीक जानकारी होनी चाहिए। सत्र में दिया गया जवाब संतोषजनक नहीं था। घटिया दवाओं के लिए जिम्मेदार कंपनियों के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज की जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर अस्पतालों में मौत हो जाती है, तो डॉक्टर परिवार के सदस्यों पर दबाव डालकर उनका मुह बंद कर देते हैं और जब वहां कोई नहीं होता तो शवों को ले जाते हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य की जनता को पांच गारंटी के साथ जीवन की गारंटी दी जाए। लड़कियों के लिए 2 हजार देने की बात कह रहे सीएम सिद्धरामैया को पहले मौतें रोकनी चाहिए। योगेश गौड़ा हत्याकांड के बारे में बात करते हुए अशोक ने कहा कि अब मामले से जुड़े सभी सबूत सीबीआई के पास उपलब्ध हैं। जांच से साबित हुआ है कि आरोपी विनयकुलकर्णी ने उस दिन अपने समर्थकों के जरिए हत्या की थी। वे हमसे गवाह देने के लिए कह रहे थे। अब सब खुलासा हो गया है। विनयकुलकर्णी अपनी सुरक्षा के लिए विधायकों की टीम के साथ घूम रहे हैं। सरकार इस बारे में क्या कहती है? एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा जब भाजपा की सरकार थी तो प्रियांक खड़गे ने ठेकेदार आत्महत्या मामले को लेकर ईश्वरप्पा पर जमकर हमला बोला था। लेकिन अब मैं कहना चाहता हूं कि अगर प्रियांक खड़गे में गरिमा है तो वह इस्तीफा दे दें। सिद्धरामैया एआईसीसी अध्यक्ष के बेटे का इस्तीफा लेने से कतरा रहे हैं।

रिजर्व वन में जश्न मनाने गए 30 लोगों को हिरासत में लिया

मेंगलूरु /शुभ लाभ ब्यूरो।

वन विभाग के अधिकारियों ने 30 युवकों को हिरासत में लिया, जो नए साल का जश्न मनाने के लिए अवैध रूप से कोडागु भागमंडला रेंज रिजर्व फॉरेस्ट के हिस्से कोलीकल्लू माले हिल्स में घुसे थे। अपराध स्वीकार करते हुए लिखित वचन देने के बाद उन लोगों को छोड़ दिया गया। सूत्रों के अनुसार, वन अधिकारियों ने पहाड़ियों में निर्दिष्ट स्थान पर पहुंचने पर युवकों को पकड़ लिया। संवेदनशील रिजर्व वन क्षेत्रों में ऐसी किसी भी घटना को रोकने के लिए वन विभाग के अधिकारी कथित तौर पर हाई अलर्ट पर हैं।

चलती क्रूजर गाड़ी से गिरकर लड़के की मौत

बीदर/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के बसवकल्याण तालुक के हमुनगर टांडा में चलती क्रूजर गाड़ी से गिरकर 14 वर्षीय एक लड़के की मौत हो गई, जबकि एक अन्य लड़का घायल हो गया। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। मृतक हमुनगर टांडा इलाके का निवासी था और कक्षा 7 में पढ़ता था। यह घटना तब हुई जब वह मुदाबी गांव आते समय क्रूजर गाड़ी से गिर गया। पुलिस के अनुसार, उसके साथ यात्रा कर रहा एक अन्य छात्र भी क्रूजर गाड़ी से गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में मुदाबी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

एक और आत्महत्या

पत्नी द्वारा कथित उत्पीड़न से तंग आकर इंजीनियर ने नदी में लगाई छलांग

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

गत 9 दिसंबर को बेंगलूरु में अपनी पत्नी द्वारा कथित उत्पीड़न के कारण अतुल सुभाष की आत्महत्या के सनसनीखेज मामले, उसके बाद 13 दिसंबर को एक पुलिसकर्मी की आत्महत्या और 31 दिसंबर को नई दिल्ली में एक कैफे मालिक की आत्महत्या के बाद, बुधवार को कर्नाटक के हासन जिले में एक सॉफ्टवेयर पेशेवर द्वारा अपनी पत्नी द्वारा कथित उत्पीड़न के कारण आत्महत्या करने की घटना सामने आई है। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि पीड़ित की पहचान 35 वर्षीय प्रमोद के रूप में हुई है, जो बेंगलूरु में बेंज कंपनी से जुड़ा हुआ कर्मचारी था। पुलिस के अनुसार, बेंगलूरु के इंदिरानगर इलाके में रहने वाला प्रमोद 29 दिसंबर को अपना फोन छोड़कर घर से निकला था और फिर कभी वापस नहीं लौटा। चिंतित माता-पिता और परिवार ने दोस्तों से पूछताछ करने और हर जगह तलाश करने के बाद बेंगलूरु के के.आर.पुरम पुलिस स्टेशन में पुलिस शिकायत दर्ज कराई। इस बीच, स्थानीय लोगों ने हासन जिले में हेमावती नदी के पास एक लावारिस वाहन देखा। बैंक पासबुक और गाड़ी में रखे रिकॉर्ड से फोन नंबर मिलने के बाद उन्होंने प्रमोद के माता-पिता को सूचना दी थी। स्थानीय पुलिस से भी संपर्क किया गया और हेमावती नदी में अग्निशमन विभाग और आपातकालीन सेवाओं द्वारा तलाशी अभियान चलाया गया। आखिरकार बुधवार को युवक का शव बरामद हुआ। पुलिस के मुताबिक, प्रमोद ने अलुरु पुलिस स्टेशन की सीमा में गोरुरुशेट्टीहल्ली के पास हेमावती नदी में कूदकर आत्महत्या कर ली। सूत्रों ने आगे बताया कि प्रमोद के शव की पहचान करने के लिए पत्नी अपने बच्चे और अपने परिवार के साथ पहुंची थी। प्रमोद के परिवार ने पत्नी और उसके परिवार के सदस्यों की मौजूदगी पर कड़ी आपत्ति जताई और कथित तौर पर उन्हें मौके से भगा दिया। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर प्रमोद की पत्नी और उसकी मां को बचाया और उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले गई। मामले की जांच की जा रही है और पुलिस दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर रही है।

1,500 निजी स्कूलों ने अभी तक सरकारी मान्यता के लिए नहीं किया आवेदन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में एसएसएलसी और अन्य कक्षाओं की परीक्षाएं नजदीक आ रही हैं, लेकिन वर्ष 2024-25 के लिए स्कूल मान्यता नवीनीकरण की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। हालांकि शिक्षा विभाग ने पहले ही दो बार मान्यता नवीनीकरण की अनुमति दे दी है, लेकिन करीब 1500 स्कूलों ने अभी तक अपने आवेदन जमा नहीं किए हैं। पिछले साल से सरकार ने राज्य पाठ्यक्रम स्कूलों का नया पंजीकरण, पहली मान्यता, मान्यता नवीनीकरण, केंद्रीय पाठ्यक्रम स्कूलों को अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करना और उनकी नवीनीकरण प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया है। इसके अनुसार, चालू वर्ष में अब तक 8,000 से अधिक सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त निजी स्कूलों ने मान्यता नवीनीकरण के लिए आवेदन किया है और 685 स्कूलों को दूसरी अवधि में भी मान्यता

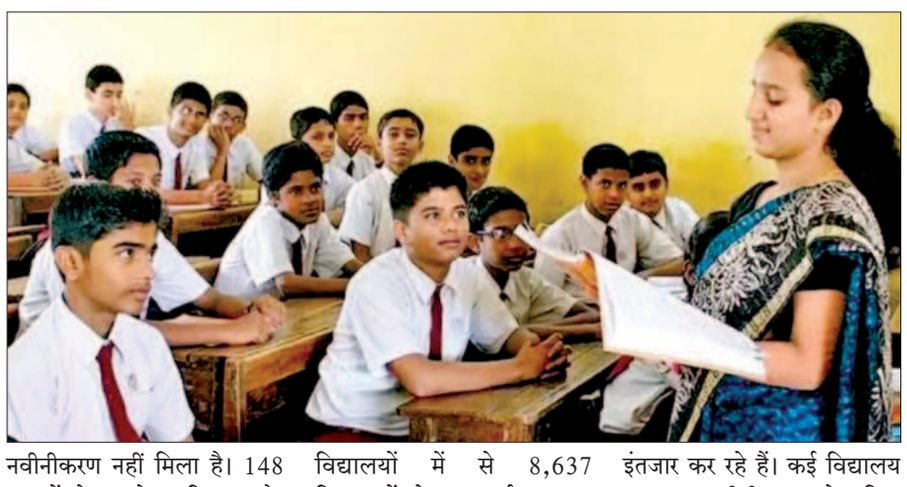

नवीनीकरण नहीं मिला है। 148 स्कूलों के आवेदन जिला और तालुक स्तर के अधिकारियों के पास लंबित हैं। राज्य में कुल 15,000 से अधिक गैर-सहायता प्राप्त निजी विद्यालय तथा लगभग 6,000 सहायता प्राप्त निजी विद्यालय हैं।

इन 21,000 विद्यालयों में से लगभग 11,000 विद्यालयों को पिछले कुछ वर्षों में 5 वर्षों के लिए मान्यता दी जा चुकी है। वे विद्यालय इस वर्ष आवेदन नहीं कर सकते। शेष 10,000 विद्यालयों में से 8,637 विद्यालयों ने इस वर्ष मान्यता नवीनीकरण के लिए आवेदन किया है।

इनमें से 7,804 विद्यालयों का नवीनीकरण हो चुका है। शेष 685 विद्यालयों के आवेदन अस्वीकृत हो चुके हैं तथा मान्यता नवीनीकरण नहीं हुआ है, तथा पुनः आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। जिन विद्यालयों के आवेदन अस्वीकृत हुए हैं, वे पुनः शिक्षा विभाग द्वारा आवेदन जमा करने की अवधि के तीसरे विस्तार का इंतजार कर रहे हैं। कई विद्यालय मान्यता नवीनीकरण के लिए आवश्यक मानदंडों का पालन नहीं कर रहे हैं।

विभाग में चर्चा है कि अंतिम चरण में सरकार यह मानकर चल रही है कि वह अगले वर्ष के लिए मानदंड पूरे करने का लिखित वादा करके मान्यता का नवीनीकरण कर देगी। स्कूल मान्यता के नवीनीकरण के लिए निजी स्कूलों को 22 दस्तावेज जमा कराने होंगे, जिसमें स्कूल पंजीकरण प्रमाण पत्र, प्रथम मान्यता प्रमाण पत्र, प्रथम नवीनीकरण प्रमाण पत्र, फिर वार्षिक नवीनीकरण, यदि सोसायटी है तो पीटीआर कॉपी, स्कूल की अपनी जमीन का साइट प्रमाण पत्र, खाता, राजस्व रसीद, यदि किराए या लीज पर है तो कम से कम 30 वर्ष के लिए प्राप्त पंजीकरण प्रमाण पत्र शामिल हैं। इनमें हाल के वर्षों में जोड़े गए मानदंड शामिल हैं, जिनमें स्कूल की जमीन का शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए भूमि रूपांतरण, स्कूल भवन योजना अनुमोदन और सुरक्षा मानक तथा अग्नि सुरक्षा सुविधाएं शामिल हैं। हालांकि, कुछ निजी स्कूलों द्वारा इनमें से कुछ मानदंडों के खिलाफ आपत्ति जताए जाने और कानूनी लड़ाई लड़ने के मद्देनजर मान्यता को केवल एक वर्ष के लिए नवीनीकृत करने की अनुमति दी गई है, जो केवल वर्तमान शैक्षणिक वर्ष पर लागू होगा और अगले वर्ष इन मानकों को पूरा करने का वादा करते हुए शपथ पत्र प्राप्त करना होगा।

सीएम का ध्यान 2025-26 के बजट के लिए राजस्व घाटा अनुदान प्राप्त करने पर

जल्द शुरू करेंगे विभागवार समीक्षा बैठकें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, जो 2025-26 के बजट के लिए विभागवार समीक्षा बैठकें शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, केंद्र से राजस्व घाटा अनुदान प्राप्त करने के लिए 16वें वित्त आयोग का ध्यान आकर्षित करने के लिए सावधानीपूर्वक योजना तैयार करने की तैयारी में है। लेकिन आयोग की सिफारिशों के आधार पर केंद्र से राजस्व घाटा अनुदान प्राप्त करने में मदद करने के लिए राज्य के राजस्व और व्यय में अंतर को प्रदर्शित करेंगे। सूत्रों ने कहा कि 15वें आयोग ने पड़ोसी राज्यों, खासकर केरल को 2020-21 और 2025-26 के बीच 37,814 करोड़ रुपये के राजस्व घाटा अनुदान की सिफारिश की थी, जिसमें से उसे 34.648 करोड़ रुपये मिले। पिछले अगस्त में अपने अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया की अध्यक्षता में 16वें वित्त आयोग के दौरे के दौरान, सिद्धरामैया, जो वित्त विभाग भी संभाल रहे हैं, ने राज्य की वित्तीय स्थिति पर एक रिपोर्ट पेश की। हर साल केंद्र के सकल कर राजस्व में कर्नाटक के लगभग 4 लाख करोड़ रुपये के योगदान पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य को हस्तांतरण के रूप में केवल 45,000 करोड़ रुपये और लगभग 15,000 करोड़ रुपये अनुदान सहायता के रूप में मिलते हैं। इसका मतलब है कि कर्नाटक द्वारा दिए गए प्रत्येक रुपये के बदले में उसे केवल 15 पैसे मिलते हैं। सूत्रों के अनुसार, जब वह 14 मार्च को अपना 16वां बजट पेश करेंगे, तो एक तरफ वह वास्तविक राजस्व और दूसरी तरफ बढ़ते व्यय का अनुमान लगाएंगे। उन्होंने कहा सिद्धरामैया अधिशेष बजट पेश करके अपनी पीठ थपथपाना नहीं चाहते हैं, क्योंकि इससे केंद्र के अनुदान प्राप्त करने में मदद नहीं मिलेगी, बल्कि यह व्यावहारिक होगा। परिव्यय 4 लाख करोड़ रुपये को पार कर जाएगा, जो 2024-25 के बजट से 10-15 प्रतिशत अधिक है, जिसमें 3.71 लाख करोड़ रुपये का परिव्यय था। 2024-2025 का बजट 27,354 करोड़ रुपये का राजस्व घाटा था। खनिज युक्त भूमि पर नया कर लगाया जाएगा, लघु खनिजों पर रॉयल्टी में वृद्धि की जाएगी, राजस्व सृजन के लिए उत्पाद शुल्क में वृद्धि की जाएगी और पूंजीगत व्यय पर अधिक जोर दिया जाएगा। विधायकों द्वारा मांगे गए विशेष अनुदान बजट में शामिल किए जा सकते हैं, जिससे व्यय में वृद्धि होगी। विधायकों की पार्टी संबद्धता से इतर, उनकी इच्छा थी कि अयोग्य लाभार्थियों को हटाकर पांच गारंटियों पर व्यय कम किया जाए। लेकिन एक अधिकारी ने कहा कि इसमें कोई भारी कटौती नहीं की जाएगी क्योंकि इससे सरकार पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। 2024-25 के लिए 3.7 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय में से 56,000 करोड़ रुपये पांच गारंटी योजनाओं के लिए निर्धारित किए गए थे। अपने पिछले 14 बजटों के विपरीत, जो राजस्व अधिशेष थे, 2024-25 का बजट 27,354 करोड़ रुपये का राजस्व घाटा था।

मेंगलूरु-विजयपुरा ट्रेन अब यलविगी में रुकेगी

सांसद बोम्मई ने रेलवे का जताया आभार

हावेरी/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने विजयपुरा-मेंगलूरु एक्सप्रेस ट्रेन को यलविगी रेलवे स्टेशन पर रुकने की अनुमति देने के लिए केंद्रीय रेल मंत्री और अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है।

सोशल मीडिया पर अपडेट साझा करते हुए बोम्मई ने कहा कि ट्रेन अब यलविगी स्टेशन पर रुकेगी, जिससे विजयपुरा-मेंगलूरु मार्ग पर यात्रा करने वाले यात्रियों को सुविधा मिलेगी। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस कदम से श्री कुक्के सुब्रह्मण्य और धर्मस्थल सहित कर्नाटक के प्रमुख मंदिरों के दर्शन की सुविधा मिलेगी और बंदरगाह शहर मेंगलूरु से सीधा संपर्क स्थापित होगा। उन्होंने जनता से इस सेवा का सर्वोत्तम उपयोग करने का आग्रह किया। बोम्मई ने पोस्ट किया मैं रेलवे विभाग को मेरे अनुरोध का जवाब देने और विजयपुरा-मेंगलूरु ट्रेन को यलविगी में रुकने की अनुमति देने के लिए धन्यवाद देता हूं। घोषणा के अनुसार, विजयपुरा-मेंगलूरु एक्सप्रेस प्रतिदिन रात 9:49 बजे यलविगी रेलवे स्टेशन पर रुकेगी।

सिद्धरामैया खुद हैं जांच के दायरे में: जोशी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा मंत्री प्रियांक खड़गे के इस्तीफे की भाजपा की मांग को खारिज करने के बाद केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने गुरुवार को कहा कि सिद्धरामैया खुद जांच के दायरे में हैं। वह दूसरों को इस्तीफा देने के लिए कैसे कह सकते हैं। हम यह नहीं कह रहे हैं कि वह (प्रियांक खड़गे) एक अपराधी हैं, क्या वह इस समय आरोपी नहीं हैं? जब सिद्धरामैया खुद जांच के दायरे में हैं, तो वह दूसरों को कैसे बता सकते हैं? यही कारण है कि वह प्रियांक खड़गे से इस्तीफा देने के लिए नहीं कह पा रहे हैं। जब इसी तरह की घटना हुई थी, तो केएस ईश्वरप्पा ने इस्तीफा दे दिया था। 2009-10 में जब तत्कालीन राज्यपाल ने अभियोजन की अनुमति दी, तो बीएस येदियुरप्पा ने इस्तीफा दे दिया। हम (भाजपा) आपसे कह रहे हैं कि आप वही करें जो हमने किया।

रेलवे का न्यौता : कश्मीर आएं पैराडाइज एक्सप्रेस का लुत्फ उठाएं

जम्मू, 02 जनवरी (ब्यूरो)। वंदे भारत एक्सप्रेस की सफलता के बाद, भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने जम्मू और कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नई लक्जरी पर्यटक ट्रेन, पैराडाइज एक्सप्रेस शुरू करने का प्रस्ताव रखा है। यह पहल दुनिया के शीर्ष दर्शनीय रेलवे में भारत की स्थिति को बढ़ाने के लिए डिजाइन की गई है, जो इसे स्विट्जरलैंड के ग्लेशियर एक्सप्रेस, न्यूजीलैंड के ट्रांसअल्पाइन, पेरू रेल और नार्वे के बर्गन रेलवे जैसे प्रसिद्ध मार्गों के साथ रखती है।

रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि पैराडाइज एक्सप्रेस का उद्देश्य रोमांच, संस्कृति और शानदार दृश्यों को मिलाकर एक शानदार यात्रा अनुभव प्रदान करके क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देना है। अधिकारियों के बकौल, ट्रेन

जम्मू और कश्मीर में एक अनूठी यात्रा प्रदान करेगी, जो क्षेत्र के आश्चर्यजनक दृश्यों और सांस्कृतिक समृद्धि को प्रदर्शित करेगी।

प्रस्तावित 325 किलोमीटर का मार्ग जम्मू से बारामुला तक फैला होगा, जिसमें उधमपुर, श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा, चिनाब ब्रिज, बनिहाल, अनंतनाग, श्रीनगर और बारामुला जैसे प्रमुख पड़ाव होंगे। पैराडाइज एक्सप्रेस का एक प्रमुख आकर्षण दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल चिनाब ब्रिज होगा, जिसे मार्ग पर एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण के रूप में प्रचारित किया जाएगा।

ट्रेन सप्ताह में छह दिन चलेगी, बुधवार को जम्मू में रखरखाव के लिए आरक्षित रहेगा। इसमें पांच विस्टाडोम एग्जीक्यूटिव चेयर कार, एक पेंट्री कार और दो पावर कार होंगी, जो यात्रियों को मनोरंजन, ताजा तैयार भोजन और यादगार अनुभव के लिए स्मृति चिन्ह प्रदान करेंगी। अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन को विशेष रूप से क्यूरेट किए गए यात्रा कार्यक्रमों के माध्यम से यात्रियों को वैष्णो देवी, पहलगाम, गुलमर्ग, सोनमर्ग और श्रीनगर जैसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों से जोड़ने के लिए भी डिज़ाइन किया गया है। अधिकारी कहते थे कि चिनाब ब्रिज यात्रा का केंद्र बिंदु होगा, जिसमें साइट पर पर्यटकों के लिए एक योजनाबद्ध कैफेटेरिया और संग्रहालय होगा, साथ ही 90 मिनट का दर्शनीय स्थल भी होगा।

इस रेल में प्रमुख अनुरोधों में मौजूदा 14 कोच की आवश्यकता के बजाय न्यूनतम आठ कोचों के साथ परिचालन की स्वीकृति, सार्वजनिक संबोधन प्रणाली और सीसीटीवी कैमरों से लैस नए विस्टाडोम कोचों की शुरूआत और छोटी ट्रेन रचनाओं के लिए ढुलाई और चार्जिंग सिद्धांतों में संशोधन शामिल हैं। अधिकारी कहते हैं कि हमने रखरखाव और पर्यटक ठहराव सहित अनुसूची की परिचालन व्यवहार्यता का आकलन करने और आवश्यक अनुमोदन प्रदान करने में मंत्रालय के समर्थन की भी मांग की है।

आईआरसीटीसी आशावादी है कि पैराडाइज एक्सप्रेस भारत में दर्शनीय रेल यात्रा के लिए नए मानक स्थापित करेगी, जो प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और इंजीनियरिंग चमत्कारों का मिश्रण पेश करेगी। 6 जनवरी को, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली से वर्चुअली जम्मू रेलवे डिवीजन का उद्घाटन करने वाले हैं, जो क्षेत्र के रेलवे बुनियादी ढांचे के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कदम से कनेक्टिविटी बढ़ने और स्थानीय संगठनों की लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करने की उम्मीद है।

महान लोगों का अपमान करना कांग्रेस की पहचान बन गई है: भाजपा

नई दिल्ली , 02 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस सांसद नसीर हुसैन की वीर सावरकर के बारे में हालिया टिप्पणी की कड़ी आलोचना की है , उन्होंने पार्टी पर सावरकर जैसी प्रमुख हस्तियों का बार-बार अपमान करने का आरोप लगाया है। पूनावाला ने कहा, महान लोगों का अपमान करना कांग्रेस की पहचान बन गई है । राहुल गांधी ने अपने एक सांसद नसीर हुसैन के माध्यम से एक बार फिर वीर सावरकर का अपमान किया है। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) अपने एक कॉलेज का नाम वीर सावरकर के नाम पर रख रहा है , और कांग्रेस ने पहले ही इसका विरोध करना शुरू कर दिया है। उन्होंने सावरकर पर कांग्रेस के रुख पर सवाल उठाते हुए हुसैन से पूछा, मैं नसीर हुसैन जी से पूछता हूं कि क्या इंदिरा गांधी, शरद पवार, उद्धव ठाकरे या शिवराज सिंह चौहान भी गलत थे, क्योंकि इन सभी ने सावरकर की महानता की प्रशंसा की है?

इससे पहले, कांग्रेस सांसद सैयद नसीर हुसैन ने सावरकर के नाम पर कॉलेज का नाम रखने के डीयू के फैसले की आलोचना की और इसे भाजपा द्वारा ब्रिटिश राज का समर्थन करने वाले नेताओं को बढ़ावा देने का प्रयास बताया।

हुसैन ने कहा कि देश की संप्रभुता और स्वतंत्रता के लिए कई अन्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति दी और उनमें से किसी एक के नाम पर कॉलेज का नाम रखना एक उचित श्रद्धांजलि होती।

हुसैन ने कहा, कई स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने देश की संप्रभुता और स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। अगर उन्होंने कॉलेज का नाम उनमें से किसी एक के नाम पर रखा होता, तो यह उनके लिए एक श्रद्धांजलि होती।

उन्होंने आगे भाजपा पर उन हस्तियों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया, जिन्होंने भारत के औपनिवेशिक काल के दौरान अंग्रेजों के साथ गठबंधन किया था।

लेकिन चूंकि भाजपा के पास कोई नेता या प्रतीक नहीं है, इसलिए वे उन लोगों को बढ़ावा दे रहे हैं और उन्हें वैध बना रहे हैं जिन्होंने ब्रिटिश राज का समर्थन किया था।

स्की की ढलानों पर स्लेजिंग पर लगी रोक

जम्मू, 02 जनवरी (ब्यूरो)। कश्मीर का गहना गुलमर्ग भारी बर्फबारी के बाद बर्फ की सफेद चादर से ढक गया है। इससे यह इलाका सर्दियों के लिए मनमोहक जगह बन गया है। यहां के खूबसूरत नजारे देखकर पर्यटक काफी खुश हैं। वे यहां के स्थानीय खाने का लुत्फ उठाकर अपनी यात्रा का भरपूर आनंद भी उठा रहे हैं। पर कश्मीर के पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने दुर्घटनाओं की आशंकाओं से बचने के लिए गुलमर्ग की स्की ढलानों पर स्लेजिंग गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगा दी है जिसके चलते पर्यटक निराश हो गए हैं।

कई पर्यटकों ने कहा है कि गुलमर्ग की खूबसूरती और आतिथ्य इसे एक बेहतरीन पर्यटन स्थल बनाता है। उन्होंने दूसरों से भी कम से कम एक बार इसके आकर्षण का अनुभव करने का आग्रह किया।एडवेंचर गेम्स से लेकर पाक व्यंजनों तक, गुलमर्ग प्रकृति की बर्फीली गोद में अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करता है। पर गुलमर्ग में निर्दिष्ट स्की ढलानों पर स्कीइंग गतिविधियों की सुरक्षा और सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए पर्यटन गुलमर्ग के सहायक निदेशक द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। इस आदेश में कहा गया है कि यह देखा गया है कि इन ढलानों पर स्लेजिंग गतिविधियां स्कीयर के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करती हैं जिसमें बच्चे और अप्रशिक्षित व्यक्ति शामिल हैं जो स्कीइंग सीख रहे हैं।

इसमें आगे लिखा है कि स्की ढलानों पर स्लेज की मौजूदगी से भ्रम और अराजकता पैदा होती है, जिससे दुर्घटनाओं और दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। सरकारी आदेश में आगे कहा गया है कि इसलिए, यह निर्देश दिया गया है कि निर्दिष्ट स्की ढलानों पर जहां स्कीइंग गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, वहां स्लेजिंग गतिविधियां सख्ती से प्रतिबंधित हैं। सभी स्लेजिंग उत्साही लोगों को सलाह दी जाती है कि वे स्लेजिंग गतिविधियों के लिए निर्धारित निकटवर्ती ट्रैक का उपयोग करें।

आदेश में कहा गया है कि किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना को रोकने और ढलान पर सभी व्यक्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गतिविधियों को अलग करना आवश्यक था। आदेश आगे कहता है कि ऑपरेटरों, पर्यटकों और आम जनता सहित सभी हितधारकों से इस निर्देश का पालन करने का अनुरोध किया जाता है। आदेश में चेतावनी दी गई है कि किसी भी गैर-अनुपालन पर कानून के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। गुलमर्ग के पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक का कहना था कि यह आदेश सार्वजनिक सुरक्षा और गुलमर्ग में शीतकालीन खेल गतिविधियों के सुचारू संचालन के हित में जारी किया गया है।

न्यू ऑरलियन्स में कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता हूं : मोदी

नई दिल्ली, 02 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका में नए साल के दिन हुए ट्रक अटैक की कड़े शब्दों में निंदा की है। हमले में 15 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए।

पीएम मोदी ने कहा, 'हम न्यू ऑरलियन्स में हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। ईश्वर करे कि उन्हें इस त्रासदी से उबरने में शक्ति और सांत्वना मिले।' न्यू ऑरलियन्स में नए साल के दिन सुबह-सुबह बोरबन स्ट्रीट पर एक शख्स ने एक ट्रक को तेज रफ्तार के साथ भीड़ में घुसा दिया जिससे 15 लोगों की मौत हो गई जबकि बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए। संदिग्ध की पहचान टेक्सास निवासी 42 वर्षीय अमेरिकी नागरिक शम्सुद्दीन जब्बार के रूप में हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक

एफबीआई का कहना है कि वाहन में इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) का झंडा मिला और वे इस हमले की जांच आतंकवादी कृत्य के रूप में कर रहे हैं।

जब्बार पुलिस की गोलीबारी में मारा गया।

सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक जांचकर्ताओं का कहना है कि संदिग्ध ने हमले से कुछ घंटे पहले सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड किए थे, जिससे पता चलता है कि वह आईएसआईएस से प्रेरित था और हत्या करने का इरादा रखता था।

अधिकारियों के अनुसार, जब्बार ने वीडियो में ऐसे सपने देखने की बात कही, जिनसे उसे आईएसआईएस में शामिल होने की प्रेरणा मिली। जब्बार अमेरिकी सेना में लंबे समय तक नौकरी कर चुका था और उसकी तैनाती अफगानिस्तान में भी हुई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक अदालती दस्तावेजों से पता चलता है कि जब्बार ने अपनी दो पूर्व पत्नियों को तलाक दिया था।

ऑनलाइन रिज्यूमे के अनुसार, जब्बार ने 2010 में सेंट्रल टेक्सास कॉलेज से एसोसिएट डिग्री और 2017 में जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी से ग्रेजुऐशन की डिग्री प्राप्त की। दोनों डिग्री कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित थीं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जब्बार का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है, जो यातायात अपराध और चोरी से संबंधित था।

उमर अब्दुल्ला ने फिर की राज्य का दर्जा देने की अपील

जम्मू, 02 जनवरी (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के नेता उमर अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार से पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की अपील एक बार फिर की है। उन्होंने कहा है कि हम अपने वादे पर कायम हैं। बस केंद्र को जम्मू-कश्मीर का स्टेटस बदलना होगा। साथ उन्होंने शासन के हाइब्रिड मॉडल पर भी चिंता जताई है।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू कश्मीर का यूटी (केंद्र शासित प्रदेश) रहना एक टेंपररी है। लोगों ने चुनाव में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और हम केंद्र सरकार से अपील करते हैं कि लोगों को तोहफा दें। वे कहते थे कि जम्मू कश्मीर को स्टेट का दर्जा दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने भी जल्द से जल्द देने की बात कही थी। इस

बात को एक साल हो गया है, मेरे ख्याल से ये वक्त काफी है।

शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री ने कहा कि नई सरकार की शुरुआत अच्छी रही है और उन्हें इसमें ज्यादा कठिनाई नहीं हुई। हम अपने चुनावी वादों पर कायम हैं और उनमें से कुछ के क्रियान्वयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है, अन्य पर काम करने के लिए हमें व्यवस्था में बदलाव की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 2 महीने सरकार में आए हो गए हैं। हमें यह समझने में समय लगा कि केंद्र शासित प्रदेश सरकार कैसे काम करती है। हम पहले भी सरकार से जुड़े रहे हैं, लेकिन उस स्वरूप और वर्तमान स्वरूप में बहुत अंतर है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में शासन का हाइब्रिड माडल किसी के लिए भी फायदेमंद नहीं है और जब कमान का एक ही केंद्र होता है तो सिस्टम बेहतर तरीके से काम करता है।

जम्मू कश्मीर में शासन के हाइब्रिड मॉडल के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने संवाददाताओं से कहा कि जाहिर है, सत्ता के दोहरे केंद्र किसी के लिए भी फायदेमंद नहीं हैं। अगर दोहरे केंद्र शासन के प्रभावी उपकरण होते, तो आप इसे हर जगह देख सकते थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि कुछ मुद्दों पर मतभेद रहे हैं, लेकिन राजभवन के साथ कोई टकराव नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि जब कमान का एक ही केंद्र होता है तो सिस्टम बेहतर तरीके से काम करता है। केंद्र शासित प्रदेश के लिए कमान के दोहरे केंद्र अंतर्निहित हैं। कुछ मुद्दों पर मतभेद रहे हैं, लेकिन उस पैमाने पर नहीं जिस पर अटकलें लगाई जा रही हैं। ऐसी खबरें महज कल्पना की उपज हैं। अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार के लिए कामकाज के नियम उचित परामर्श के बाद तैयार किए जाएंगे और फिर उन्हें उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को भेजा जाएगा।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि भाजपा कहती है कि जम्मू कश्मीर का मामला सुलझ गया है। जम्मू-श्मीर का एक हिस्सा उस तरफ भी है। तो क्या ये हम मान कर चलें कि जो एलओसी के पार का हिस्सा है वो भी सुलझ गया है? जाहिर सी बात है, नहीं सुलझा है. मसला कश्मीर अभी है। हम चाहते हैं कि जल्द सुलझे।

श्रावस्ती के मदरसे में छपता था नकली नोट

पांच बीवियों के जरिए बाजार में चलवाता था नकली नोट

श्रावस्ती, 02 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती में एक मदरसा संचालक अपनी पांच बीवियों के जरिए नकली नोट का धंधा चला रहा था। वह प्रिंटर से ही मदरसे के भीतर नकली नोट छापता था और फिर अपनी बीवियों को पकड़ा देता था। जालसाजी में शामिल बीवियां जगह-जगह यह नोट खपा देती थीं। उसके गैंग में 4 और लोग शामिल थे। पुलिस ने उनके पास से नकली नोट छापने की मशीन और हजारों के नकली नोट बरामद किए। उनके पास से अवैध हथियार भी बरामद हुए हैं।

श्रावस्ती के हरदत्त नगर इलाके में लक्ष्मणपुर इलाके में चल रहे एक मदरसे में पुलिस ने छापा मारा। मदरसे का संचालक मुबारक अली और उसके गुर्गे पकड़े गए। इनके पास से 34500 नकली नोट बरामद किए गए। इसके अलावा इनके पास से एक प्रिंटर भी बरामद हुआ। साथ ही नोट छापने की और सामग्री भी मिली। इनके पास से एक तमंचा भी मिला। पुलिस ने इनसे पूछताछ की तो असलियत का खुलासा हुआ।

पुलिस ने बताया कि मदरसा संचालक मुबारक अली इस गैंग का सरगना था, यही नोट छापने का पूरा काम देखता था। यह नोट पहले प्रिंटर से मदरसे के एक कमरे में छापे जाते और फिर इनको असली नोट जैसा दिखाने के लिए तैयार किया जाता। नोट छापने के लिए अच्छे क्वालिटी का कागज भी यूज होता था। वह 500 के अलावा छोटे नोट भी छापता था ताकि किसी को शक न हो। मुबारक अली की पांच बीवियां हैं। इनमें से दो अलग-अलग जगह मदरसों में ही पढ़ाती हैं। मुबारक अली फर्जी नोट छाप कर इन पांच महिलाओं को देता था। वे बाजार में यह नोट खपा देती थीं। इसके लिए वे रात के अंधेरे का फायदा उठाती थीं। गैंग में शामिल बाकी लोग भी यही काम करते थे। मुबारक अली ने यह नोट छापना यूट्यूब से सीखा था। उसके गैंग में जलील, धर्मराज, अवधेश और रामसेवक हैं। इनमें से कुछ पर आपराधिक मुकदमे भी दर्ज हैं। इनके पास से 500, 200 और 100 के नकली नोट पाए गए हैं। इनके पास 14500 के असली नोट भी मिले हैं।

संभल की शाही जामा मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल

कमल के फूल, घंटी, बरगद और कलश के निशान मिले

संभल, 02 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में स्थित शाही जामा मस्जिद का हाल ही में हुआ सर्वे एक अहम और विवादास्पद मुद्दा बन गया है। 19 और 24 नवंबर 2024 को न्यायालय के आदेश पर हुए इस सर्वे की रिपोर्ट अब न्यायालय को सौंपी जा चुकी है। सर्वेक्षण टीम ने अपनी रिपोर्ट में न्यायालय को 1000 से अधिक तस्वीरें प्रस्तुत किए हैं।

सर्वे में शाही जामा मस्जिद के मुख्य द्वार के दो खंभों के शीर्ष पर कमल के फूल की आकृति मिली है। इसके ऊपर नक्काशीदार कलश भी पाया गया। इसी प्रकार, मस्जिद की मुख्य इमारत के बाहरी हिस्से में दो

आले पाए गए, जिन पर मंदिर की घंटी के निशान थे। यह भी दावा किया गया कि मस्जिद के मुख्य गुंबद के अंदर मंदिर के घंटे की जंजीर पाई गई है। सर्वे में यह भी पाया गया कि मस्जिद के भीतरी खंभों पर शेषनाग जैसी आकृतियाँ थीं, जो भारतीय संस्कृति में एक महत्वपूर्ण प्रतीक मानी जाती हैं। इसके अलावा मस्जिद परिसर में दो बरगद के पेड़ पाए गए, जिनमें से एक पर कालिख का निशान था। मस्जिद के चबूतरे में एक कुआं भी पाया गया, जिसे अब पाट दिया गया है। यह कुआं लोहे के दरवाजे से बंद था, जो इसके ऐतिहासिक महत्व को और बढ़ाता है।

यह सर्वे कोर्ट के आदेश पर 19 नवंबर 2024 को शुरू हुआ था, और उसके बाद 24 नवंबर को दूसरा सर्वे किया गया था।

सर्वे के बाद कुछ हिंसक घटनाएं भी घटीं, जिसमें पांच लोग मारे गए। इस घटना ने इलाके में तनावपूर्ण माहौल पैदा कर दिया था और एक सप्ताह तक शांति का उल्लंघन हुआ। बाद में, संभल के अन्य क्षेत्रों में भी मंदिर और बावड़ी मिलने की खबरें आईं, जिन पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग और यूपी पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने भी अपना सर्वे किया। सर्वे की रिपोर्ट अब न्यायालय को सौंप दी गई है। इसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि संभल स्थित शाही जामा मस्जिद का सर्वे कराने के अदालती आदेश के बाद 19 नवंबर से क्षेत्र में सांप्रदायिक हिंसा फैलाने की कोशिश शुरू हो गई। 24 नवंबर को संभल में जमकर हिंसा हुई। कट्टरपंथियों ने पुलिस पर हमला किया और भीषण उत्पात किया।

पथराव हुआ, वाहन जलाए गए और पुलिस अफसरों पर गोलियां भी चलाई गईं। गोलीबारी में उपद्रवियों के बीच के ही पांच लोग मारे गए। दंगा फैलाने की साजिश में पाकिस्तानपरस्त आतंकी संगठनों की भूमिका पाई गई है। अब तक 50 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीसीटीवी के आधार पर वांछित अदनान नामक व्यक्ति की पहचान कर उसे दिल्ली के बटला हाउस से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। घटना में वह व्यक्ति और उसके साथी शामिल थे।

पहली बार प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालु करेंगे अक्षयवट का दर्शन

अकबर का लगाया प्रतिबंध मोदी राज में हटा

प्रयागराज, 02 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज कुंभ में स्नान का फल तभी मिलता है, जब वहां स्थित अक्षयवट का दर्शन किया जाए। संगम तट पर एक प्राचीन किला है, जिसमें यह अक्षय वट स्थित है। अक्षयवट का जिक्र पुराणों में भी वर्णन है। यह वट सृष्टि के विकास और प्रलय का साक्षी रहा है। इसका कभी नाश नहीं होता है। अकबर ने अक्षयवट के दर्शन-पूजन पर रोक लगा दी थी।

इसके बाद दिवंगत सीडीएस जनरल बिपिन रावत ने यहां आकर पाताल-पुरी मंदिर का दर्शन किया था और बाद में उनके प्रयास से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साल 2018 में यहाँ आम लोगों के दर्शन पर से प्रतिबंध हटा दिया था। बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी यहां आए और इस अनादि अक्षयवट का दर्शन किया था।

इस वट के बारे में कहा जाता है कि इस वृक्ष को माता सीता ने आशीर्वाद दिया था कि प्रलय काल में जब धरती जलमग्न हो जाएगी और सब कुछ नष्ट हो जाएगा तब भी वह हरा-भरा रहेगा।

इसके अलावा, एक मान्यता यह भी है कि बाल रूप में भगवान कृष्ण इसी वट वृक्ष पर विराजमान हुए थे। तब से श्रीहरि इसके पत्ते पर शयन करते हैं। पद्म पुराण में अक्षयवट को तीर्थराज प्रयाग का छत्र कहा गया है। ह्वेन त्सांग ने अक्षयवट के बारे में लिखा है कि नगर में एक मंदिर है और उसमें एक विशाल वट है। इसकी शाखाएं और पत्तियाँ दूर दूर तक फैली हुई हैं। इस वट का वर्णन वाल्मीकि रामायण में भी मिलता है। कहा जाता है कि भारद्वाज मुनि ने भगवान श्रीराम से कहा था कि वे दोनों भाई गंगा-यमुना के संगम पर जाएं और वहां बहुत बड़ा वट वृक्ष मिलेगा। वहीं, से दोनों भाई यमुना को पार कर जाएं।

अक्षयवट को मुगलकाल में इसे खत्म करने के प्रयास किए गए। इसके अलावा भी कई मुस्लिम आक्रमणकारियों ने इसे काट एवं जलाकर नष्ट करने की कोशिश की, लेकिन वे नाकाम रहे। माना जाता है कि इस तरह के वट वृक्ष पृथ्वी पाँच हैं। पहला प्रयागराज में अक्षयवट, दूसरा उज्जैन में सिद्धवट, तीसरा वृंदावन में वंशीवट, चौथा गया में मोक्षवट और पांचवां पंचवटी में पंचवट।

गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम पर बसे प्रयागराज में इस बार 144 साल बाद महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। साधु-संत कुंभ क्षेत्र में पहुंच चुके हैं।

शास्त्रों में महाकुंभ की महिमा अपार बताई जाती है। यही कारण है कि हर सनातनी अपने जीवन में कम-से-कम एक बार प्रयागराज कुंभ में स्नान ज़रूर करना चाहता है। त्रिवेणी पर सिर्फ स्नान का ही महात्म्य नहीं है, बल्कि अक्षयवट आदि के दर्शन भी महत्व-पूर्ण हैं।

कुंभ मेला दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक एवं सांस्कृतिक समागम है, जो पूर्णत: वैज्ञानिक अवधारणाओं पर आधारित है। खगोल विज्ञान के अनुसार, ग्रह-नक्षत्रों के विशेष सिद्ध में आने के बाद अर्ध कुंभ, पूर्ण कुंभ और महाकुंभ का आयोजन होता है। वैसे कुंभ के आयोजन के बारे में सबसे पुरानी लिखित जानकारी चीनी यात्री ह्वेन त्सांग के यात्रा विवरणों से मिलती है, लेकिन धार्मिक ग्रंथों में इसके बारे में सृष्टि के प्रारंभ को माना गया है।

अथर्ववेद में कुंभ मेले के वर्णन की बात कही जाती है। कुंभ का वर्णन पुराणों में है। मत्स्य पुराण में इसकी कहानी है। जब समुद्र मंथन हुआ तो उसमें से एक रत्न के रूप में अमृत कलश भी निकला। अमृत असुर न पी जाएं, इसलिए देवता इसे लेकर भागने लगे और असुर उनका पीछा करने लगे।

इस दौरान अमृत की बूंदें प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में गिर गईं। जहां-जहां अमृत की बूंदें गिरीं, वहां-वहां कुंभ मेले का आयोजन होता है।

ऐसा ही वर्णन स्कंद पुराण एवं पद्म पुराण में है। गरुड़ पुराण, अग्नि पुराण, विष्णु पुराण, श्रीमद्भागवत पुराण और ब्रह्मवैवर्त पुराण में भी कुंभ का वर्णन है। मत्स्य पुराण एवं पद्म पुराण के अलावा कुंभ का वर्णन स्कंद पुराण, अग्नि पुराण, भविष्य पुराण, ब्रह्म पुराण, कूर्म पुराण, पद्म पुराण, भागवत पुराण, विष्णु पुराण, गरुड़ पुराण और वाल्मीकि रामायण आदि में भी है।

मान्यताओं के अनुसार, कुंभ का आयोजन अनादि काल से होता है। वहीं, कुछ इसे सिंधु सभ्यता से भी पुराना बताते हैं। कहा जाता है कि यह हड़प्पा और मोहनजोदड़ो सभ्यता से 1,000 साल पुरानी है।

ईसा के जन्म से 500 पूर्व हुए परमार वंश के सम्राट विक्रमादित्य के नवरत्नों में शामिल रहे कालिदास ने अपनी अमर कृति रघुवंशम में भी इसका जिक्र किया है। सम्राट हर्षवर्धन बैंस, जिन्हें इतिहास में सम्राट हर्ष के नाम भी जानते हैं, के शासनकाल में 629-645 ईस्वी तक भारत में रहे चीनी यात्री ह्वेन त्सांग ने भी कुंभ का वर्णन किया है। मुगल काल में इसको लेकर कई जगह वर्णन है।

यह माना जाता है कि अधिकतर पुराण बाद के काल में लिखे गए हैं। कई तो 15-16वीं सदी में भी लिखे गए। कुछ धर्मग्रंथों में कहा गया है कि सबसे पहले कुंभ मेले का आरंभ सम्राट हर्षवर्धन ने किया था। ह्वेन त्सांग अपनी यात्रा के दौरान प्रयागराज आया था और उसने अपनी यात्रा वृतांत में लिखा है कि सम्राट हर्षवर्धन हर पांच साल पर नदियों के संगम पर आयोजन करते थे और वहाँ गरीबों को दान देते थे।

इस बार प्रयागराज में 144 साल बाद लगने वाला कुंभ लग रहा है। दरअसल, कुंभ पांच प्रकार का होता है, महाकुंभ, पूर्ण कुंभ, अर्ध कुंभ, कुंभ और माघ कुंभ, जिसे माघ मेला भी कहते हैं।

144 बाद लगने वाले महाकुंभ का आयोजन सिर्फ प्रयागराज के संगम पर ही होता है। शास्त्रों के अनुसार, जब बृहस्पति वृषभ राशि में और सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं, तब कुंभ मेले का आयोजन प्रयागराज में किया जाता है। पूर्ण कुंभ 12 वर्षों में आयोजित किया जाता है। पूर्ण कुंभ का आयोजन 4 तीर्थस्थलों हरिद्वार, उज्जैन, नासिक और प्रयागराज में होता है।

हरिद्वार गंगा नदी, उज्जैन शिप्रा नदी, नासिक गोदावरी नदी और प्रयागराज गंगा, यमुना एवं सरस्वती नदियों के संगम पर बसा है। जब सूर्य मेष राशि और बृहस्पति कुंभ राशि में प्रवेश करते हैं, तब कुंभ मेले का आयोजन हरिद्वार में किया जाता है। .

वहीं, अर्ध कुंभ का आयोजन हर 6 साल पर होता है। इसका आयोजन केवल दो स्थानों प्रयागराज और हरिद्वार में होता है। माघ कुंभ हर साल सिर्फ प्रयागराज में आयोजित किया जाता है। जब सूर्य सिंह राशि में प्रवेश करते हैं तो उज्जैन में जो कुंभ मनाया जाता है उसे सिंहस्थ कुंभ कहते हैं। जब सूर्य और बृहस्पति सिंह राशि में प्रवेश करते हैं, तब यह कुंभ मेला नासिक में मनाया जाता है

नए साल में नई गति से विकास पथ पर आगे बढ़ेगा उत्तर प्रदेश : योगी

1533 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण

गोरखपुर, 02 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछली सरकारें जहां विकास के आयामों, उद्योगों, कारखानों को बंद करने और उन्हें बेचने में लगी रहती थीं, वहीं भाजपा की डबल इंजन सरकार नव सृजन और नया निर्माण कर विकास का माहौल बनाने में जुटी हुई है। मिसाल के तौर पर गोरखपुर के बंद खाद कारखाने और पिपराइच की बंद चीनी मिल को देखा जा सकता है। पूर्व की सरकारों ने जहां इसे बंद कर दिया था और बेचने की तैयारी में थीं, वहीं डबल इंजन की सरकार ने इन्हें फिर से चला कर दिखा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार में नए साल में उत्तर प्रदेश नई गति से विकास पथ पर आगे बढ़ेगा। यहां नौकरी और रोजगार के अवसर और तेजी से बढ़ेंगे और यहां के युवाओं को कहीं बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

सीएम योगी नए साल के दूसरे दिन गुरुवार को गोरखपुर में रोड कनेक्टिविटी, किसान हित और खाद्य एवं दवा सुरक्षा से जुड़ी 1533 करोड़ रुपए की नौ विकास परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने 1478 करोड़ 80 लाख 68 हजार रुपए के चार विकास कार्यों का शिलान्यास तथा 53 करोड़ 73 लाख 66 हजार रुपए के पांच विकास कार्यों का लोकार्पण किया। जनता इंटर कॉलेज चरगांवा में हुए समारोह में सीएम ने कहा कि विकास की ये परियोजनाएं आने वाले समय मे नए गोरखपुर का दर्शन और भी सशक्त रूप में कराएंगी।

सीएम योगी ने डबल इंजन सरकार में आए बदलाव की चर्चा करते हुए कहा कि एक समय समाजवादी पार्टी की सरकार में इंसेफेलाइटिस से बड़े पैमाने पर बच्चों की मौतें होती थीं। यह बच्चे समाज और देश की अमानत थे लेकिन जाति के नाम पर समाज को बांटने का पाप करने वालों ने इसके बारे में तनिक भी नहीं सोचा।

इंसेफेलाइटिस से करने वाले 90 प्रतिशत बच्चे दलित और अल्पसंख्यक समाज के थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में इंसेफलाइटिस की बीमारी को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कार्य करने का जज्बा होना चाहिए। समाज के प्रति जवाबदेही का जज्बा होगा तो सभी समस्याओं का समाधान भी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आज गोरखपुर में की पिपराइच की चीनी मिल चल रही है, खाद कारखाना चल रहा है, गोरखपुर में चिड़ियाघर भी खुल गया है। गोरखपुर में लखनऊ, वाराणसी सहित सभी तरफ से शानदार रोड कनेक्टिविटी है। विकास होने से रोजगार के नए-नए अवसर भी आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि गोरखपुर में पांच साल में 15 से 20 हजार करोड़ रुपए का निवेश धरातल पर उतर चुका है। उद्योग लगने से हजारों युवाओं को रोज-गार की गारंटी मिली है। आज गोरखपुर में चार विश्वविद्यालय हैं, वेटरिनरी कॉलेज भी बन रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन की भाजपा सरकार विकास और विरासत के संरक्षण से जुड़कर पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित करती है। यह सरकार विकास और विरासत के संरक्षण के प्रति संकल्पित है। उन्होंने कहा कि 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा से लेकर 26 फरवरी महाशिवरात्रि तक प्रयागराज में सदी का पहला महाकुंभ आयोजित होने जा रहा है। यह मुहूर्त 144 साल के बाद आया है। प्रयागराज महाकुंभ के लिए सरकार ने भव्य व्यवस्था की है। यहां देश और दुनिया के श्रद्धालु आकर उत्तर प्रदेश की आतिथ्य सेवा का नया अनुभव प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि गत वर्ष अयोध्या में 500 वर्षों के इंतजार के बाद भगवान रामलला विराजमान हुए थे। इस वर्ष महाकुंभ के आयोजन के साथ उत्तर प्रदेश विकास और विरासत से जुड़कर पूरी दुनिया को आकर्षित करेगा।

कासगंज के चंदन गुप्ता हत्याकांड में 28 दोषी

आरोपियों को आज सुनाई जाएगी सजा

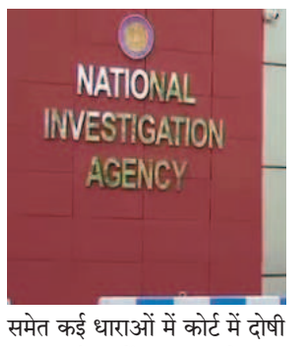

कासगंज, 02 जनवरी (एजेंसियां)। कासगंज में चंदन गुप्ता हत्याकांड मामले में एनआईए कोर्ट ने 28 आरोपियों को दोषी माना है। 2 आरोपियों को बरी कर दिया गया है। यह सुनवाई उत्तर प्रदेश के लखनऊ एनआईए कोर्ट में गुरुवार 2 जनवरी को हुई। 28 आरोपियों को शुक्रवार 3 जनवरी को सजा सुनाई जाएगी। 26 जनवरी 2018 को कट्टरपंथी मुस्लिमों ने तिरंगा यात्रा में शामिल होने जा रहे चंदन गुप्ता की हत्या कर दी थी।

एनआईए स्पेशल कोर्ट ने चंदन गुप्ता हत्याकांड में आसिफ कुरैशी उर्फ हिटलर, असलम, असीम, शबाब, साकिब, मुनाजिर रफी, आमिर रफी, सलीम, वसीम, नसीम, बबलू, अकरम, तौफीक, मोहसिन, राहत, सलमान, आसिफ जिम वाला, निशु, वासिफ, इमरान, शमशाद, जफर, शाकिर, खालिद परवेज, फैजान, इमरान, शाकिर, जाहिद उर्फ जग्गा को दोषी माना है। इन्हें हत्या समेत कई धाराओं में कोर्ट में दोषी ठहराया है। इन्हें शुक्रवार को सजा सुनाई जाएगी।

गणतंत्र दिवस के दिन चंदन गुप्ता बाकी युवाओं के साथ कासगंज में एक बाइक रैली निकाल रहे थे। यह बाइक रैली तिरंगों के साथ निकाली गई थी। जब यह रैली राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के पास पहुँची तो यहीं पर मुस्लिम युवकों ने हमला कर दिया। मुस्लिम युवकों ने हिन्दुओं पर फायरिंग की और पत्थर बरसाए। चंदन गुप्ता को निशाना बना कर गोली मारी गई, इसके चलते उनकी मौत हो गई। इसके बाद कासगंज में काफी हिंसा हुई। मामले में वसीम, नसीम समेत कई आरोपित पुलिस ने पकड़े थे। इनमें से एक को छोड़ कर बाकी को जमानत भी मिल गई थी।

मामले में 7 साल बाद चंदन गुप्ता के परिवार को न्याय मिलने जा रहा है। इस बीच चंदन गुप्ता का परिवार आर्थिक और मानसिक रूप से जूझता रहा है। उनके घर में सुरक्षा को लेकर चिंताएं भी रही हैं। उनके परिवार से किए गए कई वादे भी नहीं पूरे हुए। परिवार को किया गया नौकरी का वादा भी आधा अधूरा रहा और यहां तक कि उनके परिवार पर दबाव भी बनाया गया। केस खत्म करने तक के ऑफर दिए गए थे।

चंदन गुप्ता के पिता सुशील गुप्ता ने बताया, चंदन की हत्या के बाद लगभग एक साल तक मेरे परिवार को पुलिस सुरक्षा मिली थी। बाद में यह हटा ली गई। मेरा बड़ा बेटा विवेक गुप्ता इस केस का गवाह है। पहले वो मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव की नौकरी करता था। लेकिन अब हमने डर से उसकी नौकरी छुड़वा दी है। हमें कई बार धमकियां भी मिली है। अब घर के खर्चों की पूरी जिम्मेदारी अकेले मेरे ऊपर है। मैं एक प्राइवेट अस्पताल में कम्पाउंडर हूं। एक बेटी की शादी की भी जिम्मेदारी है।

महाकुंभ के छावनी क्षेत्र में हुआ श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी का भव्य प्रवेश

महाकुंभ नगर, 02 जनवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ क्षेत्र में सनातन धर्म के ध्वज वाहक अखाड़ों के प्रवेश का सिलसिला जारी है।

इसी क्रम में श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी ने राजसी वैभव के साथ छावनी क्षेत्र में प्रवेश किया। शहर में जगह जगह पुष्प वर्षा कर संतों का भव्य स्वागत किया गया। कुंभ मेला प्रशासन की तरफ से भी अखाड़े के महात्माओं का स्वागत किया गया।

सनातन धर्म के 13 अखाड़ों में सबसे धनवान कहे जाने वाले श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी ने छावनी क्षेत्र में प्रवेश किया। अलोपी बाग के निकट स्थित महानिर्वाणी अखाड़े की स्थानीय छावनी से अखाड़े का भव्य जुलूस उठा।

सबसे पहले महामंडलेश्वर पद का सृजन करने वाले इस अखाड़े में इस समय 67 महामंडलेश्वर हैं। अखाड़े की छावनी प्रवेश यात्रा में भी इसकी झलक देखने को मिली।

अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी विशोकानंद जी की अगुवाई में यह छावनी प्रवेश यात्रा शुरू हुई जिसमें आगे आगे अखाड़े के इष्ट भगवान कपिल जी का रथ चल रहा था, जिसके बाद आचार्य महामंडलेश्वर का भव्य रथ श्रद्धालुओं को दर्शन दे रहा था।

नारी शक्ति को महा निर्वाणी अखाड़ा ने हमेशा विशिष्ट स्थान दिया है। अखाड़ों में मातृ शक्ति को स्थान भी सबसे पहले महा निर्वाणी अखाड़ा ने दिया। अखाड़ा के सचिव महंत जमुना पुरी बताते है कि साध्वी गीता भारती को अखाड़ों की पहली महामंडलेश्वर होने का स्थान प्राप्त है जो उन्हें 1962 में प्रदान किया गया था। निर्वाणी अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी हरि हरानंद जी की शिष्या संतोष पुरी तीन साल की उम्र में अखाड़े में शामिल हुई और उन्हें ही यह उपलब्धि हासिल है। दस साल की उम्र में वह गीता का प्रवचन करती थी जिसके कारण राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने उन्हें गीता भारती का नाम दिया और संतोष पुरी अब संतोष पुरी से गीता भारती बन गई। छावनी प्रवेश यात्रा में भी इसकी झलक देखने को मिली जिसमें चार महिला मंडलेश्वर भी शामिल हुई। यात्रा में वीरांगना वाहिनी सोजत की झांकी में भी इसकी झलक देखने को मिली।

छावनी यात्रा में पर्यावरण संरक्षण के कई प्रतीक भी साथ चल रहे थे। पांच किमी लंबा सफर तय करके शाम को अखाड़े ने छावनी में प्रवेश किया।

सपा सांसद जियाउर्रहमान के घर पर चलेगा बुलडोजर

संभल, 02 जनवरी (एजेंसियां)। संभल से सपा सांसद जियाउर्रहमान के घर पर जल्द ही प्रशासन बुलडोजर चलाएगा। यह घर बिना नक्शा पास करवाया गया है और इसको लेकर प्रशासन दो बार नोटिस भेज चुका है। इन नोटिस पर सपा सांसद ने कोई भी जवाब नहीं दिया है। संभल प्रशासन अब उन्हें और कोई नोटिस नहीं भेजेगा। संभल प्रशासन ने जियाउर्रहमान को आखिरी नोटिस 28 दिसंबर 2024 को भेजा था। इसका जवाब 4 जनवरी 2025 तक दिया जाना है। यह तारीख निकट आ गई है। इससे पहले जियाउर्रहमान के घर के बाहर भी प्रशासन ने बुलडोजर चलाया था। जियाउर्रहमान पर संभल में जामा मस्जिद हिंसा मामले में भड़काऊ बयान देने, बिजली चोरी करने और गाड़ी से एक्सीडेंट करने सम्बन्धी मुकदमे भी दर्ज हो चुके हैं।

संपादकीय

पंचिंग बैग नहीं है हिन्दू धर्म

तथाकथित सेकुलर राजनीतिक दल और नेताओं ने हिन्दू धर्म को पंचिंग बैग समझ लिया है। अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने और एक खास वोटबैंक को खुश करने के लिए, अकसर तथाकथित सेकुलर नेता हिन्दू धर्म को लक्षित करके विवादित बयानबाजी करते रहते हैं। कोई सनातन धर्म की तुलना डेंगू से करता है तो कभी सनातन के समूल नाश पर सेमिनार कराए जाते हैं। कभी संसद में जोश में आकर कह दिया जाता है कि "जो लोग अपने आपको हिन्दू कहते हैं, वो चौबीस घंटे हिंसा, हिंसा, हिंसा; नफरत, नफरत, नफरत; असत्य, असत्य, असत्य कहते हैं"। अब केरल के मुख्यमंत्री एवं कम्युनिस्ट नेता पिनराई विजयन ने सनातन धर्म को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करके हिन्दू विरोध की मानसिकता को प्रकट किया है। उनकी टिप्पणी बताती है कि सनातन धर्म के संबंध में उनकी समझ बहुत उथली है और उन्होंने जानबूझकर हिन्दू धर्म को निशाना बनाने का प्रयास किया है। यही कारण है कि केरल के मुख्यमंत्री विजयन की टिप्पणियों का विरोध न केवल भारतीय जनता पार्टी कर रही है अपितु कांग्रेस ने भी विरोध किया है। हालांकि, विश्व हिन्दू परिषद ने विपक्षी दल में शामिल सभी राजनीतिक दलों की सोच पर सवाल उठाए हैं। क्योंकि कांग्रेस के नेताओं की ओर से जो विरोध दर्ज कराया जा रहा है, वह गोल-मोल है। केरल के मुख्यमंत्री ने दो बड़ी बातें कही हैं। पहली टिप्पणी में मुख्यमंत्री विजयन ने यह स्थापित करने का प्रयास किया है कि संत और समाज सुधारक श्री नारायण गुरु का सनातन धर्म से कोई लेना-देना नहीं था। अपितु उन्होंने तो सनातन में सुधार करके नये धर्म की घोषणा की। विजयन की इस सोच से देखेंगे तो स्वामी दयानंद सरस्वती और स्वामी विवेकानंद से लेकर महात्मा गांधी तक कोई भी सनातनी नहीं कहलाएगा क्योंकि इन सबने भी सनातन में काल के प्रवाह में आए कई दोषों को दूर करने का कार्य किया। विजयन को समझना चाहिए कि सनातन ही है, जो यह स्वतंत्रता देता है कि उसके अनुयायी सुधार की बात कर सकें और अपना नया रास्ता भी प्रस्तुत कर सकें। बहरहाल, मुख्यमंत्री विजयन ने अपनी दूसरी टिप्पणी में कहा है कि राज्य के मंदिरों में प्रवेश करने से पहले पुरुष श्रद्धालुओं को कमर से ऊपर के कपड़े उतारने की आवश्यकता संबंधी लंबे समय से जारी प्रथा को देवस्वम बोर्ड समाप्त करने की योजना बना रहा है। उन्होंने इस प्रथा को एक सामाजिक बुराई बताया तथा इसके उन्मूलन का आह्वान किया है। विजयन बताए कि इससे पहले उन्होंने किसी अन्य धर्म-संप्रदाय की किस प्रथा को सामाजिक बुराई बताया हो और उसके उन्मूलन की दिशा में कदम बढ़ाया हो। महिलाओं को बुर्का जैसे बंधन से मुक्ति दिलाने की बात होती है तब यही कम्युनिस्ट बिरादरी उस कबीलाई व्यवस्था को आधुनिक समय में भी बनाए रखने की वकालत करते हैं। मुख्यमंत्री विजयन की सनातन धर्म विरोधी टिप्पणियों को लेकर समाज की ओर से भी तीखी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं लेकिन वे अब भी अपनी टिप्पणियों पर कायम हैं। यह दर्शाता है कि केरल के मुख्यमंत्री को हिन्दू समाज की भावनाओं की कोई चिंता नहीं है। तथाकथित सेकुलर नेताओं को यह समझना चाहिए कि यदि वे अन्य संप्रदायों के बारे में कोई प्रतिकूल टिप्पणी देने का सामर्थ्य नहीं रखते हैं, तब उन्हें हिन्दू धर्म के संबंध में भी ऊटपटांग बोलने का कोई अधिकार नहीं है।

अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने और एक खास वोटबैंक को खुश करने के लिए अकसर तथाकथित सेकुलर नेता हिन्दू धर्म को लक्षित करके विवादित बयानबाजी करते रहते हैं। कोई सनातन धर्म की तुलना डेंगू से करता है तो कभी सनातन के समूल नाश पर सेमिनार कराए जाते हैं। कभी संसद में जोश में आकर कह दिया जाता है कि "जो लोग अपने आपको हिन्दू कहते हैं, वो चौबीस घंटे हिंसा, हिंसा, हिंसा; नफरत, नफरत, नफरत; असत्य, असत्य, असत्य कहते हैं"। अब केरल के मुख्यमंत्री एवं कम्युनिस्ट नेता पिनराई विजयन ने सनातन धर्म को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करके हिन्दू विरोध की मानसिकता को प्रकट किया है। उनकी टिप्पणी बताती है कि सनातन धर्म के संबंध में उनकी समझ बहुत उथली है और उन्होंने जानबूझकर हिन्दू धर्म को निशाना बनाने का प्रयास किया है। यही कारण है कि केरल के मुख्यमंत्री विजयन की टिप्पणियों का विरोध न केवल भारतीय जनता पार्टी कर रही है अपितु कांग्रेस ने भी विरोध किया है। हालांकि, विश्व हिन्दू परिषद ने विपक्षी दल में शामिल सभी राजनीतिक दलों की सोच पर सवाल उठाए हैं। क्योंकि कांग्रेस के नेताओं की ओर से जो विरोध दर्ज कराया जा रहा है, वह गोल-मोल है। केरल के मुख्यमंत्री ने दो बड़ी बातें कही हैं। पहली टिप्पणी में मुख्यमंत्री विजयन ने यह स्थापित करने का प्रयास किया है कि संत और समाज सुधारक श्री नारायण गुरु का सनातन धर्म से कोई लेना-देना नहीं था।

भारत विश्व में बिलिनेयर की संख्या की दृष्टि से तृतीय स्थान पर आ गया

भारत में तेज गति से बढ़ती बिलिनेयर की संख्या

भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी अन्य देशों की तुलना में द्रुत गति से आगे बढ़ रही है। भारत आज विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था आज विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था है तथा शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत का वैश्विक व्यापार भी द्रुत गति से आगे बढ़ रहा है। कुल मिलाकर, भारत आज अर्थ के क्षेत्र में पूरे विश्व में एक चमकते सितारे के रूप उभर रहा है। लगातार तेज तो रही आर्थिक प्रगति का प्रभाव अब भारत में नागरिकों की औसत आय में हो रही वृद्धि के रूप में भी दिखाई देने लगा है।

भारत में आर्थिक प्रगति की दर लगातार तेज होती दिखाई दे रही है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी अन्य देशों की तुलना में द्रुत गति से आगे बढ़ रही है। भारत आज विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था आज विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था है तथा शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत का वैश्विक व्यापार भी द्रुत गति से आगे बढ़ रहा है। कुल मिलाकर, भारत आज अर्थ के क्षेत्र में पूरे विश्व में एक चमकते सितारे के रूप उभर रहा है। लगातार तेज तो रही आर्थिक प्रगति का प्रभाव अब भारत में नागरिकों की औसत आय में हो रही वृद्धि के रूप में भी दिखाई देने लगा है। हाल ही में अमेरिका में जारी की गई यूबीएस बिल्यनेर ऐम्बिशन रिपोर्ट के अनुसार भारत में बिलिनेयर (अतिधनाडयों) की संख्या 185 तक पहुंच गई है और भारत विश्व में बिलिनेयर की संख्या की दृष्टि से तृतीय स्थान पर आ गया है। प्रथम स्थान पर अमेरिका है, जहां बिलिनेयर की संख्या 835 हैं एवं द्वितीय स्थान पर चीन है जहां बिलिनेयर की संख्या 427 है। इस वर्ष भारत और अमेरिका में जहां बिलिनेयर की संख्या में वृद्धि हुई है वहीं चीन में बिलिनेयर की संख्या में कमी आई है। अमेरिका में इस वर्ष बिलिनेयर की सूची में 84 नए बिलिनेयर जुड़े हैं एवं भारत में 32 नए बिलिनेयर (21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ) जुड़े हैं तो वहीं चीन में 93 बिलिनेयर कम हुए हैं। पूरे विश्व में आज बिलिनेयर की कुल संख्या 2682 तक पहुंच गई है जबकि वर्ष 2015 में पूरे विश्व में 1757 बिलिनेयर थे। भारत में वर्ष 2015 की तुलना में बिलिनेयर की संख्या में 123 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। बिलिनेयर अर्थात वह नागरिक जिसकी सम्पत्ति 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गई है अर्थात भारतीय रुपए में लगभग 8,400 करोड़ रुपए की राशि से अधिक की सम्पत्ति। पिछले एक वर्ष के दौरान भारत में उक्त वर्णित बिलिनेयर की सम्पत्ति 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 9,560 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई हैं। जबकि अमेरिका में बिलिनेयर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में 4 लाख

60 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2024 में 5 लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। चीन में तो बिलिनेयर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में एक लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से घटकर वर्ष 2024 में एक लाख 40 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर की हो गई है। पूरे विश्व में बिलिनेयर की सम्पत्ति बढ़कर 14 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। उक्त प्रतिवेदन में यह सम्भावना भी व्यक्त की गई है कि आगे आने वाले 10 वर्षों में भारत में बिलिनेयर की संख्या में और तेज गति से वृद्धि होगी। भारत में 108 से अधिक पारिवारिक व्यवसाय में संलग्न परिवार भी हैं जो अपने व्यवसाय को भारतीय पारिवारिक परम्परा के अनुसार आगे बढ़ा रहे हैं और भारत में बिलिनेयर की संख्या में वृद्धि एवं भारतीय अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रहे हैं। भारतीय बिलिनेयर की संख्या केवल भारत में ही नहीं बढ़ रही है बल्कि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय भी बिलिनेयर की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं एवं वे अपनी आय के कुछ हिस्से को भारत में भेजकर यहां निवेश कर रहे हैं और इस प्रकार अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिक भी भारत के आर्थिक विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। विशेष रूप से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को द्रुत गति से बढ़ाने में भारतीय मूल के इन नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहता आया है। इस समय भारतीय मूल के एक करोड़ 80 लाख से अधिक नागरिक विभिन्न देशों में कार्य कर रहे हैं एवं प्रतिवर्ष वे अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा भारत में जमा के रूप से भेजते हैं। हाल ही में वर्ल्ड बैंक द्वारा जारी किए गए एक प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि वर्ष 2024 में 12,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर की भारी भरकम राशि अन्य देशों में रह रहे भारतीयों द्वारा भारत में भेजी गई है। भारत पिछले कई वर्षों से इस दृष्टि पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर कायम है। वर्ष 2021 में 10,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2022 में 11,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2023 में 12,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई थी। प्रतिवर्ष भारत में भेजी जाने वाली राशि की तुलना यदि अन्य देशों में भेजी जा रही राशि से करें तो ध्यान में आता है कि वर्ष 2024 में मेक्सिको में 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई थी, जिसे पूरे विश्व में इस दृष्टि से द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। मेक्सिको में भेजी गई राशि भारत में भेजी गई राशि की तुलना में लगभग आधी है। चीन को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है एवं चीन में 4,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई है, फ़िलिपीन में 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं पाकिस्तान में 3,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि अन्य देशों में रह रहे इन देशों के नागरिकों द्वारा भेजी गई है। भारत में भारतीय नागरिकों द्वारा अन्य देशों से भेजी जा रही राशि में उत्तरी अमेरिका, यूरोप, खाड़ी के देशों एवं एशिया के कुछ देशों यथा मलेशिया एवं सिंगापुर का प्रमुख योगदान है। जैसा कि विदित ही है कि प्रतिवर्ष भारत से लाखों युवा उच्च शिक्षा प्राप्त करने की दृष्टि से विकसित देशों की ओर जाते हैं। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत भारतीय युवा इन देशों में ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं एवं अपनी बचत की राशि का बड़ा भाग भारत में भेज देते हैं। आज तक भारतीय मूल के इन नागरिकों द्वारा एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई है। भारत के लिए विदेशी मुद्रा भंडार के संग्रहण में यह राशि बहुत बड़ी भूमिका निभा रही है। वर्ष 2024 में पूरे विश्व में 68,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि विभिन्न देशों के नागरिकों द्वारा अपने अपने देशों को भेजी गई है। यह राशि वर्ष 2023 में भेजी गई राशि से 5.8 प्रतिशत अधिक है।

दृष्टि कोण

दुनिया की सोच भी बदल दी एआई ने

पूरी दुनिया में टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्र में साल 2024 में कई बड़े बदलाव हुए। एआई सहित कई-कई टेक इनोवेशन सामने आये हैं, जिन्होंने तकनीकी दुनिया को बदलने और लोगों को हैरान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लोगों ने जनरेटिव एआई को अपनाने से लेकर फोल्डेबल स्मार्टफोन की बढ़ती पॉपुलेरिटी तक, एक्सेसिबिलिटी और इंटीग्रेशन को बढ़ाने पर फोकस किया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए साल 2024 एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी साल साबित हुआ। इस साल एआई ने तकनीकी विकास में ऐसी छलांग लगाई, जिसने न केवल डिजिटल दुनिया बल्कि आम लोगों की जिंदगी को भी पूरी तरह से बदल दिया। एआई अब हर सेक्टर में काबिज हो रही है। 5जी की प्रौद्योगिकी ने तेज इंटरनेट स्पीड और कनेक्टिविटी के मामले में एक क्रांतिकारी बदलाव किया है। इसके चलते स्मार्टफोन और इंटरनेट ऑफ थिंग्स डिवाइसेस की क्षमता में भी वृद्धि हुई है। वर्ष 2024 में वर्चुअल रियलिटी और ऑगमेंटेड रियलिटी (वीआर/एआर) ने गेमिंग, एंटरटेनमेंट, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में नयी ऊंचाइयों को छुआ है। नये और उन्नत वीआर/एआर हेडसेट्स और एप्लिकेशन का विकास हुआ है। 2024 में मिक्स्ड रियलिटी हेडसेट कंज्यूमर टेक्नोलॉजी में नए सेगमेंट के रूप में सामने आए हैं, जो फिजिकल और डिजिटल इनवायरन्मेंट को सीमलेस ब्लेंड करते हैं। एपल और मेटा जैसे ब्रांड ने ऐसे डिवाइस पेश किए हैं जो वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) को इंटीग्रेट करते हैं ताकि डीप इमर्सिव एक्सपीरियंस ऑफर किए जा सकें। बीते साल क्वांटम कम्प्यूटर के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई। आईबीएम और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियों ने अपने क्वांटम कंप्यूटरों के नये वर्शन पेश किये हैं, जिनका उद्देश्य समस्याओं को हल करने की गति को मौजूदा सुपरकंप्यूटर से कई गुना अधिक बढ़ाना है। एआई ने शिक्षा के क्षेत्र में भी नई क्रांति लाने का काम किया। भारत की पहली एआई टीचर के रूप में आइरिस जानी जाती हैं। इस साल मार्च में इन्हें तिरुवनंतपुरम के केटीसीटी स्कूल द्वारा विकसित किया गया। वर्ष 2024 में

बायोइलेक्ट्रॉनिक्स और हेल्थ टेक्नोलॉजी ने स्वास्थ्य देखभाल को एक नयी दिशा दी है। स्मार्ट वियरेबल्स, स्वास्थ्य से संबंधित एप्स और एआई-बेस्ड डायग्नोस्टिक टूल्स ने मेडिकल क्षेत्र में सुधार किया है। वहीं, सस्टेनेबिलिटी और ग्रीन टेक की बात करें, तो पर्यावरणीय चिंताओं को ध्यान में रखते हुए ग्रीन टेक्नोलॉजी में भी इस साल इनोवेशन हुआ है। सोलर पैनल्स, इलेक्ट्रिक वाहन और ऊर्जा संरक्षण के नये तरीके सामने आये हैं। ट्रांसपेरेंट टीवी इस साल काफी चर्चा में रहा। ये 77-इंच का एक ट्रांसपेरेंट टीवी है, ये बंद होने पर शीशे की तरह दिखता है। टीवी ऑन होता है तो एक अलग ही तरह विजुअल एक्सपीरियंस मिलता है। इसमें वायरलेस कनेक्टिविटी के लिए ज़ीरो कनेक्ट बॉक्स का यूज किया गया है। वर्ष 2024 में हुआवई ने फोल्डेबल या फ्लिप फोन नहीं बल्कि ट्रिपल फोल्ड फोन लॉन्च किया है। ये दुनिया का पहला ट्रिपल-फोल्ड स्मार्टफोन है। स्मार्टफोन खुलने पर 10.2 इंच की बड़ी स्क्रीन ऑफर करता है। ये टैबलेट की तरह भी यूज किया जा सकता है। इसमें 1टीबी स्टोरेज है। फोटो-वीडियोग्राफी के लिए चार कैमरा हैं। स्मार्टफोन से कई फोल्डिंग मोड्स में काम कर सकते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तेजी से स्मार्टफोन, लैपटॉप और दूसरे गैजेट के काम करने के तरीके का एक जरूरी हिस्सा बन गया है। ये क्रिएटिव और प्रेक्टिकल फीचर्स को एड करती है, जो इन डिवाइसेज के इस्तेमाल के तरीके को बेहतर बनाती है। वर्ष 2024 में हुए सबसे बड़े इनोवेशन की बात की जाएगी तो उसमें न्यूरालिंक का जिक्र होगा। इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब इंसानी दिमाग में चिप लगाई गई। इस साल की शुरुआत में एलन मस्क के टेक स्टार्टअप न्यूरालिंक ने यह कारनामा किया था। कंपनी ने चिप को लेकर दावा किया कि इसके जरिये कम्युनिकेशन और बॉडी को कंट्रोल किया जा सकता है। इस साल कई ऐसे इनोवेशन हुए जो कल्पनाओं से भी परे थे। इतिहास का सबसे बड़ा शटडाउन भी इसी साल देखने को मिला। दुनिया का पहला एआई हॉस्पिटल बनाने वाला देश चीन है, जिसमें मरीजों का इलाज रोबोट करते हैं।

कुछ अलग

परंपरा और कारवां

हम आज तक समझ नहीं पाए कि अपना देश कब तक यूं ही लेटे हुए चलने का अभ्यास करता रहेगा। जी, हां। हमारा दिमाग सही है, परन्तु यहां लोग 'आराम हराम है' कहकर आराम फरमाते हैं और बैठे-बैठे कुछ ऐसे भाषण दागते हैं कि जैसे अभी बिना दूसरों की मदद से आकाश में अपना उपग्रह प्रक्षेपित कर लेंगे। कभी वक्त था जब हम किसी बड़े आदमी का उपग्रह बनकर सफलता के आकाश में प्रक्षेपित होना चाहते थे। लेकिन लोगों ने देखते ही देखते अपने आकाश रच लिए और उस पर खुद ही प्रक्षेपित होकर युग बदलने का इंतजार करने लगे। अब विश्रम का नाम ही श्रम हो गया है। इसी विश्रम के साथ तरक्कियां मिल जाती हैं। उपलब्धियों के चांद-सितारे छू लेते हैं और फिर अपने आपको एक नया सूरज घोषित करते देर ही कितनी लगती है। अभी सूचना मिली है कि एक नया विभाग सरकार ने खोल दिया है। अब निर्माण में मरम्मत की संभावनाएं ढूंढने का विभाग किफायत करने के नाम पर सरकार ने इस विभाग पर करोड़ों रुपए खर्च कर दिए हैं, लेकिन मरम्मत की कहीं जरूरत ही नहीं पड़ी। अजी कहीं निर्माण होता तो मरम्मत की संभावना पैदा होती। अधूरी योजनाओं से क्या निर्माण होते हैं। एक फ्लाईओवर बनने में वर्षों लग गए, फिर कोई नई रूपरेखा बन गई। तब उसी फ्लाईओवर का कोई सुधरा हुआ रूप बनने लगा। न निर्माण पूरा हुआ, न मरम्मत की जरूरत पड़ी और मरम्मत विभाग बैठे ठाले उन भ्रष्ट लोगों की किस्मत को रो रहा है कि जिन्होंने प्रोजैक्ट पूरा नहीं होने दिया। पूरा हो जाता तो उनके लिए कुछ मरम्मत का काम भी मिल जाता। अब बैठे ठाले इतने वर्ष वेतन भत्ता तो खाते रहे, काम की गाड़ी कुछ आगे सरक जाती तो उनके लिए भी कुछ बालाई आमदन का इंतजाम मरम्मत के नाम हो जाता। अब भला बताइए निरी सूखी आय में किस राष्ट्र भक्त का गुजारा होता है। ऊपर की आमदन होती रहे, तो देश को भी भ्रष्टाचार सूचकांक में अपना दर्जा सुरक्षित रखने की सुविधा रहती है। लेकिन बन्धु अपने यहां क्रांति नहीं होती, क्रांति के पुराने नारे ठुस्स होते हैं, नए नारे गढ़े जाते हैं। अधूरी सडक़ें, अधूरे पुल और अधर में रुक गए फ्लाईओवर देश का बदलता हुआ चेहरा पर्यटकों के सामने पेश करते हैं। लेकिन उन्हें न समझाइएगा कि यह चेहरा ज्यों का त्यों कई वर्षों से यहीं खड़ा है। मंडियों में कभी तेजी आई नहीं, और अब यहां मंदी के नजारे भी पेश आने लगे। तरक्की के सूचकांक उछले भी नहीं, और अपनी निष्क्रियता पर देश शर्मिन्दा नजर आने लगा। लेकिन यहां अपनी शून्य कारगुजारी पर कोई शर्मिन्दा नहीं होता। बल्कि उसके लिए विपक्ष को दोषी बता दिया जाता है। हर बात का जवाब उनके पास है। आपका काम नहीं हुआ? आपका हर मन्सूबा अधूरा रह गया। आपके उपक्रमों का नफा नुक्सान में बदल गया। दुनिया बदल देने, समाज के कायाकल्प के वायदे हुए, लेकिन यह क्या किया? जब काम करने चले तो घपलों-घोटालों के साथ उन्होंने उनकी हत्या कर दी। लेकिन इन बातों से आजकल कोई चौंकता नहीं। आज जो कुर्सी पर बैठे हैं, उनके विरुद्ध घपलों-घोटालों के आरोप हवा में तैरते हैं, तो परेशानी क्या? सीधा जवाब हाजिर है, तनिक अपना युग याद कर लीजिए। विपक्षियो, जब आपका युग था, तो आपने इससे भी बड़े-बड़े घोटाले किए थे। एक को भी हवा नहीं लगने दी थी। हवा लग गई तो तुरंत जांच कमीशन के ठंडे बस्ते स्थापित कर दिए। इतने वर्ष बीत गए। आपका युग गया, हमारा युग आ गया। यह जांच सुरसा की आंत की तरह बढ़ती और मुंह की तरह खुलती ही चली गई। कभी रिपोर्ट आई और धूल फांकती रही। विवश किसी रिपोर्ट पर कार्रवाई करनी पड़ी, तो भ्रष्ट नेता अपने को आरोपित कह कर हाथी पर सवार होकर जेल गए। बंधु, आरोपित होना कोई अपराध नहीं होता।

देश दुनिया से

कमर्शियल टूरिज्म की राह चुने प्रदेश

एक पर्यटक के नाते यदि आप अपने राज्य का ही भ्रमण कर लें तो यह अपने आप में बहुत बड़ी उपलब्धि कही जा सकती है और कहीं भारत भ्रमण करने की ठान लें तो भला आपसे बड़े जीवट वाला और कौन हो सकता है। घूमना फिरना, नई जगहों पर जाकर रोमांचित होना और नई जानकारियां एकत्रित करना, यह किसी भी यात्रा प्रेमी मनुष्य के लिए किसी सिद्धि अथवा महत्वपूर्ण सफलता पाने से कमतर बात नहीं हो सकती है। आधुनिक दौर में अमीर लोग तो अपने पर्यटन संबंधी शौक पूरे कर ही लेते हैं, वहीं अब कम आय वर्ग, व्यापारी वर्ग और मध्यमवर्गीय परिवार भी बहुधा सपरिवार अपने निकटवर्ती मशहूर स्थलों या पड़ोसी राज्यों के प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों का दौरा कर रहे हैं। यदि इस पर्यटक वर्ग को सरकारी सेक्टर के होटलों में सस्ते कमरे और स्वादिष्ट भोजन सुविधाएं मिलें तो निश्चित तौर पर हिमाचल में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन हाल ही में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के हिमाचल पर्यटन विकास निगम के घाटे में चल रहे 18 होटलों को पहले बंद करने तथा बाद में उन्हें 31 मार्च 2025 तक चलाने की मोहलत देने के आदेशों के आलोक में समझा जा सकता है कि आखिर वे कौन लोग हैं जिनकी कार्यशैली के चलते पर्यटन निगम का अस्तित्व ही खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है? अतएव यह आवश्यक हो जाता है कि पर्यटन विभाग के कर्मचारियों को नियमित अंतराल पर रिफ्रेशर कोर्स करवाकर उन्हें गुणवत्तायुक्त सेवाओं हेतु तैयार किया जाए। भारत आने वाले देसी-विदेशी पर्यटकों के लिए सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र तमिलनाडु राज्य है, जबकि दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र और तीसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश है। टॉप टेन की सूची में हिमाचल को पहुंचने के लिए अभी मीलों लंबा सफर तय करना पड़ेगा। हाल ही में हिमाचल सरकार और एशियन डिवेलपमेंट बैंक (एडीबी) के मध्य हुए एमओयू के बाद हिमाचल पर्यटन विभाग को 1378 करोड़ रुपए की धनराशि मिलने जा रही है। प्रोजेक्ट के तहत पांच जिलों, क्रमशः कुल्लू, हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी और शिमला के पर्यटन स्थल विकसित किए जाएंगे। इसके अंतर्गत हेरिटेज इमारतों का जीर्णोद्धार किया जाएगा एवं बुनियादी सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। पर्यटन स्थलों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी, साहसिक गतिविधियां, वाटर स्पोर्ट्स, टूरिस्ट प्लेस का सौंदर्यकरण, वेलनेस सेंटर, पर्यटकों के मनोरंजन को सुविधाएं, रीवर राफ्टिंग, पैरा ग्लाइडिंग, आइस स्केटिंग, रोलर स्केटिंग रिंग और बाइकिंग ट्रैक्स विकसित किए जाएंगे, लेकिन इन सब कार्यों को पूर्णता में तैयार होने में समय लगेगा। सरकार को चाहिए कि वह पर्यटन को बढ़ावा देने और उसे राज्य की आर्थिकी का महत्वपूर्ण सोर्स बनाने के उपाय पर काम करे। हिमाचल प्रदेश में सरकारी संपतियों का लेखा-जोखा होना चाहिए, जिनमें बीड़ स्थित पार्किंग और पैरा ग्लाइडिंग प्रशिक्षण संस्थान का भवन भी शामिल है। पहले सरकार के पास जो भवन और शौचालय हैं, उनकी मरम्मत, साफ-सफाई और रंग रोगन तो करवाए। आखिर किन उपायों से व्यवस्था परिवर्तन का सपना साकार होगा। अब तपोवन स्थित विधानसभा भवन के निकट एक भूभाग को चिन्हित किया गया है जहां होटल-कम-हॉस्टल का निर्माण हो सके। उसकी चर्चाएं अखबारों की सुर्खियों में हैं, जहां फूड कोर्ट की व्यवस्था भी की जाएगी। अनुमान है कि इससे एक ओर जहां लगभग साल भर बंद रहने वाले विधानसभा भवन की देखरेख हो पाएगी, तो वहीं एंट्री टिकट से भी आय होगी। शीतकालीन सत्र के दौरान विधायकों तथा मंत्रियों आदि के रहने के इंतजाम निजी होटलों में होते हैं जिस पर काफी खर्चा होता है, इससे भी बचा जा सकेगा। यदि इरादे नेक हों तो विचार बुरा नहीं है, लेकिन पहले हिमाचल पर्यटन निगम के होटलों को घाटे से उबारने की कसरत करनी होगी। हिमाचल प्रदेश अपनी भौगोलिक स्थलाकृतिक विविधता और प्राचीन प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है और पर्यटन राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 7 फीसदी का योगदान देता है। ऐसे समय में जब भारत की राजधानी दिल्ली सहित अन्य प्रदेशों में वायु एवं पर्यावरण संबंधी समस्याएं लोगों की सेहत को नुकसान पहुंचा रही हैं, तो वहीं लगभग प्रदूषण रहित हिमाचल का शुद्ध वातावरण

बाहरी पर्यटकों के हिमाचल प्रवास के लिए लाभदायी साबित हो सकता है। बस सरकार को पर्यटन को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों शांति, प्राकृतिक सौंदर्यीकरण, परिवहन सुविधाएं, पार्किंग सुविधाएं, आतिथ्य सत्कार, कर्मचारियों का अच्छा विनम्र रवैया, ऐतिहासिक स्थलों तक पहंचने के लिए आधारभूत ढांचा तैयार करने के लिए कमर कसनी होगी। यह सच भी है कि पर्यटन अपने सबसे अच्छे रूप में तब होता है जब गंतव्य स्थल अनुकूल जलवायु का दावा करते हों और निःसंदेह हिमाचल इस कसौटी पर खरा उतरता है। सुक्खू सरकार को एक पूर्णकालिक जिम्मेदार पर्यटन मंत्री की तैनाती के बारे में भी सोचना होगा जो व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने का माद्दा रखता हो। पर्यटन एक ऐसा क्षेत्र है जहां होम स्टे, गाइड, टैक्सी ड्राइवर, टूर ऑपरेटर्स, हैंडीक्राफ्ट, ट्रांसपोर्ट, जैम इंडस्ट्री, अभयारण्य, स्थानीय कलाकार, बुनकर समेत विभिन्न सेक्टरों में लोगों को रोजगार के मौके मिलते हैं। इसके अलावा अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े लोग जैसे कि हस्तशिल्प विक्रेता, रेस्तरां मालिक, वेंडर्स और फुटकर विक्रेता भी रोजगार प्राप्त करते हैं। हिमाचल सरकार को चाहिए कि राज्य में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल, बेहतर कनेक्टिविटी, माइस टूरिज्म अर्थात (मीटिंग्स, इन्सेंटिव्स, कॉन्फ्रेंस और एग्जीबिशन) ट्रेंड और नए होटल्स और रिसॉर्ट्स जैसे राजस्थान पर्यटन द्वारा अपनाए जा रहे फार्मूलों को हिमाचल में भी आजमाए।

आप का नजरिया

पूर्व मुख्यमंत्रियों का नैतिक दायित्व

आर्थिक मलाल में गुजरा पिछला साल, सुक्खू सरकार की जद्दोजहद को चिन्हित करता रहा। अदालतें अगर तारीख पे तारीख से कानून से न्याय नहीं कर पा रहीं, तो सरकारें ऋण पे ऋण उठाकर हिमाचल की वित्तीय व्यवस्था को अति कमजोर कर चुकी हैं। ऐसे में सियासी फासलों को कम से कम हिमाचल की आर्थिक स्थिति के विषयों पर आकर सिमटना होगा। आश्चर्य यह कि आर्थिक सुधारों पर बोलना अब विपक्षी बंदूक की नली से गुजरना बन चुका है। आज भी बहस का विषय नुक्ताचीनी के आलम में सिर्फ सत्ता को सियासत तक महदूद रखना है। हिमाचल के कर ढांचे को बढ़ावा देने के लिए तब तक सरकार जिम्मेदार नहीं हो सकती, जब तक विपक्ष ऐसे विषयों की कड़वाहट में हर कड़वी गोली की खिल्ली उड़ाता रहेगा। इनका ऋण उनके उधार से अलग नहीं हो सकता, लेकिन सत्ता और विपक्ष के बीच हिमाचल की वित्तीय व्यवस्था नाजुक हालात की स्थिति में है। ऐसे में सरकार के दायित्व की किश्ती पर केवल सुखविंदर सुक्खू सवार नहीं, बल्कि ऐसी बहस भी शरीक है जो आर्थिक सुधार के हर कदम को अनाथ बनाना चाहती है। बेशक कांग्रेस की दस गारंटियों का नैतिक दबाव सारी राजनीति के मजमूनों पर दबाव डाल रहा है और इसी को दुखती रग मानकर भाजपा दबाते-दबाते, कड़वे फैसलों की जिरह को भी बदनाम कर रही है। मसलन विद्युत दरों के मौजूदा फार्मूले ने बजट की जो धरती छीनी है, वहां वित्तीय अकाल का हर निशान चस्पां है। न भाजपा ने जनता को बिजली की मुफ्तखोरी सिखा कर भला किया और न ही कांग्रेस की गारंटी ने इस लिहाज से प्रदेश का अस्तित्व बड़ा किया। दोनों तरफ से चुनावी मुनादियों का ही असर है कि 75 हजार करोड़ की उधारी में प्रदेश का वजूद कीचड़ से सना है। अब अगर जलापूर्ति और बिजली की सप्लाई को अलाभकारी सामाजिक कल्याण की पहली शर्त मान कर राज्य अपनी वित्तीय व्यवस्था चलाए, तो कल कंगाली के रास्ते पर और भयंकर दुर्घटनाएं तय हैं। आलोचना के लिए बढ़ता घाटा एक सबूत है कि हमारी राजनीतिक सोच ही कितनी कंगाल है और यह राजस्व घाटों की ऐसी फेहरिस्त है जो पिछले कुछ दशकों से हिमाचल को दीमक का घर बना चुकी है। ऐसे में कठिन फैसलों पर राजनीतिक मोर्चे खड़े करने के बजाय सहमतियों के द्वार खोलने पड़ेंगे। हिमाचल की आर्थिक दिक्कतों के बीच सुखविंदर सुक्खू के अलावा जयराम, प्रेम कुमार धूमल व शांता कुमार जैसे पूर्व मुख्यमंत्रियों का नैतिक दायित्व है कि वे राजनीति से ऊपर उठकर उन फैसलों का समर्थन करें जो वित्तीय समाधानों की अनिवार्यता दर्ज करते हैं। इस सूची में प्रदेश का दृष्टिकोण बदलने की नसीहतें सीधे-सीधे कर्मचारी वर्ग से जुड़ती हैं। आर्थिक आत्मनिर्भरता के प्रयास और मायने उन तमाम गलियों में फनां हो जाएंगे, जहां कर्मचारियों को बहलाने-फुसलाने की राजनीति में पक्ष और विपक्ष में हमेशा होड़ लगी रहती है। तीनों पूर्व मुख्यमंत्रियों यानी जयराम ठाकुर, प्रेम कुमार धूमल और शांता कुमार बताएं कि सत्तर लाख आबादी के प्रदेश का प्रशासनिक व कर्मचारी ढांचा किस आकार तक सही है। बताएं कि कितने महकमें, कितने निगम और कितने बोर्ड बंद कर देने चाहिएं या अनावश्यक दफ्तरों पर ताले लटका देने चाहिएं। क्या हिमाचल की वित्तीय व आर्थिक कसौटियों के तहत सरकारों का आकार इसी ढर्रे में चलना चाहिए या कुछ नीतियां वित्तीय अनुशासन की दृष्टि से नजीर बननी चाहिएं।

पाकिस्तान में नौ मई के दंगों के लिए दोषी 19 लोगों की सजा माफ

इस्लामाबाद, 02 जनवरी (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में नौ मई 2023 के दंगों के लिए दोषी 19 लोगों की सजा माफ कर दी गई है। मुल्क की सैन्य अदालतों ने इन समेत 85 नागरिकों को दोषी ठहराते हुए दो से 10 साल तक जेल की सजा सुनाई थी। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने जारी बयान में घोषणा की कि नौ मई के दंगों में शामिल 19 दोषियों की दया याचिका मानवीय आधार पर स्वीकार कर ली गई है।

आईएसपीआर ने बयान में कहा कि कुल 67 दोषियों ने दया याचिकाएं दी हैं। 48 याचिकाओं पर अपील अदालतों में कार्रवाई की गई है। 19 दोषियों की याचिकाएं पूरी तरह से मानवीय आधार पर कानून के तहत स्वीकार की गई हैं। मोहम्मद अयाज पुत्र साहिबजादा खान, सामी उल्लाह पुत्र मीर पिता खान, लईक अहमद पुत्र मंजूर अहमद, अमजद अली पुत्र मंजूर अहमद, यासिर नवाज पुत्र अमीर नवाज खान, आलम पुत्र माजुल्लाह खान, जाहिद खान पुत्र मुहम्मद नबी, मोहम्मद सुलेमान पुत्र सईद गनी जान, हमजा शरीफ पुत्र मोहम्मद म, मोहम्मद सलमान पुत्र जाहिद निसार, आशेर बट पुत्र मोहम्मद अरशद बट, मोहम्मद वकास पुत्र मलिक मोहम्मद खलील, सुफयान इदरीस पुत्र इदरीस अहमद, मुनीब अहमद पुत्र नवीद अहमद बट, मोहम्मद अहमद पुत्र मोहम्मद नजीर, मोहम्मद नवाज पुत्र अब्दुल समद, मोहम्मद अली पुत्र मोहम्मद बूटा, मोहम्मद बिलावल पुत्र मंजूर हुसैन और मोहम्मद इलियास पुत्र मोहम्मद फजल हलीम की सजा पूरी तरह माफ कर दी गई है।

उल्लेखनीय है कि मुल्क में यह दंगे अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद भड़के थे। इस दौरान कम से कम 10 लोगों की जान चली गई थी और सैकड़ों लोग घायल हुए थे। लगभग 40 सार्वजनिक इमारतों और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया था।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंका को इस वर्ष अमेरिका से मिलेगा आठ बेल-206 हेलीकॉप्टर, पाकिस्तान से एक एफटी-7 ट्रेनर विमान

कोलंबो। श्रीलंका को इस वर्ष संयुक्त राज्य अमेरिका से आठ बेल 206 हेलीकॉप्टर और पाकिस्तान से एक एफटी-7 ट्रेनर विमान मिल जाएगा। इससे देश की वायु सेना का हवाई बेड़ा सुदृढ़ होगा। डेली मिरर समाचार पत्र के अनुसार श्रीलंकाई वायु सेना के कमांडर एयर मार्शल उडेनी राजपक्षे ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि अमेरिका से 2025 की पहली तिमाही में आठ टीएच-57 सी रेंजर बेल-206 हेलीकॉप्टर श्रीलंका को मिल जाएंगे। इनका प्रयोग मुख्य रूप से अमेरिकी नौसेना और मरीन कॉर्प्स प्रशिक्षण और परिचालन मिशन में किया जाता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की यात्रा के दौरान एक एफटी-7 ट्रेनर विमान पर चर्चा हुई थी। पाकिस्तान से जल्द ही यह विमान मिल जाएगा। एयर मार्शल राजपक्षे ने बताया कि पिछले सितंबर में श्रीलंका को अमेरिका से एक बीचक्राफ्ट किंग एयर-360 ईआर विमान प्राप्त हो चुका है। इसके बाद दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया से एक बीचक्राफ्ट किंग एयर-350 प्राप्त हुआ। इसके अलावा श्रीलंका ने अपने लड़ाकू विमानों के बेड़े को आधुनिक बनाने की प्रक्रिया शुरू की है। इसमें इजराइल मदद करेगा। इसके अलावा श्रीलंका ने चीन से पिछले साल दो वाई-12 विमान भी खरीदे है। श्रीलंका की वायु सेना अपनी ड्रोन सुरक्षा प्रणाली और रडार प्रणाली को सुदृढ़ कर रही है।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में होमवर्क का बोझ कम करने के लिए बना नया कानून

सैक्रामेंटो, 02 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत में छात्रों पर होमवर्क के मानसिक तनाव को कम करने लिए एक नया कानून लागू किया गया। इस कानून का उद्देश्य छात्रों के होमवर्क के बोझ को कम करना है। यह कानून 1 जनवरी 2025 से प्रभावी हो गया है, जिसे गवर्नर गेविन न्यूजॉम ने सितंबर 2024 में मंजूरी दी थी।इस कानून का मुख्य उद्देश्य छात्रों की शिक्षा और कल्याण को बढ़ावा देना है और होमवर्क में स्थिरता और स्पष्टता सुनिश्चित करना है।इस विधेयक को कैलिफोर्निया की प्रांतीय असेम्बली सदस्य पिलर शियावो ने पेश किया था।

उनका मानना था कि छात्र, जैसे उनकी बेटी सोफिया जॉनसन, अक्सर भारी होमवर्क की वजह से तनाव महसूस करती थी। इस कानून का उद्देश्य शैक्षिक समानता और होमवर्क की प्रभावशीलता को सुधारना है।हालांकि, यह कानून होमवर्क पर प्रतिबंध नहीं लगाता। इसकी बजाय, यह स्थानीय शैक्षिक एजेंसियों (एलईए) को हर कक्षा स्तर के लिए होमवर्क नीतियां बनाने और नियमित रूप से अपडेट करने की जिम्मेदारी देता है।

इसके लिए, कैलिफोर्निया शिक्षा विभाग 1 जनवरी 2026 तक दिशा-निर्देश जारी करेगा, ताकि स्कूल जिलों को एक केंद्रीकृत संसाधन मिल सके।

कुछ शिक्षक और अभिभावक चिंतित हैं कि होमवर्क की आवश्यकताओं को कम करने से शैक्षणिक मानक प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि, इसके समर्थकों का कहना है कि इस कानून का उद्देश्य होमवर्क को पूरी तरह से खत्म करना नहीं है, बल्कि इसे अधिक सहायक और छात्रों की भलाई के अनुसार बनाना है।

24 घंटों में चार हमले, अमेरिका थर्राया, न्यूयॉर्क में 11 की मौत

राष्ट्रपति जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप ने मारे गए लोगों के प्रति जताया शोक

न्यूयॉर्क, 02 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका 24 घंटे में हमलों से थर्रा गया। अमेरिका के न्यूयार्क स्थित एक नाइट क्लब में भीषण गोलीबारी की खबर मिली। इस हमले में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई है, जबकि बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और पूरे इलाके को सील कर दिया गया है। इससे पहले अमेरिका के न्यू ओर्लियंस में बुधवार को आतंकी हमला हुआ था, जिसमें एक आतंकी ने भीड़ में कार चढ़ाकर 15 लोगों को मौत के घाट उतार दिया था और कई लोग घायल हुए थे।

दूसरा हमला अमेरिका के लास वेगास में ट्रंप के होटल के बाहर हुआ। इसमें टेस्ल के एक साइबर ट्रक में विस्फोट के बाद एक व्यक्ति की मौत हो गई और सात घायल हो गए। इसके बाद अमेरिका के ही होनोलूलू में ब्लास्ट से तीन लोगों की मौत हो गई और 20 घायल हो गए। अब सबसे व्यस्त शहर न्यूयॉर्क में यह चौथी बड़ी घटना घटी है।

हत्यारा एक अमेरिकी नागरिक था

अमेरिका के न्यू ओर्लियंस पर नये साल के मौके पर हुए आतंकी हमले पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने इस हमले में मारे गए लोगों पर गहरा शोक प्रकट किया है। बाइडेन ने कहा कि एफबीआई यह पता लगाने के लिए जांच कर रही है कि क्या हुआ, क्यों हुआ और क्या सार्वजनिक सुरक्षा को और कोई खतरा बना हुआ है। बाइडेन ने कहा कि एफबीआई ने बताया है कि हत्यारा एक अमेरिकी नागरिक था।

उसने कई वर्षों तक संयुक्त राज्य अमेरिका की सेना में भी काम किया था। वह कुछ साल पहले तक आर्मी रिजर्व में भी काम करता था। वह आईएसआईएस से प्रेरित था। उसके वाहन में आईएसआईएस का झंडा पाया गया है, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फायरिंग की यह घटना क्रीस के अमाजुरा नाइट क्लब में हुई।

सूत्रों के अनुसार जमैका में अमाजुरा इवेंट हॉल के पास, 1 जनवरी को रात 11. 45 बजे के आसपास 103वें परिसर के भीतर यह गोलीबारी हुई। जांच से जुड़े सूत्रों के मुताबिक गोलीबारी में घायल हुए कम से कम तीन लोग इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं।

बताया जा रहा है कि होनोलूलू में यह विस्फोट नववर्ष के जश्न में की गई आतिशबाजी के दौरान हुआ। विस्फोट होने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना होनोलूलू के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और अमेरिकी वायु सेना एवं नौसेना के संयुक्त अड्डे के पास एक घर के बाहर हुई। यह स्थान यूएसएस एरिजोना मेमोरियल से कुछ ही दूरी पर है। होनोलूलू के मेयर ने एक बयान में कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा-मेरी बात हुई सच

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यू ओर्लियंस आतंकी हमले पर अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने इसे पूरी तरह दुष्टता का कृत्य बताया है। इसके साथ ही ट्रंप ने कहा कि मेरी वह बात सच साबित हुई है कि जिसमें मैंने बाहरी देशों से आने वाले प्रवासी अपराधियों को लेकर चेतावनी दी थी। ट्रंप ने इसे इमिग्रेशन की वजह से होने वाले अपराध की संज्ञा से जोड़ा है। उन्होंने कहा था कि इसकी वजह से देश में अपराध बद से बदतर होता जा रहा है।

गाजा में फिलिस्तीनी गुट फिर सक्रिय, हमास ने हजारों लड़के फिर भर्ती किए

नेतन्याहू और उनकी सरकार के लिए गंभीर चिंता का विषय

तेल अवीव,02 जनवरी (एजेंसियां)।

गाजा पट्टी में हमास का प्रभाव समाप्त करने के इजरायली सेना (आईडीएफ) के प्रयासों के बावजूद, गाजा में फिलिस्तीनी गुट फिर सक्रिय हो गया है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार, हमास ने हजारों नए लड़ाकों की भर्ती कर अपनी ताकत को पुनर्संगठित कर लिया है। यह जानकारी इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी सरकार के लिए गंभीर चिंता का कारण बन गई है।

आईडीएफ ने दावा किया था कि उसकी सेना ने 17,000-20,000 हमास और इस्लामिक जिहाद के लड़ाकों को मारा है। बावजूद इसके, रिपोर्ट के मुताबिक, हमास के पास अभी भी 20,000 से 23,000 लड़ाके मौजूद हैं। जो दिखाता हैं कि संगठन ने बड़े पैमाने पर नई भर्ती की है। रिपोर्टों के अनुसार, नए भर्ती किए गए लड़ाके पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित नहीं हैं।

इनमें से कई की उम्र 18-20 साल से कम है। आईडीएफ ने 6,000 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया, जिसमें से 4,300 अभी भी हिरासत में हैं। युद्ध की शुरुआत में हमास के पास 25,000 लड़ाके होने का अनुमान था। हमास ने अपनी क्षमताओं को पुनर्संगठित करते हुए नए लड़ाकों को हथियारों से लैस किया है।

आईडीएफ और हमास की वास्तविक स्थिति और उसकी ताकत को लेकर दावे अलग-अलग हैं। आईडीएफ के अनुसार, हमास कमजोर हुआ है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स से ऐसा प्रतीत होता है कि संगठन ने अपनी स्थिति को पुन: मजबूत कर लिया है। गाजा में चल रहे संघर्ष के बीच, लाखों लोग अमानवीय परिस्थितियों में जीवन जीने को मजबूर हैं। खाद्य, पानी और दवा जैसी बुनियादी जरूरतों की कमी ने वहां के हालात और भी गंभीर बना दिए हैं।

वहीं हमास की पुनरुत्थान की खबरें इजरायली सुरक्षा रणनीति के लिए चुनौतीपूर्ण हैं। अगर हमास ने नए लड़ाकों के माध्यम से अपनी ताकत को फिर से संगठित किया है, तब यह इजरायली सैन्य अभियानों की प्रभावशीलता पर सवाल खड़ा करता है। इसके अलावा, गाजा में संघर्ष को समाप्त करने के लिए दीर्घकालिक समाधान की आवश्यकता पहले से अधिक महसूस हो रही है।

ब्रिटेन में आई बाढ़

ब्रिटेन में आई बाढ़ से कारें भी उनमें डूब गयीं। इस कारण ग्रेटर मैनचेस्टर का इलाक पानी से लबालब भरा नजर आया।

राष्ट्रपति येओल तक नहीं पहुंच पाए जांच अधिकारी, समर्थक बन गए ढाल

सियोल,02 जनवरी (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल को हिरासत में लेने पहुंचे भ्रष्टाचार जांच कार्यालय के वरिष्ठ जांच अधिकारियों को उनके सरकारी आवास के बाहर से ही खाली हाथ लौटना पड़ा। राष्ट्रपति येओल का सरकारी आवास राजधानी सियोल के हन्नम-डोंग में है। आवास के प्रवेश द्वार पर येओल समर्थक किसी को भी फटकने नहीं दे रहे। उनमें से अनेक लोग जमीन पर लेटे हुए हैं। यून सुक येओल को हिरासत में लेने के लिए एक अदालत ने वारंट जारी किया है। भ्रष्टाचार जांच कार्यालय के प्रमुख कह चुके हैं कि वारंट पर छह जनवरी तक हर हाल में अमल किया जाएगा।

उच्च अधिकारियों के जांच दल ने गुरुवार को राष्ट्रपति येओल को हिरासत में लेने के कदम बढ़ाए। दल को राष्ट्रपति आवास के बाहर उनके समर्थकों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। पुलिस ने इन लोगों को तितर-बितर करने का प्रयास भी किया। मगर इसमें पूरी तरह सफलता नहीं मिल पाई। येओल ने अपने समर्थकों से राज्य विरोधी ताकतों के खिलाफ लड़ने का आग्रह किया है। वह अपने खिलाफ जारी हिरासत वारंट की वैधता के बारे में भी सवाल उठा रहे हैं।

सियोल वेस्टर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने 31 दिसंबर को यून को हिरासत में लेने का वारंट जारी किया है। यून पर तीन दिसंबर, 2024 को मार्शल लॉ डिक्री के संबंध में विद्रोह का नेतृत्व करने और सत्ता का दुरुपयोग करने का आरोप है। दक्षिण कोरिया के इतिहास में किसी मौजूदा राष्ट्रपति को हिरासत में लेने के लिए जारी किया गया यह पहला वारंट है। जांचकर्ता पूछताछ के लिए यून को 48 घंटे तक हिरासत में रख सकते हैं। यदि वे राष्ट्रपति को गिरफ्तार करना चाहते हैं तो उन्हें अदालत से एक अलग गिरफ्तारी वारंट जारी करने के लिए आग्रह करना होगा।

नेपाल सरकार ने एक दशक में 28,500 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाने की योजना को मंजूरी दी

काठमांडू, 02 जनवरी (एजेंसियां)।

नेपाल में ऊर्जा परिदृश्य को बदलने और बिजली उत्पादन क्षमता को 28,500 मेगावाट तक बढ़ाने के लिए सरकार ने 2025 से 2035 तक के लिए 10 साल की नई ऊर्जा योजना को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में पारित इस योजना को ऊर्जा विकास रोडमैप और कार्य योजना-2025 का नाम दिया गया है।

ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का ने बताया कि इस योजना का लक्ष्य 2035 तक देश में 28,500 मेगावाट बिजली उत्पन्न करना है। इस समय नेपाल में हाइड्रोपावर से 3,200 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। हालांकि, गर्मी के महीने में नेपाल के लिए यह अधिक बिजली का उत्पादन है, लेकिन सर्दियों में भारत से करीब 650

मेगावाट बिजली का आयात करना पड़ता है। नेपाल विद्युत प्राधिकरण के मुताबिक गर्मियों में नेपाल से भारत के तरफ 950 मेगावाट बिजली का निर्यात किया जा चुका है। इतना ही नहीं, वर्ष 2024 के नवंबर में नेपाल ने भारत के रास्ते बांग्लादेश को भी 40 मेगावाट बिजली का निर्यात किया था, जो इस वर्ष 15 जून से पुन: शुरू किया जाएगा। ऊर्जा मंत्री खड़का ने बताया कि दिसंबर से अप्रैल तक नेपाल में 650 मेगावाट बिजली की कमी रहती है, जिसे भारत से आयात करके पूरा किया जाता है। उन्होंने बताया कि नई ऊर्जा नीति का पहला लक्ष्य बिजली उत्पादन को बढ़ाकर नेपाल में 6 महीने होने वाली बिजली की कमी को समाप्त करना है। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि सन 2025 में भारत सरकार के 3 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट का काम पूरा होने के बाद इस समस्या से निजात पाया जा सकता है। मंत्री खड़का ने कहा कि जलविद्युत परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए निवेश के सभी तरीकों के विकल्प को खुला रखा गया है। नेपाल को 2035 तक 28,500 मेगावाट बिजली पैदा करने के लिए 6232 बिलियन रुपये के निवेश की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार, निजी क्षेत्र और विदेशी निवेश के नियमों को सरल बनाने के काम को प्राथमिकता देने वाली है। उन्होंने यह भी बताया कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ऊर्जा निवेश से संबंधित कई कानूनों को बदलने पर भी तेजी से काम चल रहा है।

भारत-नेपाल के बीच अंतर सरकारी समिति की बैठक 9-10 जनवरी को काठमांडू में

काठमांडू। भारत और नेपाल के बीच व्यापार, पारगमन और सहयोग पर अंतर-सरकारी समिति (आईजीसी) की बैठक 9-10 जनवरी को काठमांडू में आयोजित की जा रही है। नेपाल के उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मंत्रालय की तरफ से इस बैठक की तैयारी की जा रही है। वाणिज्य सचिव गोविंद बहादुर कार्की ने कहा कि इस अंतर सरकारी समिति की बैठक में व्यापार और वाणिज्य के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच चल रही परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। आईजीसी एक नियमित बैठक है और नेपाल के पास इस बैठक के लिए कोई विशिष्ट एजेंडा नहीं है। वाणिज्य सचिव के मुताबिक विशेषज्ञ उत्पत्ति प्रमाण पत्र (सीओओ) से संबंधित नियमों में संशोधन के लिए भारतीय प्राथमिक कृषि उत्पादों को प्रदान की गई शुल्क मुक्त पहुंच की समीक्षा सहित कई पुराने मुद्दों पर चर्चा कर सहमति जुटाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कृषि उत्पादों, बागवानी, फूलों, वन उत्पादों, चावल, दालों, आटा, गेहूं की भूसी, पशुधन, मुर्गी, मछली, शहद, डेयरी उत्पादों और अंडे के लिए पारस्परिक पहुंच की अनुमति देने की वर्तमान व्यवस्था को संशोधित करने का भी प्रस्ताव किए जाने की जानकारी दी है। नेपाल में भारतीय कृषि उत्पादों को प्रदान की गई शुल्क मुक्त पहुंच के कारण नेपाली उत्पादन अपने ही बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। नेपाल अब भारतीय कृषि उत्पादों पर कस्टम ड्यूटी लगाने का प्रस्ताव करने जा रहा है।

भारतीय ड्रेसिंग रूम से लीक खबरों पर कोच गंभीर बोले–ये केवल रिपोर्ट्स हैं, सच्चाई नहीं

सिडनी, 02 जनवरी (एजेंसियां)।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। सीरीज में मेजबान ऑस्ट्रेलिया 2–1 से आगे है। सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच शुक्रवार (3 जनवरी) से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। इस टेस्ट मैच से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने ड्रेसिंग रूम की लीक खबरों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि ये केवल रिपोर्ट्स हैं, सच्चाई नहीं। यहां मैच से पहले आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोच गंभीर ने कहा कि ये सिर्फ रिपोर्ट्स हैं, ये सच नहीं है और ईमानदारी से कहूं तो मुझे किसी भी रिपोर्ट का जवाब देने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि ईमानदारी बहुत महत्वपूर्ण है। अगर आप आगे बढ़ना चाहते हैं और कुछ महान चीजें हासिल करना चाहते हैं, तो ईमानदारी बेहद महत्वपूर्ण है। गंभीर ने कहा कि मुझे लगता है कि भारतीय क्रिकेट हमेशा सुरक्षित हाथों में रहेगा, जब तक उस कमरे में ईमानदार लोग बैठे हैं। ईमानदारी किसी भी बदलाव के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज है। यह वरिष्ठ खिलाड़ियों को बाहर करने या युवाओं को लाने के बारे में नहीं है। आखिरकार, केवल एक चीज जो आपको उस ड्रेसिंग रूम में रख सकती है, वह है प्रदर्शन। यह हम सभी से शुरू होता है। केवल खिलाड़ियों से ही नहीं, बल्कि कोचों से भी। कप्तान रोहित के सिडनी टेस्ट खेलने के सवाल के जवाब में गंभीर ने कहा कि हम विकेट को देखेंगे और कल इस पर अंतिम फैसला लेंगे।

इस महत्वपूर्ण मैच में भारतीय कप्तान के न खेलने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने दोहराया कि जैसा कि मैंने अभी कहा, हम विकेट को देखेंगे और संभवत: कल ही प्लेइंग इलेवन की घोषणा करेंगे।

सीनियर बल्लेबाज विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा के साथ बातचीत के सवाल पर उन्होंने कहा कि केवल एक ही बातचीत हुई है कि हम अगला टेस्ट मैच कैसे जीत सकते हैं क्योंकि हम सब जानते हैं कि यह टेस्ट मैच कितना महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा और कोई बातचीत नहीं हुई है। कुछ खिलाड़ियों के एक ही तरीके से आउट होने के बारे में कोच गंभीर ने कहा कि हर कोई जानता है कि उसे किस क्षेत्र में काम करना है। जब आप देश के लिए खेलते हैं, तो हर व्यक्ति यही कोशिश करता है कि वह अपना सर्वश्रेष्ठ दे सके।

न्यूज ब्रीफ

यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट : चीन को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा अमेरिका

सिडनी। स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ और टेलर फ्रट्ज़ ने बुधवार को अपने एकल मुकाबलों में जीत के साथ चीन को यूनाइटेड कप से बाहर कर शीर्ष वरीयता प्राप्त संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। अब कजाकिस्तान के साथ यूएसए भी अंतिम चार में शामिल है, जबकि ग्रुप चरण भी छठे दिन पूरा हो गया, जिसमें पोलैंड ने चेकिया को 2–1 से हराकर क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया, जबकि मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने ब्रिटेन को 2–1 से हराया। पर्थ में सर्वोच्च स्थान पर रहने के बाद, क्वार्टरफाइनल में उलटफेर की चीन की संभावनाओं को झटका लगा, जब फॉर्म में चल रहे गाओ शिन्यू को चोट के कारण मैदान से बाहर होना पड़ा। 175वीं रैंक वाली गाओ ने विश्व की नंबर पांच खिलाड़ी झेंग किनवेन की जगह शानदार प्रदर्शन करते हुए बीट्रीज़ हदाद मैया और लॉरा सीजमंड को हराया। 205वीं रैंक वाली झांग शुआई ने पर्थ के आरएसी एरिना में कोको गॉफ के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया और शुरुआती सेट में तीन बार उनकी सर्विस तोड़ी। लेकिन विश्व की नंबर तीन खिलाड़ी ने चुनौती का सामना किया और बेसलाइन पर अपनी मारक क्षमता को बढ़ाया और अंतत: एक घंटे 34 मिनट में 7–6 (4), 6–2 से जीत हासिल की। विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी फ्रिट्ज़ ने एक घंटे और 20 मिनट में झांग झिझेन पर 6–4, 6–4 की शानदार जीत के साथ यूएसए के लिए सेमीफाइनल में जगह पक्की कर दी। यूएस ओपन के फाइनलिस्ट ने शानदार सर्विस की और झांग के गलतियों से भरे प्रदर्शन का फायदा उठाया, जिन्होंने टूर्नामेंट में 1–2 का रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले पर्थ में, कजाकिस्तान ने विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव के हटने का फायदा उठाते हुए जर्मनी के खिताब की रक्षा को समाप्त कर दिया। दो बार के ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट ज्वेरेव ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले बाइसेप्स में खिंचाव के कारण टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था 254वीं रैंकिंग वाले डेनियल मसूर के सामने ज्वेरेव की जगह लेने का कठिन काम था और उन्होंने कड़ी टक्कर दी, लेकिन अलेक्जेंडर शेवचेंको ने 6–7 (5), 6–2, 6–2 की जीत के साथ कजाकिस्तान को अंतिम चार में जगह दिलाने के लिए जोरदार वापसी की। दुनिया की छठे नंबर की खिलाड़ी एलेना रयबाकिना ने इससे पहले सीजमंड पर 6–3, 6–1 की शानदार जीत के बाद कजाकिस्तान को आगे कर दिया था। यह 2022 विंबलडन चैंपियन की लगातार तीसरी जीत थी, इससे पहले उन्होंने टूर्नामेंट में जेसिका बौज़ास मानेरो और मारिया सक्कारी को हराया था।। इससे पहले सिडनी में, विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्विएटेक ने फ्रेंच ओपन की पूर्व फाइनलिस्ट कैरोलिया मुचोवा पर 6–3, 6–4 से जीत हासिल करके अपनी मजबूत वापसी जारी रखी। पुरुष एकल में टॉमस मचैक से ह्यूबर्ट हर्काज़ की तीन सेट की हार के बाद, स्विएटेक को क्वार्टर फाइनल के लिए स्वत: क्वालीफाई करने की पोलैंड की उम्मीदों को जीवित रखने के लिए जीत की आवश्यकता थी। स्विएटेक ने निर्णायक मिश्रित युगल हुरकाज के साथ मिलकर मुचोवा और माचैक को 7–6 (3), 6–3 से हराया और ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल किया।

प्रदेश स्तरीय सब जूनियर बालिका हाकी प्रतियोगिता दस जनवरी से

लखनऊ। प्रदेश स्तरीय समन्वय सब–जूनियर बालिका हाकी प्रतियोगिता की शुरूआत 10 जनवरी से महात्मा ज्योतिबा फुले स्पोर्ट्स स्टेडियम इटावा में होने जा रहा है। 15 जनवरी तक चलने वाली इस प्रतियोगिता के लिए जिला व मंडल स्तर पर टीमों के चयन की प्रक्रिया शुरू हो गयी है।लखनऊ में जिला स्तरीय टीम का चयन छह जनवरी को अपराह्न तीन बजे से होगी। इस संबंध में प्रभारी क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि सब जूनियर बालिका वर्ग के लिए एक जनवरी 2008 या उसके पश्चात की जन्मतिथि होनी चाहिए। सभी प्रतिभागियों को पात्रता प्रमाण पत्र एवं जन्मतिथि प्रमाण पत्र साथ लेकर आना जरूरी है। उन्होंने कहा कि बिना आयु प्रमाण पत्र के किसी भी खिलाड़ी को चयन में सम्मिलित नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस चयन प्रक्रिया के बाद मंडल स्तरीय चयन प्रक्रिया सात जनवरी को अपराह्न तीन बजे के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम में ही आयोजित होगी। मंडल स्तर पर चयनित खिलाड़ी प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी।

टीम में कोई मतभेद नहीं, वह अपना काम जानते हैं : संजय भारद्वाज

नई दिल्ली, 02 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के बचपन के कोच संजय भारद्वाज ने कहा है कि भारतीय खेमे में कोई मतभेद नहीं है।

बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 184 रन से हार के बाद ड्रेसिंग रूम में अशांति की अटकलों के बीच, गंभीर ने स्पष्ट किया कि ये सिर्फ रिपोर्ट हैं, सच्चाई नहीं।

गंभीर के कोच भारद्वाज ने भी यही भावना दोहराई और कहा कि जब टीम हारती है तो ऐसी रिपोर्ट आना आम बात है।

गंभीर के बचपन के कोच भारद्वाज ने गुरुवार को से कहा, जब भी कोई टीम हारती है, तो ऐसी खबरें सामने आती हैं। गंभीर को पता है कि उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है और मैच जीतने के लिए टीम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाना है। उन्हें पता है कि टीम में क्या संभावनाएं हैं और उन्हें पता है कि अनुभवी और नए खिलाडिय़ों का उपयोग कैसे करना है। मुझे नहीं लगता कि टीम में कोई दरार है। जहां तक मुझे पता है, रोहित व्यक्तिगत रूप से अपने फॉर्म से संतुष्ट नहीं हैं।

सिडनी में सीरीज के पांचवें और अंतिम टेस्ट से पहले प्री–मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर अपने शब्दों पर अड़े रहे और टीम के

संघर्ष के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर बात की। उन्होंने कहा, जब तक ड्रेसिंग रूम में ईमानदार लोग रहेंगे, भारतीय क्रिकेट सुरक्षित हाथों में रहेगा।

केवल प्रदर्शन ही आपको ड्रेसिंग रूम में रखता है। ईमानदारी से बात की गई और ईमानदारी महत्वपूर्ण है।

गंभीर ने इस बात की पुष्टि करने से इनकार कर दिया कि कप्तान रोहित शर्मा प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे या नहीं। उनसे पारंपरिक प्री–मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कप्तान की अनुपस्थिति के बारे में पूछा गया और क्या यह अंतिम टीम में उनके शामिल होने का संकेत है। गंभीर ने कहा, रोहित के साथ सब कुछ ठीक है। हेड कोच यहां हैं और यही काफी है। हम पिच को देखने के बाद प्लेइंग इलेवन पर फैसला करेंगे।

सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट शुक्रवार से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया फिलहाल सीरीज में 2–1 से आगे है।

ओलंपिक बैडमिंटन चैंपियन हुआंग ने लिया चीनी राष्ट्रीय टीम से संन्यास

बीजिंग, 02 जनवरी (एजेंसियां)।

बैडमिंटन ओलंपिक चैंपियन हुआंग याकिओंग ने आधिकारिक तौर पर अपने राष्ट्रीय टीम के करियर को अलविदा कह दिया है। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया पर उक्त घोषणा की। हुआंग ने लिखा, मुझे सभी ने अनगिनत प्रोत्साहन दिए हैं, उम्मीद है कि मैं अपना करियर जारी रख पाऊंगी।

लेकिन वास्तव में, पेरिस ओलंपिक की तैयारी के बाद से ही, मैंने पेरिस ओलंपिक को अपना आखिरी ओलंपिक मान लिया था। हालांकि मेरे मौजूदा फॉर्म के आधार पर, मेरे पास अभी भी प्रतिस्पर्धा करने की शारीरिक क्षमता है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में लगी चोटों और बढ़ती उम्र ने मुझे देश के लिए गौरव जीतने और एक बेहतरीन एथलीट के रूप में फॉर्म बनाए रखने के मिशन को जारी रखने के लिए आत्मविश्वास की कमी कर दी है। तीन साल पहले टोक्यो ओलंपिक में उपविजेता रहने के बाद, हुआंग और उनकी जोड़ीदार झेंग सिवेई ने पेरिस ओलंपिक में अजेय रहते हुए बिना एक भी सेट गंवाए 6–0 के रिकॉर्ड के साथ मिश्रित युगल स्वर्ण पदक जीता। झेंग ने पिछले नवंबर में यह भी घोषणा की थी कि वह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता से संन्यास ले लेंगे। अपनी आखिरी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में, इस जोड़ी ने पिछले महीने ही साल के अंत में बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन वर्ल्ड टूर फाइनल में लगातार तीसरी बार चैंपियनशिप जीती थी। हुआंग ने कहा कि भले ही उन्होंने राष्ट्रीय टीम छोड़ दी है, लेकिन बैडमिंटन के साथ उनका रिश्ता अभी भी अटूट है। वह अभी भी अपने तरीके से खेल में योगदान देंगी।

शिवा सिंह ने की शानदार गेंदबाजी, इंटरनेशनल स्पोर्ट्स क्लब ने जीता मैच

लखनऊ। बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के सी डिवीजन में इंटरनेशनल स्पोर्ट्स क्लब ने आलमनगर क्रिकेट क्लब को 124 रन से हरा दिया। इस मैच में इंटरनेशनल के गेंदबाज शिवा सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए मात्र 18 रन देकर छह विकेट चटकाए। इंटरनेशनल स्पोर्ट्स क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 35 ओवर में नौ विकेट गवांकर 309 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज आदित्य दुबे ने सात चौका और एक छक्का की मदद से 26 बाल पर 39 रन बनाये।

यूनाइटेड कप टेनिस

पर्थ में यूनाइटेड कप टेनिस में खेलते हुए एलेकजेंडर ज्वेरेव।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के विंगर मार्कस रैशफोर्ड ने क्लब छोड़ने की खबरों को हास्यास्पद करार दिया

मैनचेस्टर, 02 जनवरी (एजेंसियां)।

मैनचेस्टर यूनाइटेड के विंगर मार्कस रैशफोर्ड ने ओल्ड ट्रैफर्ड से दूर जाने की खबरों की निंदा करते हुए उन्हें हास्यास्पद करार दिया है। रैशफोर्ड मैनचेस्टर की रेड साइड में एक प्रमुख खिलाड़ी रहे हैं, रूबेन एमोरिम के आने से पहले वे अक्सर विभिन्न प्रबंधकों के अधीन नियमित स्टार्टर रहे हैं।

हालांकि, प्रबंधकीय परिवर्तन और यूनाइटेड की खेल शैली में बदलाव के बाद से, रैशफोर्ड को शुरुआती 11 में जगह बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। पिछले महीने, एक साक्षात्कार में, रैशफोर्ड ने कहा कि वह एक नई चुनौती के लिए तैयार हैं, जिससे संभावित कदम के बारे में अटकलें लगाई जाने लगीं।

मंगलवार को, जब जनवरी में स्थानांतरण विंडो खुली, तो रैशफोर्ड ने अफवाहों को खारिज करने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया, उन्होंने कहा, पिछले कुछ हफ्तों में बहुत सारी झूठी कहानियाँ

लिखी गई हैं, लेकिन दोस्तों, यह हास्यास्पद हो रहा है – मैं कभी किसी एजेंसी से नहीं मिला और न ही मेरी कोई योजना है। टीम के भीतर रैशफोर्ड की स्थिति तब बदल गई जब एमोरिम ने 15 दिसंबर को मैनचेस्टर डर्बी की जीत से पहले उन्हें टीम से बाहर करने का आश्चर्यजनक निर्णय लिया।

हाल ही में, एमोरिम ने बताया कि रैशफोर्ड खेलने के लिए उत्सुक हैं, लेकिन उन्होंने उन्हें अभी के लिए किनारे पर रखने का फैसला किया है। एमोरिम ने स्काई स्पोर्ट्स के हवाले से कहा, हाँ, यह मेरा निर्णय है। वह खेलना चाहता है, वह कोशिश कर रहा है, लेकिन यह मेरा निर्णय है, केवल मेरा निर्णय।

मैंने बहुत से खिलाड़ियों से बात की, व्यक्तिगत रूप से और प्रशिक्षण के दौरान। मैं इसे अपने तरीके से कर रहा हूँ, और यह एकमात्र तरीका है जो मुझे पता है। अगर मैं ऐसा नहीं करता, तो मैं खुद को खो देता हूँ, और मैं खुद को खोना नहीं चाहता। मुझे पता है कि मैं क्या कर रहा हूँ। रैशफोर्ड को बाहर किए जाने के बावजूद, एमोरिम ने आश्वासन दिया कि टीम के बाकी सदस्य इस निर्णय से अप्रभावित रहेंगे।

उन्होंने कहा, किसी भी अन्य खिलाड़ी की तरह, वे सर्वश्रेष्ठ हो सकते हैं। यदि आपके पास बड़ी प्रतिभा, बड़ा प्रदर्शन, बड़ी जिम्मेदारी है, तो इस समय सभी को आगे बढ़ाएं। कुछ लोगों के पास यहां बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि वे लंबे समय से यहां हैं।

विश्व पटल पर कराटे खिलाड़ी बढ़ा रहे देश का मान-सम्मान : शिहान परमजीत सेवा सिंह

नई दिल्ली, 02 जनवरी (एजेंसियां)।

आज के समय में मार्शल आर्ट और कराटे की शिक्षा का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इसका सबसे प्रमुख कारण आत्मरक्षा है। आत्मरक्षा के साथ–साथ शरीर को स्वस्थ और अनुशासित रखने के लिए भी लोग कराटे आदि खेलों की ट्रेनिंग लेते हैं। इस खेल के जरिए कई दिग्गज दुनियाभर में देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्हीं में से एक वर्ल्ड कराटे फेडरेशन के रेफरी और कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक विजेता शिहान परमजीत सेवा सिंह हैं। उन्होंने हिन्दुस्थान समाचार को दिए एक साक्षात्कार में कराटे खेल को लेकर खुल कर बात की, प्रस्तुत है बातचीत के मुख्य अंश ---- खेल के नियमों को लेकर आप कैसे सचेत और अप–टू–डेट रहते हैं वर्ल्ड कराटे फेडरेशन समय–समय पर नियमों को लेकर अपडेट करता है। इसके लिए सेमिनार का भी आयोजन किया जाता है। जिसमें भारतीय कराटे फेडरेशन के अधिकारी शामिल होते हैं और नियमों में हुए चेंजेज या अपग्रेडेशन के बारे में बताते हैं। आपको क्या लगता है कि कराटे की लोकप्रियता के सापेक्ष खिलाड़ी इसमें पदक भी ला पा रहे हैं कराटे व्यक्तिगत स्पर्धा है। भारतीय खिलाड़ी एशियन गेम्स और साउथ एशियन गेम्स में पदक ला रहे हैं। वर्ल्ड यूथ में हमारे लाड़ियों ने परचम लहराया है। कराटे को देश में आगे बढ़ने में क्या सरकार से कोई मदद मिल पा रही है सरकार की तरफ से काफी सहायता मिल रही है। सरकार द्वारा खेल के लिए दिये गए बजट और कार्यक्रम का हम पूरा लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। चूंकि हमारे दो तीन फेडरेशन और हैं, जिससे हमें सहायता सीधे नहीं मिल पा रही है।

भारतीय ओलंपिक संघ और भारत सरकार द्वारा यदि हमें रिकोगनाइज किया जाता है और ओलंपिक एथलीटों की तरह सरकार की तरफ से 10 साल की तैयारी का मौका मिलता है तो हमारे पास अच्छे खिलाड़ी हैं, वो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के लिए और अच्छा अच्छा कर सकते हैं। आपको कभी लगा कि क्रिकेट या अन्य खेलों की तरह कराटे को लेकर दर्शकों की कमी रहती है कराटे को लेकर लोगों में जागरूकता काफी बढ़ी है। जहां तक बात दर्शकों की है तो हां इसके लिए दर्शक अपना समय और पैसा खर्चने को तैयार हैं। टोक्यो में कराटे एक इवेंट था और ऑनलाइन में कराटे को देखने वाले लोगों की संख्या सबसे ज्यादा थी। टीवी पर अन्य खेलों की अपेक्षा कराटे को अभी उतनी लोकप्रियता नहीं मिली है, दिक्कत क्या है जैसे बॉक्सिंग में केवल एक ही रिंग होता है, उसी प्रकार क्रिकेट एक मैदान पर खेला जाता है। लेकिन कराटे के साथ ऐसा नहीं है। कराटे कम समय में कई एज ग्रुप में विभिन्न रिंग में एक साथ खेला जाता है। शायद दर्शकों को बंटने की एक ये भी वजह हो सकती है। अभी राष्ट्रीय कराटे चैम्पियनशिप में हमें चार रिंग लगाने पड़े, जिससे जो पैरेंट्स या दर्शक आए वो बंट गए। वैसे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में कराटे इवेंट को दूरदर्शन पर बाकी खेलों से ज्यादा व्यूवरशिप मिली। कराटे के नाम पर फर्जी प्रतियोगिताएं भी होती हैं। ऐसे में कई बार आयोजनकर्ता और पदक विजेता खिलाड़ी खुद को ठगा महसूस करते हैं और बाद में खेल ही छोड़ देते हैं। इसे रोकने के लिए क्या किया जाना चाहिए यदि हमें भारत सरकार और भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा मान्यता मिल जाती है, तो कोई भी अपनी मन मर्जी से कोई भी प्रतियोगिता का आयोजन नहीं कर सकेगा। संगीत में जैसे घराने होते हैं, वैसे ही कराटे में कई घराने होते हैं, जिसे स्टाइल बोलते हैं, तो सभी घरानों के अपने इवेंट होते हैं, उन इवेंट में अगर बच्चों को नहीं खिलाएंगे तो डायरेक्ट मेन सर्किट में वो अच्छा नहीं खेल पाएंगे। हालांकि पेरेंट्स को भी किसी भी इवेंट में बच्चों के भेजने से पहले रिसर्च कर लेना चाहिए कि इवेंट किस स्तर का है। कराटे का खेल अपने खिलाड़ियों के भविष्य को कैसे सुरक्षित करता है दरअसल, तमाम अन्य खेलों की तरह कराटे के मेडल विजेताओं को भी सरकारी नौकरियां मिलती हैं। यही नहीं, कॉलेजों में प्रवेश के लिए भी खेल कोटे के तहत कराटे के खिलाड़ियों लाभ मिलता है। कराटे में पदक जीतने की उम्मीदों को भारतीय नजरिए से कैसे देखते हैं कराटे युवा रूचि का खेल है। इसलिए यह कहना गलत

स्टॉक मार्केट में आन्या पॉलिटेक की जोरदार एंट्री,लिस्टिंग के तुरंत बाद लगा अपर सर्किट, निवेशकों को पहले दिन ही 28.21 प्रतिशत का मुनाफा

नई दिल्ली,02 जनवरी (एजेंसियां) ।

फर्टिलाइजर और फर्टिलाइजर बैग बनाने वाली कंपनी आन्या पॉलिटेक एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के शेयरों की आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर जोरदार एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 14 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज इन शेयरों की लिस्टिंग 22.14 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 17.10 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी। इसकी वजह से थोड़ी ही देर में ये शेयर 17.95 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 28.21 प्रतिशत का मुनाफा हो गया।

आन्या पॉलिटेक एंड फर्टिलाइजर्स का 44.80 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 से 30 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस इश्यू को हर कैटेगरी के निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला, जिससे ये ओवरऑल 439.8 गुना सब्सक्राइब हो गया। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 150.8 गुना सब्सक्रिप्शन आया। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 1,100.39 गुना सब्सक्राइब हुआ। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 321.53 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इस आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 3.20 करोड़ नए शेयर जारी किए गए हैं। इस आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसों का इस्तेमाल कंपनी अपने कैपिटल एक्सपेंडिचर और वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने में करेगी। इसके साथ ही कंपनी की सब्सिडियरी यारा ग्रीन एनर्जी और अरावली फास्फेट के वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने में करेगी। साल 2011 से काम कर रही आन्या पॉलिटेक एंड फर्टिलाइजर्स हाई डेनसिटी पालीएथिलीन और पॉलीप्रोपिलीन बैग का उत्पादन करने के साथ ही जिंक सल्फेट खाद भी बनाती है। वित्त वर्ष 2021-22 में इस कंपनी को 70.22 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था, जो 2022-23 में बढ़कर 5.70 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया।

न्यूज ब्रीफ

वारी एनर्जीज को 150 मेगावाट सोलर मॉड्यूल का ठेका मिला

नई दिल्ली। वारी एनर्जीज को भारत में एक प्रमुख नवीकरणीय परियोजना के लिए 150 मेगावाट क्षमता के सौर मॉड्यूल की आपूर्ति का ठेका हासिल हुआ है। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि इस ठेके में वारी के प्रमुख उच्च दक्षता वाले ग्लास एन-टाइप टॉपकॉन बाइफेसियल मॉड्यूल की आपूर्ति शामिल है, जिसकी रेटिंग 585/590डब्ल्यूपी है। इन मॉड्यूल को उनके स्थायित्व, असाधारण ऊर्जा उत्पादन और उन्नत प्रौद्योगिकी के लिए जाना जाता है। मॉड्यूल की आपूर्ति अगले वित्त वर्ष 2025-26 में की जानी है। इस परियोजना के कार्यान्वयन से भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ेगी, जिससे 'ग्रीनहाउस गैस' उत्सर्जन में कमी आएगी और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा।

बैंकों और बीमा कंपनियों को सरकार ने दिए सख्त निर्देश

मुंबई। वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) और बीमा कंपनियों को सख्त निर्देश दिए कि वह ग्राहकों की शिकायतों का जल्द और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करें। वित्तीय सेवा सचिव एम नागराजू की अध्यक्षता में हाल ही में बैठक का आयोजन किया गया जिसमें शिकायतकर्ताओं, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, बीमा कंपनियों और नियामक शामिल हुए। इस बैठक का उद्देश्य शिकायत निवारण की प्रक्रिया और उसकी गुणवत्ता का आकलन करना था। इससे पहले सचिव ने 26 दिसंबर को आयोजित प्रगति बैठक में दिए गए प्रधानमंत्री के निर्देश को दोहराया कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और बीमा कंपनियों के चेयरमैन/प्रबंध निदेशक/कार्यकारी निदेशक स्तर के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को समाधान की गुणवत्ता पर नजर रखने के लिए हर महीने निस्तारित शिकायतों में कम-से-कम 20 मामलों की समीक्षा करनी चाहिए। समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने पाया कि ग्राहकों ने जो शिकायतें कीं, उनमें से ज्यादार सही थीं। उन्होंने कहा कि शिकायतों का समाधान करते समय ग्राहकों की संतुष्टि केंद्र में होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायत निवारण में कोई भी ढिलाई/लापरवाही ग्राहक सेवा के लोकाचार के खिलाफ है और संगठन की प्रतिष्ठा/ब्रांड मूल्य को कम करती है। सचिव ने कहा कि सार्वजनिक शिकायतों का समयबद्ध तरीके से ईमानदारी और सकारात्मक रुख के साथ समाधान किया जाना चाहिए। नागराजू ने बार-बार होने वाली वाली शिकायतों को कम करने और दक्षता बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग की जरूरत बताई।

नए साल में मुकेश अंबानी 40,000 करोड़ का ला रहे हैं आईपीओ

मुंबई। भारत और एशिया के सबसे अधिक रईसों में से एक मुकेश अंबानी अब तक के सबसे बड़े आईपीओ लाने पर विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार रिलायंस जियो का आईपीओ जल्द लॉन्च हो सकता है, जिसकी अनुमानित राशि 35,000 से 40,000 करोड़ रुपए होगी। सूत्रों के मुताबिक इस आईपीओ में ऑफर फॉर सेल के साथ-साथ ताजा शेयर भी जारी किए जाएंगे। यह आईपीओ 2025 की दूसरी छमाही में लॉन्च हो सकता है। हुंडई मोटर इंडिया पिछले साल 27,870.16 करोड़ रुपए का आईपीओ लाई थी जो देश में अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ है। सूत्रों के मुताबिक रिलायंस जियो के आईपीओ के लिए प्री-आईपीओ प्लेसमेंट पर शुरुआती बातचीत पहले ही शुरू हो चुकी है। इनवेस्टमेंट बैंकर्स का कहना है कि यह इश्यू बड़ा हो सकता है और इसमें सब्सक्रिप्शन की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। प्री-प्लेसमेंट की राशि इस बात पर निर्भर करेगी कि इसमें फ्रेश इश्यू का साइज क्या होगा। ओएफएस और फ्रेश इश्यू का हिस्सा कितना होगा, इस पर अभी फैसला नहीं हुआ है। इस बारे में रिलायंस की ओर से कोई जबाव नहीं आया। सूत्रों का कहना है कि रिलायंस जियो के आईपीओ में ओएफएस कंपोनेंट अहम होगा क्योंकि इससे कई मौजूदा निवेशकों को अपनी हिस्सेदारी बेचने का मौका मिलेगा। कंपनी में विदेशी निवेशकों की 33 फीसदी हिस्सेदारी है। रिलायंस ने साल 2020 में अबू धाबी इनवेस्टमेंट फंड, केकेआर, मुबादला और सिल्वर लेक जैसे विदेशी फंड्स से 18 अरब डॉलर जुटाए थे।

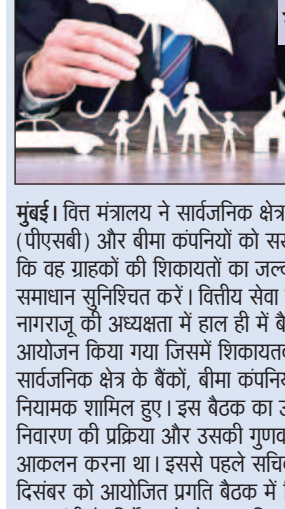

शेयर बाजार से निवेशकों को मिला न्यू ईयर गिफ्ट, तूफानी तेजी से उछले सेंसेक्स और निफ्टी

निवेशकों को 1 दिन में 6.01 लाख करोड़ का मुनाफा

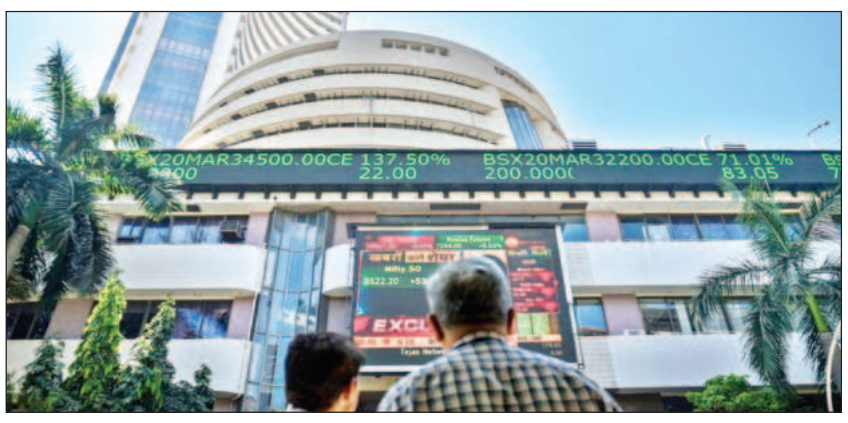

नई दिल्ली,02 जनवरी (एजेंसियां) ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को जीएसटी कलेक्शन के शानदार आंकड़े, आईटी सेक्टर की उछाल और अच्छे तिमाही नतीजे की उम्मीद के कारण जोरदार मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही कुछ देर के लिए बिकवाली का दबाव भी बना, लेकिन थोड़ी ही देर बाद खरीदारों ने चौतरफा लिवाली शुरू कर दी, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल में जबरदस्त तेजी आ गई। इस तेजी के कारण सेंसेक्स 1,525 अंक से अधिक उछल गया। इसी तरह निफ्टी ने भी इंट्रा-डे में 483 अंक से अधिक की छलांग लगाई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.83 प्रतिशत और निफ्टी 1.88 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के दौरान सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। इनमें ऑटोमोबाइल इंडेक्स 3.79 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह आईटी इंडेक्स 2.26 प्रतिशत तक उछल गया। टेक इंडेक्स ने 2.19 प्रतिशत और कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडेक्स ने 2.02 प्रतिशत की तेजी के साथ के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा बैंकिंग, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस, एफएमसीजी, मेटल और रियल्टी इंडेक्स भी अच्छी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.89 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 6 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 450.44 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 444.43 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 6.01 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,058 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,395 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,574 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 89 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,519 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,624 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 895 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 29 शेयर बढ़त के साथ और 1 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 48 शेयर हरे निशान में और 2 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 150.11 अंक की तेजी के साथ 78,657.52 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बनने के कारण थोड़ी ही देर में ये सूचकांक लुढ़क कर 78,542.37 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया।

खरीदारी के सपोर्ट से इस सूचकांक ने ऊपर चढ़ना शुरू कर दिया। बीच-बीच में मुनाफा वसूली भी होती रही। इसके बावजूद इस सूचकांक की चाल में लगातार तेजी बनी रही। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से का कारोबार खत्म होने के आधा घंटा पहले ये सूचकांक 1,525.46 अंक उछल कर 80,032.87 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, आखिरी आधे घंटे के कारोबार में हुई मामूली बिकवाली के कारण ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 90 अंक फिसल कर 1,436.30 अंक की बढ़त के साथ 79,943.71 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 40.10 अंक की मजबूती के साथ 23,783 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बनने पर पहले 10 मिनट में ही ये सूचकांक गिर कर 23,751.55 अंक तक आ गया। इसके बाद बाजार पर पूरी तरह से तेजड़ियों ने अपना कब्जा कर लिया। लगातार हो रही खरीदारी के कारण का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 483.80 अंक की छलांग लगा कर 24,226.70 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि, इसके बाद हुई मामूली मुनाफा वसूली के कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से करीब 40 अंक लुढ़क कर 445.75 अंक की तेजी के साथ 24,188.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से आयशर मोटर्स 8.65 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 7.88 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 6.54 प्रतिशत, मारुति सुजुकी 5.65 प्रतिशत और श्रीराम फाइनेंस 4.84 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए।

देश का गैर-जीवन बीमा उद्योग 2025 में कर सकता है दोहरे अंकों की वृद्धि

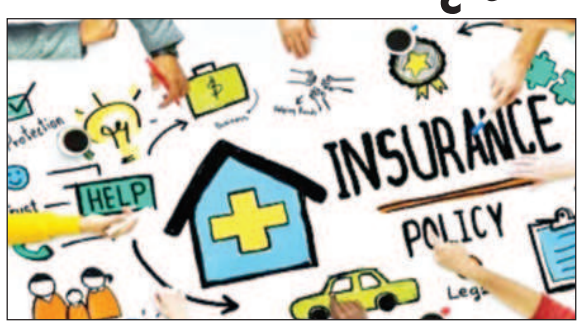

कंपनियों के विकास में मददगार होगा बल्कि ग्राहकों को भी बीमा की पहुंच में सुधार आएगा

कोलकाता,02 जनवरी (एजेंसियां) ।

भारत में सामान्य बीमा की पहुंच स्थिर रहने के बावजूद, गैर-जीवन बीमा कंपनियों ने नवाचारिक उत्पादों की पेशकश कर दी है और उन्हें अनुकूल नियामकीय माहौल में लौटने की उम्मीद है। हितधारकों ने बताया कि गैर-जीवन बीमा उन्हें अनायास मुद्रिक सुरक्षा प्रदान करता है जब उन्हें दुर्घटनावश नुकसान का सामना करना पड़ता है। विभिन्न प्रकार के बीमा जैसे अग्नि, समुद्री, मोटर, घर, कारखाना, स्वास्थ्य, यात्रा और दुकान बीमा इसके उदाहरण हैं। निजी बीमा कंपनियों के अनुसार जीएसटी से राहत और मोटर थर्ड पार्टी दरों पर पुनर्विचार के मामले में जो परिणाम होंगे, उन्हें आशा है कि उद्योग वह पूरा कर पाएगा। दूसरी ओर स्वास्थ्य बीमा में वृद्धि की गति बढ़ने की उम्मीद है जो गैर-मोटर और गैर-स्वास्थ्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण विस्तार के साथ आने की संभावना है। इस विस्तार के चलते गैर-मोटर में व्यापक खतरों का बीमा भी शामिल है जैसे आग, टूट-फूट, चोरी, भूस्खलन, बाढ़, वर्षा और भूकंप। अनुमान है कि उपयोग में डिजिटल ढांचे के साथ उद्योग में 14 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि होगी, जो उद्योग को कुशलता में बढ़ोतरी और जोखिमों को कम करने में मदद करेगी।

सुधारों पर फोकस

बीमा क्षेत्र में सुधार को देखते हुए कंपनियों ने ध्यान दिया है कि उत्पाद विकास, बीमा और ग्राहक सेवा में वृद्धि की जाए ताकि बीमा की पहुंच छोटे स्थानों तक हो सके। इसके साथ ही उन्होंने आपदा प्रबंधन के लिए साइबर बीमा और पैरामीट्रिक बीमा का महत्व माना है। इरेडा की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में बीमा क्षेत्र में आगामी वर्षों में महत्वपूर्ण वृद्धि की संभावना है, जिससे प्रीमियम में वृद्धि होगी। इससे उद्योग में नई दिशा देखने की उम्मीद है जो न केवल कंपनियों के विकास में मददगार होगा बल्कि ग्राहकों को भी बीमा की पहुंच में सुधार लाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कश्मीर का...

आतंकवाद में बदल गए। अनुच्छेद 370 ने यह झूठ बताया कि कश्मीर और पूर देश के बीच संबंध अस्थाई है।उन्होंने आगे कहा, कश्मीर में दशकों तक आतंकवाद रहा और देश इसे देखता रहा। अनुच्छेद 370 हटने के बाद आतंकवाद 70% कम हुआ। कांग्रेस हम पर जो चाहे आरोप लगा सकती है। पीएम मोदी ने 80,000 करोड़ रुपये का पैकेज जारी किया। हमने न सिर्फ आतंकवाद पर काबू पाया, बल्कि बल्कि पीएम मोदी सरकार ने आतंकी इको-सिस्टम को भी ध्वस्त कर दिया।

यह जिहादी और ...

नए बांग्लादेश की विचारधाराओं का पालन कर रही है, जहां वे इस्लाम को देश में प्राथमिक धर्म, प्राथमिक संस्कृति बनाना चाहते हैं, सचदेवा ने एएनआई को बताया।मेट्रोपॉलिटन पब्लिक प्रॉसिक्यूटर एडवोकेट मोफिजुर हक भुइयां के अनुसार, दिन में इससे पहले, चिन्मय कृष्ण दास की जमानत याचिका को चटगाँव मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायाधीश एमडी सैफुल इस्लाम ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के लगभग 30 मिनट बाद ठुकरा दिया था। चिन्मय कृष्ण दास की जमानत की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट के ग्यारह वकील भाग लेने वाले थे । 3 दिसंबर, 2024 को, चटगाँव अदालत ने जमानत की सुनवाई के लिए 2 जनवरी की तारीख तय की थी क्योंकि अभियोजन पक्ष ने समय याचिका प्रस्तुत की थी और चिन्मय का प्रतिनिधित्व करने के लिए कोई वकील नहीं था। बांग्लादेश में अशांति 25 अक्टूबर को चटगाँव में बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज के ऊपर भगवा झंडा फहराने के आरोप में चिन्मय कृष्ण दास के खिलाफ दायर राजद्रोह के आरोपों से उपजी है । इस्कॉन कोलकाता के अनुसार, दो साधुओं, आदिपुरुष श्याम दास और रंगनाथ दास ब्रह्मचारी को 29 नवंबर को हिरासत में लिया गया था, जब वे हिरासत में चिन्मय कृष्ण दास से मिलने गए थे । संगठन के उपाध्यक्ष राधा रमन ने यह भी दावा किया कि दंगाइयों ने अशांति के दौरान बांग्लादेश में इस्कॉन केंद्र में तोड़फोड़ की। विदेश मंत्रालय ने भी बांग्लादेश में बढ़ती हिंसा और चरमपंथी बयानबाजी पर चिंता व्यक्त की थी , इस बात पर जोर देते हुए कि उसने लगातार ढाका के साथ अल्पसंख्यकों पर लक्षित हमलों का मुद्दा उठाया है।

जब तक सबूत ...

राजनीति में शामिल नहीं होता। यही तेदेपा और वाईएसआरसीपी के बीच का अंतर है। उन्होंने कहा, ये राज्य सरकार की विश्वसनीयता का सवाल है।बता दें कि आंध्र प्रदेश में पावर सप्लाई से जुड़ा ये कॉन्ट्रैक्ट सरकारी कंपनी सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एसईसीआई) के माध्यम से दिया गया था। एसईसीआई ने अदाणी ग्रीन एनर्जी (एजीईएल) के साथ 4,666 मेगावाट और एज़्योर पावर के साथ 2333 मेगावाट के लिए पावर परचेज एग्रीमेंट्स पर हस्ताक्षर किए थे। बाद में, एजेडयूआरए के पीछे हटने से ये कैपिसिटी भी एजीईएल को ट्रांसफर कर दी गई।

मनु भाकर, गुकेश सहित...

अर्जुन अवॉर्ड में दो कैटेगरी है, साल 2024 में अच्छा परफॉर्म करने वाले एथलीट्स के साथ-साथ दो खिलाड़ियों को लाइफटाइम कैटेगरी के लिए भी चुना गया है। इसमें मुरलीकांत पेटकर और सुची सिंह शामिल हैं। मुरलीकांत पैरा-स्वीमर रहे हैं, उन पर फिल्म भी बन चुकी है। वहीं सुची सिंह को एथलेटिक्स कैटेगरी के लिए चुना गया है।

बता दें कि, भारतीय हॉकी टीम के स्टार खिलाड़ी हरमनप्रीत सिंह और पैराएथलीट प्रवीण कुमरा का नाम भी खेल रत्न अवॉर्ड में शामिल है। भारत ने पेरिस ओलंपिक में हॉकी में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। हरमनप्रीत ने कुल 10 गोल दागे थे। वहीं प्रवीण हाई जंप टी64 प्रतियोगिता का हिस्सा थे। उन्होंने एशियाई रिकॉर्ड को तोड़कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया था।

बीएसएफ बंगाल में ...

यह (घुसपैठ) बीएसएफ का बहुत ही आंतरिक काम है, इसमें केंद्र सरकार का भी एक ब्लू प्रिंट है, अगर केंद्र सरकार का ब्लू प्रिंट नहीं होता तो ऐसा नहीं होता...।

वहीं उत्तर 24 परगना में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि यह बयान हास्यास्पद है। पश्चिम बंगाल सरकार पहले बांग्लादेशियों के लिए लाल कालीन बिछाती है और फिर अभिषेक बनर्जी बांग्लादेश के नाम पर राजनीति करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए नर्सरी बन गया है।

ममता अवैध घुसपैठियों ...

लिए ये आरोप लगा रही हैं। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी द्वारा लगाए गए आरोप गलत हैं। वह खुद अवैध घुसपैठियों और बांग्लादेशी घुसपैठियों को भारत में बसाने और यह सुनिश्चित करने में एक बड़ी मददगार हैं कि उन्हें मतदाता सूची में शामिल किया जाए... वह आरोप लगा रही हैं कि बीएसएफ उनकी मदद करती है, लेकिन यह उनके लोग ही करते हैं... वह अपने मतदाताओं को खुश करने के लिए बलों पर आरोप लगाती हैं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) बांग्लादेश से आतंकवादियों और घुसपैठियों को राज्य में प्रवेश करने में मदद कर रहा है और आगे कहा कि इस वजह से क्षेत्र में व्यवधान पैदा हो रहा है। कोलकाता के नबन्ना सभाघर में राज्य प्रशासनिक समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए बंगाल की सीएम ने कहा कि अगर बीएसएफ ऐसी गतिविधियों को बढ़ावा देना जारी रखती है, तो तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगी। बनर्जी ने टिप्पणी की कि बीएसएफ, जो सीमाओं की रक्षा के लिए जिम्मेदार है, इस्लामपुर, सीताई और चोपड़ा जैसे क्षेत्रों से व्यक्तियों को भारत में प्रवेश करने की अनुमति दे रही है और इसके पीछे के उद्देश्यों पर सवाल उठाया और इसे केंद्र सरकार के ब्लूप्रिंट के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने जोर देकर कहा कि केंद्र सरकार की भागीदारी के बिना यह स्थिति संभव नहीं थी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा, सीमा की सुरक्षा बीएसएफ करती है, लेकिन टीएमसी नहीं... वे गुंडे भेज रहे हैं। वे ऐसे लोगों को भेज रहे हैं जो सीमा पार लोगों की हत्या करते हैं। यह बीएसएफ का अंदरूनी काम है और यह केंद्र सरकार का खाका है। अगर केंद्र सरकार की ओर से कोई खाका नहीं होता, तो यह संभव नहीं होता। बनर्जी ने कथित घुसपैठ में टीएमसी की किसी भी तरह की संलिप्तता से भी इनकार किया और कहा कि पार्टी सीमा पार करने वाले व्यक्तियों की हरकतों के लिए जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने इसका दोष सीधे बीएसएफ पर मढ़ा, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा का जिम्मा बीएसएफ के पास है। बनर्जी ने बीएसएफ पर महिलाओं के खिलाफ अत्याचार करने का भी आरोप लगाया।

हमें मजबूर न ...

चिंतित होने की जरूरत नहीं है कि अगर उन्हें चिकित्सा सहायता मिल जाए तो किसानों का विरोध कमजोर हो जाएगा। कोर्ट ने मीडिया रिपोर्टों और पंजाब सरकार की कार्रवाई या निष्क्रियता की भी आलोचना की, जिससे यह धारणा बनी कि डल्लेवाल को ऐसी चिकित्सा सहायता प्रदान करने का उपयोग चल रहे विरोध प्रदर्शनों को तोड़ने के लिए किया जा सकता है।सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि आपके राज्य (पंजाब) के सरकारी अधिकारियों द्वारा मीडिया में जानबूझकर यह धारणा बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि कोर्ट उन पर (डल्लेवाल) अनशन तोड़ने के लिए दबाव डाल रहा है। हमारे निर्देश उनका अनशन तोड़ने के नहीं थे। हमने सिर्फ इतना कहा कि उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखा जाए और फिर उनका अनशन जारी रह सकता है। अस्पताल में भर्ती होने का मतलब यह नहीं है कि अनशन टूट गया है। हमारी चिंता उनके जीवन को कोई नुकसान नहीं पहुंचाना है। एक किसान नेता के रूप में उनका जीवन अनमोल है। वह किसी भी राजनीतिक विचारधारा से जुड़े नहीं हैं, वह केवल किसानों का मुद्दा उठा रहे हैं।

पंजाब सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए महाधिवक्ता (एजी) गुरमिंदर सिंह ने कोर्ट को आश्वासन दिया कि संबंधित हितधारकों के साथ एक समिति गठित की गई है और राज्य यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है कि डल्लेवाल को आवश्यक सहायता मिले।

अटॉर्नी जनरल ने कहा कि (राज्य) कोई पक्ष नहीं ले रहा है। मुद्दा यह है कि हमने उन्हें चिकित्सा सहायता लेने के लिए मनाने की कोशिश की है। लोग मौके पर हैं। उनका दृढ़ मत है, जिसे मध्यस्थों, मीडिया को भी बताया गया है कि वह कुछ हस्तक्षेप (किसानों की मांगों के संबंध में संबंधित सरकार के साथ बातचीत) के अधीन चिकित्सा सहायता स्वीकार करेंगे। हालांकि, जस्टिस कांत ने राज्य से सवाल किया कि क्या उसने सही ढंग से यह संदेश दिया है कि वह किसानों की समस्याओं को हल करने के लिए तैयार है।जज ने टिप्पणी करते हुए कहा कि क्या आपने कभी उनसे कहा है कि इस उद्देश्य के लिए ही एक समिति बनाई गई थी? हमें बातें कहने पर मजबूर न करें.. आपका रवैया यह है कि कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

यही समस्या है कुछ लोग गैर-जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं और हम उनके इरादे जानते हैं। कुछ किसान नेता हैं जो ऐसा कर रहे हैं। दल्लेवाल के लिए उनकी क्या मंशा है , इस पर भी गौर किया जाना चाहिए।अटॉर्नी जनरल ने कोर्ट से अनुरोध करते हुए कहा कि हमारे अधिकारी वहां मौजूद हैं। हमें कुछ उचित समय दीजिए। हम सकारात्मक स्थिति बनाने की कोशिश कर रहे हैं। मामले की अगली सुनवाई 6 जनवरी को होगी। पीठ ने कहा कि हम सोमवार को मुख्य सचिव द्वारा अनुपालन का हलफनामा भी देखेंगे।कोर्ट पंजाब राज्य के मुख्य सचिव के खिलाफ शीर्ष अदालत के 20 दिसंबर के आदेश का पालन नहीं करने के लिए दायर अदालत की अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें राज्य को अनशन कर रहे किसान नेता को अस्पताल जाने के लिए मनाने के लिए कहा गया था। बाद में कोर्ट को बताया गया कि डल्लेवाल ने उन्हें चिकित्सा सहायता देने के प्रयासों को इस चिंता के कारण अस्वीकार कर दिया था कि इससे किसानों का आंदोलन कमजोर हो सकता है।

28 दिसंबर की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने कहा कि अन्य किसान नेता डल्लेवाल को चिकित्सा सहायता देने के प्रयासों को रोकने के लिए निगरानी रख रहे हैं। अटॉर्नी जनरल ने कहा कि राज्य सरकार असहाय है। पीठ ने उस समय जवाब दिया था कि यदि राज्य मशीनरी कहती है कि आप असहाय हैं, तो क्या आप जानते हैं कि इसका क्या नतीजा होगा? कोर्ट ने यह नहीं कह रहा है कि अवांछित बल का प्रयोग करें।

शिंदे के इस...

शिंदे गुट के शिव सेना विधायक भरत गोगावले को एमएसआरटीसी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। दिसंबर में एमएसआरटीसी ने तीन प्राइवेट कंपनियों के साथ एलओआई (लेटर ऑफ इंटेंट) जारी किए. गौरतलब है कि, संभावित रूप से किराए पर लिए जाने वाले 1310 बसों में 450 बसों को मुंबई-पुणे, 430 बसों को नासिक-छत्रपति संभाजी नगर और 430 बसों को नागपुर-अमरावती रूट पर चलाया जाना था।एक नाथ शिंदे सरकार में लिए गए और भी फैसलों के संभावित रिव्यू के एक सवाल पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष और रेवेन्यू मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा, कई फैसले शीर्ष नेतृत्व की जानकारी के बिना लिए जाते हैं. देवेंद्र फडणवीस किसी भी प्रोजेक्ट को नहीं रोकेंगे, लेकिन प्रोजेक्ट की समीक्षा करने में कोई बुराई नहीं है. अगर फैसले में कुछ कमियां हैं तो वह सामने आ जाएंगी. अगर नहीं हैं तो प्रोजेक्ट को हरी झंडी मिल जाएगी।

किसानों को ...

बात है और वह इसका स्वागत करते हैं। यह राजनीतिक एकता का संकेत है और इससे राज्य में विकास की संभावनाएं मजबूत होंगी।बावनकुले ने पीएम नरेंद्र मोदी के वीर सावरकर के नाम पर दिल्ली में एक कॉलेज का शिलान्यास करने की बात भी की। उन्होंने कहा कि यह महाराष्ट्र के लिए गर्व का विषय है। प्रधानमंत्री मोदी वीर सावरकर के नाम पर कॉलेज का शिलान्यास करने जा रहे हैं, इसके लिए हम प्रधानमंत्री का धन्यवाद करते हैं। वीर सावरकर महाराष्ट्र के गौरव हैं, लेकिन कांग्रेस उन्हें अपमानित करती रही है और उद्धव ठाकरे सत्ता की खातिर इस पर चुप हैं।

लालू प्रसाद यादव के बिहार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार गिराने का प्रस्ताव देने पर बावनकुले ने कहा कि जो कुछ संजय राउत और लालू प्रसाद यादव कह रहे हैं, वो शायद उन्होंने अपने सपनों में सुना होगा। उनका यह बयान बेइमानी और अव्यावहारिक है।

जन नायक बनाएगी विनायक चतुर्थी!

विनायक चतुर्थी – 3 जनवरी 2025, शुक्रवार (11:32 से 13:4)
शुक्ल चतुर्थी प्रारम्भ – 01:08, 3 जनवरी 2025
शुक्ल चतुर्थी समाप्त – 23:39, 3 जनवरी 2025

विनायक चतुर्थी के अवसर पर श्री गणेश की आराधना जीवन में विजय की पताका फहराती है. दिन सच्चे मन से भगवान श्री गणेश की पूजा करें, लडुअन का भोग लगाएं, श्रीगणेशकृपा की कामना के साथ दुब अर्पित करें, सामथ्र्य के अनुसार व्रत करें और संभव हो तो दान-पुण्य करें, कथा सुने..जीवन सफल हो जाएगा. श्रीगणेश पूजा में शुद्ध भावना का विशेष महत्व है, इसलिए पवित्र से प्रार्थना करें, श्रीगणेश की शुभदृष्टि जीवनी की सारी बाधाएं दूर करेगी...।

विघ्नेश्वराय वरदाय सुरप्रियाय, लम्बोदराय सकलाय जगद्धिताय। नागाननाय श्रुतियज्ञविभूषिताय, गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते।।

भावार्थ.... सभी विघ्नों को दूर करने वाले, वरदान देने वाले, देवताओं के प्रिय, बड़े उदर वाले, सर्वजगत की रक्षा करने वाले, हाथी सदृश्य मुख वाले, और यज्ञ के आभूषण, देवी पार्वती के पुत्र, ऐसे हैं गणों के स्वामी श्रीगणेश, आपको नमस्कार हो, नमस्कार हो।

जब हम कोई कार्य करते हैं तो उसका उद्देश्य होता है- विजय, जीवन में व्यक्ति

हर समय विजय प्राप्त करने के लिए प्रयास करता है लेकिन विघ्न, विजय की राह बाधा बनते हैं. विनायक की आराधना समस्त विघ्नों को समाप्त करती है और इसका सबसे अच्छा अवसर होता है हर माह की विनायक चतुर्थी।

हर माह में शुक्ल पक्ष की, अमावस्या के बाद आने वाली चतुर्थी को विनायक चतुर्थी कहा जाता है, जबकि पूर्णिमा के बाद आने वाली यानी पक्ष की चतुर्थी को संकष्ठी चतुर्थी कहते हैं. विनायक चतुर्थी का पूजा-पर्व भगवान श्रीगणेश को समर्पित है. विनायक चतुर्थी का व्रत हर महीने होता है लेकिन सबसे मुख्य विनायक चतुर्थी का व्रत भाद्रपद के महीने में होता है, संपूर्ण विश्व में इसे गणेश चतुर्थी यानी भगवान गणेशजी के जन्मदिन रूप में मनाया जाता है!

शुक्रवार को करें मां लक्ष्मी के नामों का मंत्र जप, दूर हो जाएंगे सभी संकट

वैदिक पंचांग के अनुसार, शुक्रवार 03 जनवरी को विनायक चतुर्थी है। इस अवसर पर गणपति बप्पा की पूजा-अर्चना की जाएगी। साथ ही धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। साथ ही वैभव लक्ष्मी व्रत भी रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। साथ ही जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के से मुक्ति मिलती है। ज्योतिष भी धन की समस्या से मुक्ति पाने के लिए मां लक्ष्मी की पूजा करने की सलाह देते हैं। अगर आप भी मां लक्ष्मी की कृपा के भागी बनना चाहते हैं, तो शुक्रवार के दिन भक्ति भाव से धन की देवी की पूजा करें। साथ पूजा के समय मां लक्ष्मी के नामों का मंत्र जप करें।

मां लक्ष्मी के 108 नाम

1. ॐ नित्यागतायै नमः
2. ॐ अनन्तनित्यायै नमः
3. ॐ नन्दिन्यै नमः
4. ॐ जनरञ्जन्यै नमः
5. ॐ नित्यप्रकाशिन्यै नमः
6. ॐ स्वप्रकाशस्वरूपिण्यै नमः
7. ॐ महालक्ष्म्यै नमः
8. ॐ महाकाल्यै नमः
9. ॐ महाकन्यायै नमः
10. ॐ सरस्वत्यै नमः
11. ॐ भोगवैभवसन्धात्र्यै नमः
12. ॐ भक्तानुग्रहकारिण्यै नमः
13. ॐ ईशावास्यायै नमः
14. ॐ महामायायै नमः
15. ॐ महादेव्यै नमः
16. ॐ महेश्वर्यै नमः
17. ॐ ह्लेखायै नमः
18. ॐ परमायै नमः
19. ॐ शक्त्यै नमः
20. ॐ मातृकाबीजरूपिण्यै नमः
21. ॐ नित्यानन्दायै नमः
22. ॐ नित्यबोधायै नमः
23. ॐ नादिन्यै नमः
24. ॐ जन्मोदिन्यै नमः
25. ॐ सत्यप्रत्ययिन्यै नमः
26. ॐ स्वप्रकाशात्मरूपिण्यै नमः
27. ॐ त्रिपुरायै नमः
28. ॐ भैरव्यै नमः
29. ॐ विद्यायै नमः
30. ॐ हंसायै नमः
31. ॐ वागीश्वर्यै नमः
32. ॐ शिवायै नमः
33. ॐ वाग्देव्यै नमः
34. ॐ महारात्र्यै नमः
35. ॐ कालरात्र्यै नमः
36. ॐ त्रिलोचनायै नमः
37. ॐ भद्रकाल्यै नमः
38. ॐ कराल्यै नमः
39. ॐ महाकाल्यै नमः
40. ॐ तिलोत्तमायै नमः
41. ॐ काल्यै नमः
42. ॐ करालवक्त्रान्तायै नमः
43. ॐ कामाक्ष्यै नमः
44. ॐ कामदायै नमः
45. ॐ शुभायै नमः
46. ॐ चण्डिकायै नमः
47. ॐ चण्डरुपेशायै नमः
48. ॐ चामुण्डायै नमः
49. ॐ चक्रधारिण्यै नमः
50. ॐ त्रैलोक्यजनन्यै नमः
51. ॐ देव्यै नमः
52. ॐ त्रैलोक्यविजयोत्तमायै नमः
53. ॐ सिद्धलक्ष्म्यै नमः
54. ॐ क्रियालक्ष्म्यै नमः
55. ॐ मोक्षलक्ष्म्यै नमः
56. ॐ प्रसादिन्यै नमः
57. ॐ उमायै नमः
58. ॐ भगवत्यै नमः
59. ॐ दुर्गायै नमः
60. ॐ चान्द्र्यै नमः
61. ॐ दाक्षायण्यै नमः
62. ॐ शिवायै नमः
63. ॐ प्रत्यङ्गिरायै नमः
64. ॐ धरायै नमः
65. ॐ वेलायै नमः
66. ॐ लोकमात्रे नमः
67. ॐ हरिप्रियायै नमः
68. ॐ पार्वत्यै नमः
69. ॐ परमायै नमः
70. ॐ देव्यै नमः
71. ॐ ब्रह्मविद्याप्रदायिन्यै नमः
72. ॐ अरूपायै नमः
73. ॐ बहुरूपायै नमः
74. ॐ विरूपायै नमः
75. ॐ विश्वरूपिण्यै नमः
76. ॐ पञ्चभूतात्मिकायै नमः
77. ॐ वाण्यै नमः
78. ॐ पञ्चभूतात्मिकायै
79. ॐ परायै नमः
80. ॐ कालिम्नयै नमः
81. ॐ पञ्चिकायै नमः
82. ॐ वाग्म्यै नमः
83. ॐ हविषे नमः
84. ॐ प्रत्यधिदेवतायै नमः
85. ॐ देवमात्रे नमः
86. ॐ सुरेशानायै नमः
87. ॐ वेदगर्भायै नमः
88. ॐ अम्बिकायै नमः
89. ॐ धृतये नमः
90. ॐ सङ्ख्यायै नमः
91. ॐ जातये नमः
92. ॐ क्रियाशक्त्यै नमः
93. ॐ प्रकृत्यै नमः
94. ॐ मोहिन्यै नमः
95. ॐ मह्यै नमः
96. ॐ यज्ञविद्यायै नमः
97. ॐ महाविद्यायै नमः
98. ॐ गुह्यविद्यायै नमः
99. ॐ विभावर्यै नमः
100. ॐ ज्योतिष्मत्यै नमः
101. ॐ महामात्रे नमः
102. ॐ सर्वमन्त्रफलप्रदायै नमः
103. ॐ दारिद्र्यध्वंसिन्यै नमः
104. ॐ देव्यै नमः
105. ॐ हृदयग्रन्थिभेदिन्यै नमः
106. ॐ सहस्रादित्यसङ्काशायै नमः
107. ॐ चन्द्रिकायै नमः
108. ॐ चन्द्ररूपिण्यै नमः

वर्ष 2025 में भूमि, ऋण मुक्ति और पदोन्नति चाहिए तो देवी ब्रह्मचारिणी की आराधना करें!

वर्ष 2025 में भूमि, ऋण मुक्ति और पदोन्नति चाहिए तो देवी ब्रह्मचारिणी की आराधना करें, क्योंकि.... वर्ष 2025 मंगल का वर्ष है और मंगल की देवी ब्रह्मचारिणी हैं। त्रिपुरा के नौ रूप हैं, जिनकी नवरात्रि में आराधना की जाती है। देवी का द्वितीय स्वरूप- देवी ब्रह्मचारिणी हैं, जिनकी हर शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर पूजा-अर्चना की जाती है. क्योंकि, देवी ब्रह्मचारिणी ने शिवजी के लिए केवल फल-फूल-पत्ते खाकर घोर तपस्या की थी, इसलिए जो श्रद्धालु तपस्या मनोबल बनाए रखना चाहते हैं, वे देवी ब्रह्मचारिणी की आराधना करें।

देवी ब्रह्मचारिणी की पूजा-अर्चना से मंगल ग्रह की अनुकूलता प्राप्त होती है, इसलिए जिनकी कुंडली में मंगल दोष है, जिनकी राशि मेष या वृश्चिक है, उन्हें देवी की आराधना से संपूर्ण सुख की प्राप्ति होती है। भूमि प्राप्ति, मुक्ति, रक्त रोग मुक्ति और पदोन्नति के लिए देवी ब्रह्मचारिणी की पूजा-अर्चना करें। जिन श्रद्धालुओं के रक्त संबंधियों से मतभेद हों वे संकल्प लेकर देवी ब्रह्मचारिणी की आराधना करें, विवाद से राहत मिलेगी। देवी ब्रह्मचारिणी के दाहिने हाथ में जप की माला एवं बाएं हाथ में कमंडल रहता है। पूर्ण करने के लिए संकल्प लेकर हर शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को व्रत करें और देवी ब्रह्मचारिणी की पूजा-अर्चना करें।

वर्ष 2025 धनु राशि के लिए धन लाभ का संदेश लेकर आया है!

जीवन में भाग्य की बड़ी भूमिका है और भाग्य का शुभ परिणाम प्राप्त करने कर्म का सबसे ज्यादा महत्व है। वर्ष 2025 में चार प्रमुख ग्रह- गुरु, शनि, राहु और केतु गोचरवश राशि बदल रहे हैं, जिसके नतीजे में किसी के लिए पूर्वार्ध, तो किसी के लिए उत्तरार्ध अच्छा होगा। गुरु ग्रह मिथुन राशि में 14 मई 2025, कर्क राशि में 18 अक्टूबर तो मिथुन राशि में 5 दिसम्बर 2025 को होंगे, शनि देव मीन राशि में 29 मार्च 2025 को होंगे, राहु का कुम्भ में और केतु का सिंह में गोचर 18 मई 2025 को है।

धनु राशि (भ, ध, फ, ढ, ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढ, भे) वर्ष 2025 में जहां धन लाभ के संकेत हैं, वहीं स्वास्थ्य को लेकर सतर्कता जरूरी है। हालांकि, वर्ष 2025 शुरू होने के समय गुरु का गोचर छठे भाव में है, लिहाजा आर्थिक तनाव रहेगा, लेकिन गुजरते समय के साथ आर्थिक स्थिति मजबूत होती जाएगी। यदि कोई नया कार्य-व्यवसाय करना हैं तो इस वर्ष आपके लिए अच्छी संभावना है, हालांकि.... मार्च में शनि का ढैया शुरू होने से धनु राशि को कुछ परेशानी हो सकती है, लेकिन मई के बाद स्थिति में सुधार होगा, अलबत्ता वर्ष के अंत में आर्थिक मामलों में परेशानी संभव है।

इस वर्ष बुजुर्गों और कार्यों पर धन व्यय करना पड़ सकता है। वैसे धनु राशि के लोग व्यवहार कुशल होते हैं, लेकिन परिवारजनों की ज्यादा अपेक्षाएं आपकी परेशानी का सबक बन सकती है, फिर भी लोगों की शिकवा-शिकायत को दरकिनार करते हुए परिवार पर विशेष ध्यान देंगे। इस वर्ष पारिवारिक संपत्ति के मामले विवाद संभव है, इसलिए बेहतर होगा विभिन्न मुद्दों पर परिवारजनों, रिश्तेदारों से बहस से बचें। इस वर्ष मई माह में राहु-केतु के गोचर के कारण जहां रहस्यमयी सहयोग मिलेंगे, खासकर आर्थिक मामलों में अप्रत्याशित आय हो सकती है, वहीं धर्म-कर्म के मामले में रुचि बढ़ने के साथ ही मान-सम्मान बढ़ेगा। शिक्षा और करियर के मामले में खट्टे-मीठे अनुभव मिलेंगे, लेकिन सोशल मीडिया में आपको लोकप्रियता हासिल होगी. इस वर्ष वैवाहिक जीवन सामान्य रहेगा, तो जिन्हें जीवनसाथी की तलाश है, उन्हें इस वर्ष अपनी पसंद का जीवन साथी मिल सकता है। इस वर्ष जो सबसे ज्यादा ध्यान देने की है, वह सेहत को लेकर है, सेहत के मामले में इस साल विशेष सतर्कता जरूरी है, खानपान पर ध्यान दें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, डॉक्टर की सलाह को नजरअंदाज नहीं करें, किसी पुराने रोग, चोट से मुक्ति मिलेगी, लेकिन किसी रोग से राहत के लिए इस वर्ष ऑपरेशन संभव मिलाकर 2025 खट्टे-मीठे अनुभवों का वर्ष रहेगा, लेकिन जीवनसाथी से धन लाभ के साथ-साथ हर तरह का सहयोग भी मिलेगा।

ज्ञान का प्रकाश आँखों का नहीं बल्कि योग के अनुभव का विषय है

क्या देखने के लिए आँखों की ज़रूरत है?(लन्दन यात्रा में एक सज्जन से भेंट हुई जिन्होंने कहा कि उन्हें आत्मा, परमात्मा, पुरुष और प्रकृति का ज्ञान है और उन्होंने वैदिक विज्ञान के बारे में सब कुछ पढ़ा है। मैंने उनसे पूछा, क्या तुम्हें देखने के लिए आँखों की ज़रूरत है? जवाब मिला नहीं।

मैंने फिर पूछा क्या आप आंखें बंद कर ठीक-ठीक बता सकते हैं कि कौन कहाँ खड़ा है? उत्तर मिला नहीं। यानी तार्किक रूप से उन्हें देखने के लिए आँखों की आवश्यकता है । पर मेरी एक छात्रा आंखें बंद करके भी मुझे ढूंढ सकती है। अर्थात् आँखों के बिना भी देखना संभव है। उस सज्जन का कथन ठीक था किंतु उन्हें इस तथ्य का अनुभव नहीं था ।

जो आपने अनुभव नहीं किया है, आपका लिए उसका कोई अस्तित्व नहीं। इस तरह से आप अपनी यात्रा शुरू करते हैं। अन्यथा, किंवदंती के आधार पर धारणा बनाना केवल अहंकार को पोषित करता है और आपको अज्ञानता/अंधकार में ले जाता है। ईशा उपनिषद के अनुसार, परमात्मा सागर की तरह है, और आत्मा/पुरुष उस सागर में नमक की तरह। जब नमक पानी में घुल जाता है, तो वह परमात्मा बन जाता है, लेकिन वह हमेशा परमात्मा से अलग रहता है । लेकिन यह सारा ज्ञान आपके लिए निरर्थक है, जब तक आपको इसका अनुभव न हो जाए, जब तक आपको देखने के लिए आँखों की ज़रूरत हो...

जब तक आप किताबी नॉलेज को परे नहीं करते, ज्ञान आपसे परे रहेगा । क्योंकि आपका मस्तिष्क 5-6 प्रतिशत दक्षता पर कार्य करता है - आपकी पांच इंद्रियों के लिए पर्याप्त। सारी नॉलेज इन पाँच इंद्रियों तक ही सीमित है। इस नॉलेज को योग के माध्यम से बंद करना है । आयुर्वेद कहता है कि एक समय में केवल एक इंद्रिय सक्रिय होती है। इसलिए आपको अपनी पाँचों इंद्रियों को बंद करना होगा। इसका अर्थ यह नहीं कि दिमाग़ बंद करके बिना किसी प्रश्न किए चलते जायें - आपको हमेशा प्रश्न करना चाहिए और उत्तर प्राप्त करने चाहिए - नॉलेज से नहीं, अनुभव से। क्योंकि नॉलेज केवल अहंकार को पोषित करता है, और अहंकार आध्यात्मिक विकास के विपरीत आनुपातिक है। उन सज्जन को मेरी बात पसंद नहीं आई, वे मुड़े और विपरीत दिशा में चल पड़े। जब आप 5-6 प्रतिशत दिमाग़ पर आधारित इंद्रियों बंद करते हैं, तो मस्तिष्क के उच्च केंद्र जागृत होते हैं। फिर गुरु आपके अंदर एक विशिष्ट शक्ति को जागृत करते हैं, जो आपको ज्ञान की ओर ले जाती है । ज्ञान की रोशनी में आपको देखने के लिए आँखों की ज़रूरत नहीं। ध्यान फाउंडेशन ने आई.एम.ए के डॉक्टरों के समक्ष क्लेयरवॉयंस की सिद्धि के रूप इस तथ्य का जीवंत प्रमाण दिया। योग में मार्ग को देखना-समझना नहीं होता, उस पर चलना होता है। जब आप चलेंगे तो दृश्य बदलेंगे और उस ऊर्जा के दर्शन भी होंगे (वास्तविक दर्शन, न की बौद्धिक)।

– अश्विनी गुरुजी
ध्यान आश्रम

कल से सोने की तरह चमकेगी इन राशियों की किस्मत, धन-संपत्ति में होगी बढ़ोतरी

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, जनवरी का महीना कई राशि के जातकों के लिए बेहद शुभ रहने वाला है। इस महीने कई ग्रह राशि एवं नक्षत्र परिवर्तन करेंगे। इस माह के पहले सप्ताह में सुखों के कारक शुक्र देव नक्षत्र परिवर्तन करेंगे। वर्तमान समय में शुक्र देव धनिष्ठा नक्षत्र में विराजमान हैं। वहीं, 04 जनवरी को शुक्र देव नक्षत्र परिवर्तन करेंगे। इससे कई राशि के जातकों को लाभ प्राप्त होगा। इनमें दो राशि के जातकों को सर्वाधिक लाभ होगा।

शुक्र ग्रह नक्षत्र परिवर्तन

वर्तमान समय में सुखों के कारक शुक्र देव नक्षत्र में उपस्थित हैं। इस नक्षत्र में शुक्र देव 03 जनवरी तक रहेंगे। इसके अगले दिन शुक्र देव प्रातः काल के दौरान शतभिषा नक्षत्र में गोचर करेंगे। शुक्र देव के नक्षत्र परिवर्तन से कई राशि के जातकों को लाभ प्राप्त होगा।

शुक्र ग्रह गोचर 2025

शुक्र देव जनवरी महीने में राशि परिवर्तन करेंगे। शुक्र देव 27 जनवरी तक कुंभ राशि में विराजमान रहेंगे। वहीं, 28 जनवरी को शुक्र देव कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में लंबे समय तक शुक्र देव रहेंगे। इससे मीन राशि के जातकों को सर्वाधिक लाभ होगा।

इन राशियों को लाभ

शुक्र देव के नक्षत्र परिवर्तन करने से कुंभ राशि के जातकों को सर्वाधिक लाभ होगा। इस राशि में शुक्र देव विराजमान हैं। अतः कुंभ राशि के जातकों को सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होगी। इस राशि के स्वामी न्याय के देवता शनिदेव हैं और आराध्य भगवान शिव परिवार के सदस्यों के साथ रिश्ते मधुर होंगे लेकिन किसी एक सदस्य से अनबन हो सकती है।

हालांकि, मां से प्यार और स्नेह मिलेगा। तामसिक चीजों के सेवन से बचें। शारीरिक परेशानी हो सकती है। बिगड़े काम बन सकते हैं। कारोबार में धीरे-धीरे प्रगति दिखेगी। रोजगार में भी स्थिरता भावनाओं में बहकर कोई फैसले न लें।

इसके अलावा, मीन राशि के जातकों को भी लाभ प्राप्त होगा। इस राशि में शुक्र देव उच्च के होते हैं। इसके लिए मीन राशि के जातकों पर शुक्र देव की कृपा बरसती रहती है। आमदनी बढ़ेगी। किसी विशेष कार्य में सफलता मिलेगी। तनाव की समस्या से मुक्ति मिलेगी।

इन परिस्थितियों में कभी न घबराएं, वरना कहलाएंगे कायर, नहीं मिलेगी सफलता

आचार्य चाणक्य ने अपने नीति शास्त्र में जीवन के कई पहलुओं पर बात की है। जहां उन्होंने यह बताया है कि व्यक्ति को सफलता प्राप्ति के लिए क्या काम करने वहां उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया है कि किन बातों से दूर रहने चाहिए। ऐसे में उन्होंने यह भी बताया है कि असल में किस व्यक्ति को कायर मानना चाहिए। चलिए जानते हैं कि इस विषय में आचार्य चाणक्य ने क्या कहा है।

तभी होगी लक्ष्यों की

हर व्यक्ति को जीवन में कभी-न-कभी संघर्षों का भी सामना करना पड़ता है। इसपर चाणक्य कहते हैं कि जीवन में कभी संघर्ष आने पर व्यक्ति को घबराना नहीं चाहिए। संघर्ष ही व्यक्ति को अंदर से मजबूत बनाते हैं और जीवन में आगे बढ़ने का रास्ता दिखाते हैं। ऐसे में व्यक्ति लाइफ में आई परेशानियों से घबरा जाता है वह कभी उन्नति नहीं कर सकता। इसलिए हर परिस्थिति का डटकर सामना करें, तभी आप अपने लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं।

ऐसे लोगों की नहीं होती तरक्की

परिवर्तन जीवन का नियम है। इस विषय पर आचार्य चाणक्य कहते हैं जो इंसान जीवन में

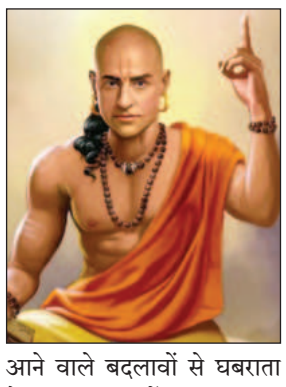

आने वाले बदलावों से घबराता है, वह जीवन में कभी अपनी मंजिल को हासिल नहीं कर सकता। बदलाव से घबराने वाले लोग हमेशा परेशान बने रहते हैं और वह जीवन में आए परिवर्तन को स्वीकार नहीं कर पाते। इसी कारण से वह जीवन में भी नहीं बढ़ते। इसलिए अगर आप जीवन में तरक्की करना चाहते हैं, तो इसके लिए लाइफ में आए बदलावों को एक्सेप्ट करें।

कोई नहीं रोक पाएगा सफलता

मेहनत से घबराने वाले व्यक्ति को भी जीवन में कुछ नहीं मिलता। बिना कर्म किए कुछ भी हासिल नहीं किया जा सकता। इसलिए से कभी मुंह न मोड़ें और अच्छे कर्म करते हुए अपने पथ पर आगे बढ़ते रहें। अगर आप जीवन में इन बातों का ध्यान रखते हैं, तो आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता।

पीएम मोदी से मिले दिलजीत दोसांझ

किन मुद्दों पर हुई बात सिंगर ने बताया

पंजाबी सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच बातचीत हुई और सिंगर ने प्रधानमंत्री मोदी को तोहफा भी दिया। दिलजीत दोसांझ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पीएम मोदी के साथ हुई मुलाकात की कई तस्वीरें भी शेयर की, जिसमें वह पीएम मोदी को फूलों का गुलदस्ता भेंट करते दिखाई दे रहे हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री उनका करते हुए सत श्री अकाल भी बोलते हैं।दिलजीत ने फोटो शेयर करते हुए लिखा, 2025 की शानदार शुरुआत! प्रधानमंत्री नरेंद्र के साथ एक बहुत ही यादगार मुलाकात। हमने संगीत सहित कई चीजों पर बात की। पीएम मोदी ने पंजाबी सुपरस्टार के साथ अपनी मुलाकात की रिशेयर किया। उन्होंने दिलजीत दोसांझ के साथ शानदार बातचीत! वह वाकई बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं, उनमें प्रतिभा और परंपरा का मिश्रण है। हम संगीत, संस्कृति और अन्य चीजों से जुड़े हुए हैं। वीडियो में प्रधानमंत्री दिलजीत की तारीफ करते हुए कहते हैं, जब गांव का कोई भारतीय युवा दुनिया में मशहूर है तो अच्छा लगता है।

दिलजीत हाथ जोड़कर प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ का जवाब देते हैं। पीएम मोदी ने आगे कहा, आपके परिवार ने आपका नाम दिलजीत रखा है और आप बस लोगों का दिल जीतते जा रहे हैं। इस पर दिलजीत ने कहा, मैं पढ़ता था कि भारत है और जब मैं पूरे देश में घूमा, तभी मुझे एहसास हुआ कि यह देश महान क्यों है। उनके शब्दों पर प्रधानमंत्री मोदी मुस्कुराए और उन्होंने कहा, भारत की विशालता वास्तव में एक ताकत है।

म एक जीवंत समाज हैं। वीडियो में दिलजीत को योग के बारे में भी जा सकता है, जिस पर पीएम मोदी कहते हैं, जिसने योग का अनुभव किया है, वह वास्तव में इसकी शक्ति से अवगत है। पंजाबी सुपरस्टार ने उन पलों को भी याद किया, जब पीएम मोदी ने गंगा नदी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी थी और मां-बेटे के रिश्ते का संदर्भ हुए कहा था कि वह इससे अभिभूत हैं। उन्होंने गुरु नानक का भावपूर्ण उल्लेख करते हुए पंजाबी में कुछ पंक्तियां भी गाईं, जिस पर प्रधानमंत्री ने मेज भी थपथपाई।

हेमा मालिनी ने नवी मुंबई के इस्कॉन मंदिर की तस्वीरें साझा कर कहा, कुछ खूबसूरत होने वाला है

हिन्दी फिल्मों की दिग्गज अभिनेत्री और लोकसभा सीट से भाजपा सांसद हेमा मालिनी हाल ही में नवी मुंबई के खारघर इलाके में स्थित इस्कॉन मंदिर गईं। गुरुवार को हेमा मालिनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम से इस्कॉन मंदिर परिसर से अपनी कुछ तस्वीरें साझा की। उन्होंने एक लंबा नोट भी लिखा और बताया कि मंदिर उद्घाटन 15 जनवरी, 2025 को होगा।

उन्होंने लिखा, नवी मुंबई के खारघर में कुछ खूबसूरत होने वाला है। यह मेरे दिल के बहुत करीब है। इस्कॉन ने एक बेहद खूबसूरत मंदिर बनाया है, जहां मुख्य देवता राधा मदनमोहन हैं। उन्होंने आगे बताया, यह सब सूरदास प्रभु जी और इतने भक्तों और कारीगरों की अथक मेहनत का नतीजा है, जिन्होंने इस मंदिर को हकीकत बनाने के लिए 10 साल तक कड़ी मेहनत की है। मैं नए साल के दिन खारघर में प्रणाम करने गई और मुझे बहुत संतुष्टि महसूस हुई। मंदिर का उद्घाटन 15 जनवरी, 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र द्वारा किया जाएगा। इससे पहले हेमा मालिनी ने स्वच्छता अभियान के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक रैली में हिस्सा लिया था। सोमवार को अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर रैली की कई तस्वीरें शेयर की।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, वृंदावन के परिक्रमा मार्ग पर, स्वच्छता अभियान के महत्व बारे में जन जागरूकता पैदा करने के लिए महापौर विनोद अग्रवाल और नगर आयुक्त शशांक चौधरी द्वारा आयोजित रैली में 200 बच्चों ने भाग लिया। हेमा मालिनी ने लगातार तीसरी बार मथुरा लोकसभा सीट से चुनाव जीता है। इससे पहले 2019 के लोकसभा चुनावों में अभिनेत्री ने आसानी से हासिल की थी।अभिनेत्री ने वेम्पति चिन्ना सत्यम के साथ कुचिपुड़ी और कलामंडलम गुरु गोपालकृष्णन के साथ मोहिनीअट्टम का अध्ययन किया। उन्होंने तुलसीदास के 'रामचरितमानस' में नरसिंह और राम सहित कई नृत्य भूमिकाएं निभाई हैं।

दिग्गज अभिनेत्री को 2000 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया था, जो भारत द्वारा दिया जाने वाला चौथा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान है।

अभिनेत्री जरीना वहाब ने कमल हासन के साथ अपनी पहली मलयालम फिल्म की शूटिंग का अनुभव किया साझा

अभिनेत्री जरीना वहाब ने अपनी मलयालम डेब्यू फिल्म 'मदनोत्सव' की शूटिंग के दौरान एक घटना को याद किया, जब वह मुश्किल में फंस गई थीं। हाल ही में सामने आए एक वीडियो में अभिनेत्री मलयालम भाषा में काम करने की चुनौतियों के बारे में बात करती नजर आ रही हैं। वीडियो में वह कह रही हैं कि मलयालम सिनेमा में 29 फिल्मों में काम करने के बाद भी वह मलयालम से परिचित नहीं हैं।

अभिनेत्री ने कहा, मुझे अभी भी मलयालम नहीं आती, हालांकि मैंने 29 फिल्मों में काम किया है। मेरी पहली फिल्म कमल हासन के साथ थी। इसलिए हम कमरे में चले गए, वे मुझे पैसे दे रहे थे।

मैं जल्द से जल्द पैसे चाहती थी, क्योंकि एक अच्छा फ्लैट खरीदना चाहती थी। इसलिए उन्होंने मुझे सारे पैसे दे दिए। मैं बहुत खुश थी क्योंकि मैं घर के लिए कुछ पैसे दे पाई थी। लेकिन, जब मैं वहां पहुंची, तो डायलॉग्स थे और मैं सोच रही थी, 'ये डायलॉग्स क्या हैं? मुझे एक भी शब्द समझ नहीं आया, मैं रोने लगी, मैं फंस गई थी। मैं पैसों के साथ फंस गई थी। मैंने सोचा, 'मैं किसी तरह पैसे वापस कर दूंगी', लेकिन मैं वापस जाना चाहती थी।

उन्होंने कहा, मैंने कमरे से बाहर आने से इनकार कर दिया तो कमल मेरे पास आए और उन्होंने 'क्या हुआ?' मैंने कहा, 'कमल, मुझे बहुत अफसोस है कि मैं काम नहीं कर सकती, मैं वापस जाना चाहती हूं।' फिर उन्होंने कहा, 'अब जब तुम आ गई हो तो एक दिन काम करो। हम सब मदद करेंगे। तुम कटर पर अपनी लाइनें लिख सकती हो। हम तुम्हारी मदद बस सही लिप मूवमेंट और एक्सप्रेशन देना। हम डब करेंगे।' रोते हुए मैंने पहला शॉट दिया। उन्होंने मेरी मदद की, मुझे प्रेरित किया। मैंने कहा, 'बुरा नहीं है'। फिर एक रोमांटिक सीन था, मैंने कमल को पकड़ लिया और मैंने कमल के हाथ पर लाइनें लिखीं। मैं उनके हाथ देख रही थी और मैंने कहा, 'अब मैं एक रूसी फिल्म भी कर सकती हूं अगर कोई डब कर दे।

करण जौहर का सबसे बड़ा जुनून क्या है, किया खुलासा

बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्माताओं में से एक होने के अलावा, करण जौहर सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय हैं। उन्होंने खुलासा कि वह किस चीज को अपना सबसे बड़ा जुनून मानते हैं।करण जौहर ने हाल ही में इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में खुलासा किया कि वह किस चीज को अपना सबसे बड़ा जुनून मानते हैं। करण ने ब्लैक स्वेटशर्ट में एक स्टाइलिश फोटो शेयर की, जिस पर हिंदी में लिखा हुआ है।फिल्म निर्माता ने पोस्ट के साथ लिखा, फिल्में... जिसके लिए हम जीते और मरते हैं। यह कोई हैरानी की बात नहीं होनी चाहिए, क्योंकि करण जौहर ने अपना पूरा जीवन फिल्में बनाने के लिए समर्पित कर दिया है, और आज भी वह इसी दिशा में काम कर रहे हैं।

करण जौहर के अगले प्रोजेक्ट के बारे में बात करें तो, उन्होंने हाल ही में कार्तिक आर्यन के साथ एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के लिए हाथ मिलाया है। यह फिल्म कार्तिक आर्यन और करण जौहर की पहली साझेदारी होगी।

विद्वांस इस फिल्म का निर्देशन करेंगे। यह फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के लिए प्रचार को बढ़ाते हुए, फिल्म निर्माता ने इसका टीजर पहले ही जारी कर दिया है।टीजर में कार्तिक आर्यन की आवाज है, जो अपने के बारे में बात कर रहा है। कार्तिक आर्यन को कहते सुना जा सकता है कि मुझसे बिछड़ने का फोमो (फियर ऑफ मिसिंग आउट/ किसी चीज़ से चूक जाने का डर) मैं उसे होने नहीं दूंगा। मम्मी कसम खाई है मैंने और मम्मी की खाई हुई कसम ये लड़का करके ही रहता है।करण जौहर ने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर टीजर जारी करते हुए कैप्शन दिया था, करण जौहर ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, 'रोमांस में लिपटी...आपके लिए क्रिसमस गिफ्ट लेकर आए हैं। 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में कार्तिक आर्यन। साल 2026 में रिलीज इसे समीर विद्वांस डायरेक्ट करेंगे।

2025 मेरे लिए प्रेरणादायक और फलदायी होगा : सीरत कपूर

जैसे ही नया साल शुरू हुआ, अभिनेत्री सीरत कपूर ने पिछले साल पर विचार करते हुए अपनी आगामी योजनाओं को साझा किया। अपनी प्रतिभा, दृढ़ता और गरिमा के लिए जानी जाने वाली सीरत ने 2024 में अनुभवों और अवसरों के लिए गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। हालांकि, वह अपनी उपलब्धियों पर रुकने वाली नहीं हैं। बहुमुखी अभिनेत्री ने 2025 को और भी प्रभावशाली बनाने के लिए समग्र विकास-शारीरिक और मानसिक दोनों-पर ध्यान केंद्रित करने का निश्चय किया है। उन्होंने अपने समर्थन सबसे बड़ा स्रोत माना है। 2025 की अपनी दृष्टि पर बोलते हुए, सीरत कहती हैं, 2025 मेरे लिए और भी प्रेरणादायक और फलदायी होगा। इस साल मेरा ध्यान स्पष्ट है-मैं और कड़ी मेहनत करना चाहती हूं, निरंतर विकास करना चाहती हूं और अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता चाहती हूं। अपने पेशेवर लक्ष्यों और व्यक्तिगत कल्याण के बीच संतुलन बनाए रखना मेरे लिए महत्वपूर्ण है और मैं आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार हूं।सीरत कपूर 2025 में एक नई सोच और ट्रांसफॉर्मेटिव दृष्टिकोण के साथ कदम रख रही हैं। अभिनेत्री ने अपने करियर को नई ऊंचाइयों तक जाने की योजना बनाई है। स्व-देखभाल उनके लिए अनिवार्य है। 2024 सीरत के लिए व्यस्त और चुनौतीपूर्ण वर्ष रहा, जिसमें उन्होंने ऐसे प्रोजेक्ट्स किए जो न केवल एक कलाकार के रूप में उनकी क्षमताओं को परखा, बल्कि उनके प्रशंसकों के साथ उनके जुड़ाव को और भी मजबूत किया। जैसे वह आने वाले साल के लिए अपनी योजनाओं को आकार देती हैं, सीरत भविष्य के अफसरों के प्रति आशान्वित हैं। वह मेहनत करने, नए प्रतिमानों को तोड़ने और एक व्यक्ति और कलाकार के रूप में निरंतर विकसित होने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। अपने दिल से लिखे गए संदेश समाप्त करते हुए, सीरत अपने प्रशंसकों और शुभचिंतकों के लिए शुभकामनाएं देते हैं। आप सभी को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान आपको और आपके प्रियजनों को खुशियों और अच्छे स्वास्थ्य से आशीर्वाद दें। आइए, 2025 को एक यादगार वर्ष बनाएं! अपनी जमीन से जुड़ी सोच और अटूट प्रतिबद्धता साथ, सीरत कपूर नए साल को जीतने और दूसरों को प्रेरित करने के लिए तैयार हैं।

सिंगर अरमान मलिक और आशना श्रॉफ ने रचाई शादी

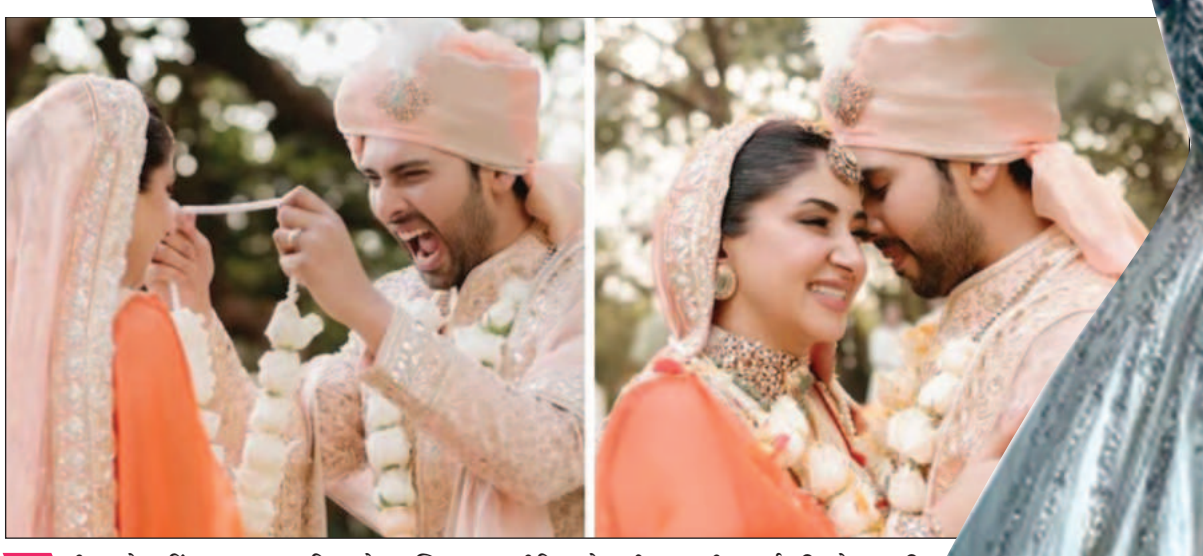

बॉलीवुड के सिंगर अरमान मलिक ने आखिरकार अपनी गर्लफ्रेंड आशना श्रॉफ से शादी कर ली। अरमान मलिक और आशना ने गुरुवार को अपने-अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शादी की तस्वीरें शेयर की।

अरमान और आशना की सगाई अगस्त 2023 में हुई थी। शादी की तस्वीरें शेयर कर दोनों ने कैप्शन में लिखा, ही मेरा घर।कपल तस्वीरों में बेहद ही खूबसूरत लग रहा है। आशना ने ऑरेंज शेड की लहंगा चुनरी पहन रखी है। दोनों तस्वीरों में बेहद खुश दिखाई दे रहे हैं। अरमान भी दूल्हे के परिधान में हैंडसम लग रहे हैं।

बताया जा रहा है कि अरमान और आशना शादी में करीबी परिवार और दोस्त शामिल हुए।

उनकी तस्वीरों को फैंस और फॉलोअर्स काफी पसंद कर रहे हैं और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। अरमान के पापा डब्बू मलिक ने भी अपना हार्ट शेप इमोजी के जरिए प्यार बरसाया है।

एक्ट्रेस प्रनूतन ने इमोजी के जरिए दी तो सोफी चौधरी अवाक रह गईं। उन्होंने लिखा, ओह माय गुडनेस! आप दोनों को बधाई। आहना कुमरा ने लिखा, बधाई हो। वहीं वरुण धवन ने भी पोस्ट को पसंद किया।

अरमान और आशना ने अगस्त 2023 में सोशल मीडिया के जरिए अपनी सगाई की घोषणा की थी। तब ने रोमांटिक तस्वीरों की एक सीरीज पोस्ट की थी।एक फोटो में वह हाथ में अंगूठी लिए घुटने पर बैठे नजर आ रहे थे। दूसरी तस्वीरों में जोड़े ने एक साथ शानदार पोज दिया था। अरमान ने पोस्ट को कैप्शन दिया, और हमारा हमेशा का साथ अब शुरू हुआ

अरमान मलिक के करियर की बात करें तो वह अपने हिट गानों जैसे वजह तुम हो, बोल दो ना जरा और बुट्टा बोम्मा के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने हाल ही में अमेरिकी गायक एड शीरन संग ब्रिटिश गायक के गाने 2 स्टेप के नए वर्जन पर काम किया। अरमान को एक गायक, गीतकार, वॉयस-ओवर आर्टिस्ट, कलाकार और अभिनेता के रूप में उनके काम के लिए जाना जाता है। दूसरी ओर आशना श्रॉफ एक मशहूर भारतीय फैशन और ब्यूटी ब्लॉगर हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने सामाजिक जीवन को दरकिनार न करें। अपनी व्यस्त दिनचर्या में से थोड़ा–सा समय निकालकर अपने परिवार के साथ किसी आयोजन में शिरकत करें। यह न सिर्फ़ आपका दबाव कम करेगा, बल्कि आपकी झिझक भी मिटा देगा। मुमकिन है कि आपके आँसुओं को पोंछने के लिए कोई ख़ास दोस्त आगे आए। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की मदद के बिना महत्वपूर्ण कामों को कर सकते हैं, तो आपकी सोच काफ़ी ग़लत है। हवन पूजा आदि का आयोजन घर मे होगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप मानें या न मानें, आपके आस–पास को बड़े ग़ौर से आपको देख रहा है और आपको एक आदर्श मानता है। इसलिए ऐसे काम करें, जो क़ाबिले–तारीफ़ हों और आपकी प्रतिष्ठा को बढ़ाएँ। अपने प्रेम–प्रसंग के बारे में इधर–उधर ज़्यादा बातें न करें। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकाग्रता बनाए रखने की ज़रूरत है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। अगर आप जीवनसाथी के अलावा किसी और को अपने ऊपर असर डालने का मौक़ा दे रहे हैं, तो जीवनसाथी की ओर से आपको नकारात्मक प्रतिक्रिया मिलना संभव है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। अपने घर के वातावरण में कुछ बदलाव करने से पहले आपको सभी की राय जानने की कोशिश करनी चाहिए। नये रोमांस की संभावना प्रबल है, कार्यक्षेत्र में आज आप अपने काम में प्रगति देखेंगे। दिन अच्छा है दूसरों के साथ–साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे। अपने जीवनसाथी के साथ आप प्यार भरे पुराने दिन एक बार फिर जी पाएंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें। यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है। ख़ुशी के लिए नए संबंध की प्रतीक्षा करें। आपके साझीदार आपकी नई योजनाओं और विचारों का समर्थन करेंगे। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। आपका जीवनसाथी किसी फ़रिश्ते की तरह आपका बहुत ध्यान रखेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज निवेश के जो नए अवसर आपकी ओर आएँ, उनपर विचार करें। लेकिन धन तभी लगाएँ जब आप उन योजनाओं का भली–भांति अध्ययन कर लें। रिश्तेदारों के यहाँ जाना उससे काफ़ी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं। आपका संगी आपका भला सोचता है इसलिए कई बार आप पर गुस्सा भी कर बैठता है, उनके गुस्से पर नाराज होने से बेहतर यह होगा कि आप उनकी बातों को समझें। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। किसी ख़ूबसूरत याद के कारण आपके और आपके जीवनसाथी के बीच की अनबन रुक सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अध्यात्म की सहायता लेने का सही समय है, क्योंकि मानसिक तनाव को मार भगाने के लिए यह सबसे बेहतरीन विकल्प है। ध्यान और योग आपकी मानसिक मज़बूती को बढ़ाने में कारगर रहेंगे। वे निवेश–योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें– कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें। संयम और साहस का दामन थामे रखें। ख़ास तौर पर तब जब दूसरे आपका विरोध करें, जिसकी कामकाज के दौरान संभावना है। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आर्थिक जीवन की स्थिति आज अच्छी नहीं कही जा सकती आज आपको आपको बचत करने में मुश्किलें आ सकती हैं। सैर–सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। आप अपने मातहतों से नाख़ुश हो सकते हैं, क्योंकि वे उम्मीद के मुताबिक़ काम नहीं कर रहे हैं। इस राशि वालों को आज के दिन अपने लिए समय निकालने की शख्त जरुरत है अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपको मानसिक परेशानियां हो सकती हैं। आप और आपका जीवनसाथी मिलकर वैवाहिक जीवन की बेहतरीन यादें रचेंग

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

मौज–मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। समय और धन की कद्र आपको करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक्त परेशानियों भरा रह सकता है। अगर आप अपने साथी के नज़रिए को नज़रअंदाज़ करेंगे, तो वह अपना आपा खो सकता/सकती है। जो आपकी सफलता के आड़े आ रहे थे, वे आपकी आँखों के सामने ही नीचे को खिसकेंगे। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई–बहनों के साथ घर पर कोई मूवी या मैच देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा। लेकिन जीवनसाथी की ओर से इससे निबटने में काफ़ी मदद मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

यात्रा आपको थकान और तनाव देगी– लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। नवजात शिशु की ख़राब तबियत परेशानी का सबब बन सकती है। इस ओर तुरंत ध्यान देने की ज़रूरत है। डॉक्टर से भली–भांति सलाह लें, क्योंकि ज़रा–सी लापरवाही बीमारी को बद से बदतर बना सकती है। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। अपनी विशेषज्ञता का इस्तेमाल पेशेवर मामलों को सहजता से सुलझाने में करें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी–दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपमें आज चुस्ती–फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुक्सान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते। शादीशुदा ज़िन्दगी के मोर्चे पर हालात वाक़ई थोड़े मुश्किल रहे हैं, लेकिन अब आप सुधरते हालात महसूस कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी। थोड़ी कोशिश और करें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। आंतरिक गुण जहाँ आपको संतोष देंगे, वहीं सकारात्मक सोच क़ामयाबी देगी। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 03 जनवरी 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पोष , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी रात्रि 11:41 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा रात्रि 10:22 तक
योग : वज्र दोपहर 12:36 तक
करण : वणिज दोपहर 12:27 तक
चन्द्रराशि : मकर प्रातः 10:48 तक
सूर्योदय : 06:46 , सूर्यास्त 05:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:42 , सूर्यास्त 06:05 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:36 , सूर्यास्त 05:57 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:36 , सूर्यास्त 05:47 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : विनायक चतुर्थी व्रत , भद्रा दोपहर 12:26 से रात्रि 11:40 , धनुर्मास चालू है , पंचक आरंभ प्रातः 10:48 से

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

युवा विकसित भारत के संकल्प पूरा करने में अपनी भागीदारी निभाएं : बागडे

जयपुर,02 जनवरी (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने युवाओं का आह्वान किया कि वे राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में स्वरोजगार और आत्मनिर्भर भारत से जुड़कर 'विकसित भारत' के संकल्प को पूरा करने में अपनी भागीदारी निभाएं। बागडे ने गुरुवार को महाराष्ट्र के लातूर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 59 वें देवगिरी राज्य सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए कहा कि देश की जीडीपी में लगभग 34 प्रतिशत योगदान युवाओं का है। एबीवीपी 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ राष्ट्र के विकास में विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं को जोड़ने की पहल करे। उन्होंने इस के जरिए गांव और शहर का भेद मिटाते हुए देश के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य करने पर जोर दिया।

राज्यपाल ने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबके प्रयास' से भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने के लिए सब मिलकर कार्य करें। कहा कि जब युवा अपने विचारों और ऊर्जा का योगदान राष्ट्र की समृद्धि में करेगा तो निश्चित ही अच्छे परिणाम सामने आएंगे। बागडे ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक जड़ों को खोखला करने के लिए मैकाले द्वारा देश की शिक्षा पद्धति को बदला गया। होना तो यह चाहिए था देश में 15 अगस्त, 1947 को जिस तरह से झंडा बदला गया था वैसा ही शिक्षा व्यवस्था में भी बदलाव होना चाहिए था, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। इसलिए हम आज भी इसका परिणाम भुगत रहे हैं। उन्होंने कहा कि 1986 में जो शिक्षा नीति बनी, उसके 34 बाद 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का निर्माण ऐतिहासिक पहल है। इसमें भारतीयता को सर्वोच्च महत्व दिया गया। यह नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखकर तैयार की गयी है। यह स्वरोजगार को बढ़ावा देने वाली है।

राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परम्परा के आधुनिक सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकियों का उपयोग कर इसे तैयार करने की चर्चा करते हुए कहा कि युवाओं को राष्ट्र विकास के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के इतिहास की चर्चा करते हुए कहा कि इस संगठन की बलराज मधोक जी की पहल इसलिए स्थापना हुई कि इससे राष्ट्रोत्थान के लिए कार्य किया जा सके। उन्होंने देवगिरी राज्य सम्मेलन को महत्वपूर्ण बताया।

भजनलाल ने राजस्थान की कृषि उपज मंडियों में विकास कार्यों को दी मंजूरी

जयपुर,02 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषकों के कल्याण एवं कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। अन्नदाता किसानों की आय बढ़ाने और उनका जीवन खुशहाल बनाने के लिए सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए हैं। सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र बुनियादी ढ़ाचे को मजबूत बनाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री शर्मा ने वित्तीय वर्ष 2024–25 की राज्य बजट घोषणा की अनुपालना में प्रदेश की विभिन्न कृषि उपज मंडियों में 27 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की मंजूरी दी है।

इन में कृषि उपज मंडी समिति (अनाज) बीकानेर में 3.08 करोड़ रुपये एवं कृषि उपज मंडी समिति (विशिष्ट श्रेणी) अलवर में 5.40 करोड़ रुपये के नवीन निर्माण कार्य, कृषि उपज मंडी समिति (फल एवं सब्जी) जयपुर के जमवारामगढ़ सब यार्ड में 9.02 करोड़ रुपये के नवीन निर्माण एवं विद्युत कार्य कृषि उपज मंडी समिति (विशिष्ट श्रेणी) बारां में 9.49 करोड़ रुपये के नवीन निर्माण, विद्युत व ऑयल टेस्टिंग मशीन के कार्य शामिल हैं। राज्य सरकार के इस निर्णय से प्रदेश में कृषि आधारभूत ढांचे को मजबूती मिलेगी।

राज्य सरकार डीग–कुम्हेर–भरतपुर क्षेत्र में पर्यटन विकास के लिए प्रतिबद्ध

जयपुर,02 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्वी राजस्थान के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व वाले डीग–कुम्हेर–भरतपुर क्षेत्र पर्यटन विकास हेतु 250 करोड़ रुपये की परियोजना को स्वदेश दर्शन योजना 2.0 में शामिल करने के संबंध में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को पत्र लिखा है।शर्मा ने बताया कि डीग–कुम्हेर–भरतपुर बृज संस्कृति का लोकप्रिय क्षेत्र है। यहां के किले, महल, जल–कुण्ड, स्मारक एवं आदि का एकीकृत पर्यटन सर्किट विकसित किये जाने से बृज लोककला व संस्कृति का संरक्षण होगा। इससे पूर्वी राजस्थान के पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा एवं स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।

सभी मिलकर स्वस्थ और खुशहाल राजस्थान के निर्माण में दें योगदान

जयपुर,02 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नववर्ष 2025 की शुरुआत सकारात्मकता और स्वास्थ्य के संकल्प के साथ की। उन्होंने वर्ष की शुरुआत अपनी टीम के साथ योग सत्र से की। शर्मा ने कहा कि योग एक अभ्यास होने के साथ–साथ स्वस्थ और खुशहाल जीवन की ओर पहला है। योगाभ्यास से मिली ऊर्जा से हम सब मिलकर राजस्थान के उत्थान के लिए समर्पित होकर कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि नए साल में सभी मिलकर स्वस्थ और खुशहाल राजस्थान के निर्माण में योगदान दें।

जयपुर के नाहरगढ़ जैविक उद्यान ने वन्यजीवों को ठंड से बचाने के लिए उठाए कदम

जयपुर, 02 जनवरी (एजेंसियां)। नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में वन्यजीवों को ठंड से बचाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं, बाड़ों में हीटर लगाए गए हैं और वन्यजीवों को ठंड से बचाने के लिए उनके खान–पान में भी बदलाव किया गया है। वरिष्ठ वन्यजीव चिकित्सक डॉ. अरविंद माथुर ने यह जानकारी दी। माथुर ने बताया कि वन्यजीवों के बाड़ों में हीटर लगाए गए हैं और ठंडी हवा को अंदर आने से रोकने के लिए बाहर की तरफ पर्दे लगाए गए हैं। साथ ही वन्यजीवों के खान–पान में भी बदलाव किया गया है।नाहरगढ़ जैविक उद्यान के वरिष्ठ वन्यजीव चिकित्सक डॉ. अरविंद माथुर ने एएनआई से बात करते हुए कहा, इस सर्दी के मौसम में एहतियात के तौर पर जानवरों को कुछ दवाइयां भी दी जा रही हैं ताकि उनके शरीर का तापमान बना रहे और डिहाइड्रेशन न हो।

डॉ. माथुर ने कहा, मगरमच्छ, कछुए और घड़ियाल जैसी सरीसृप प्रजातियों का भोजन कम कर दिया गया है क्योंकि सर्दियों में इस वन्यजीव का मेटाबॉलिज्म पाचन क्षमता को कम कर देता है। सभी वन्यजीवों को दिन में एक–एक करके बाहर छोड़ा जाएगा, ताकि उन्हें सूरज की गर्मी मिल सके। नाहरगढ़ जैविक उद्यान में बाघ, शेर, पैंथर और भैंसों को उनके आहार में चिकन मीट दिया जा रहा है। साथ ही, दो उबले अंडे शामिल किए गए हैं और चिकन की मात्रा बढ़ा दी गई है। भालुओं को शहद, गर्म दूध, गुड़ और खजूर दिए जा रहे हैं, साथ ही शहद की मात्रा भी बढ़ाई गई है। शाकाहारी वन्यजीवों के लिए दालों की मात्रा बढ़ा दी गई है और गाजर और गुड़ को उनके आहार में शामिल किया गया है, माथुर ने कहा। चूंकि सर्दी आ रही है, इसलिए वन विभाग वन्यजीवों को स्वस्थ रहने में मदद करने के लिए विटामिन, खनिज और दवाइयाँ दे रहा है। इनमें इम्यून बूस्टर और एंटी–स्ट्रेस उपचार शामिल हैं। इससे यह सुनिश्चित होगा कि भले ही जयपुर में तापमान तेजी से गिर जाए, लेकिन जानवरों के स्वास्थ्य पर असर नहीं पड़ेगा। विभाग ने वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए हैं, माथुर ने कहा।

कृषि विज्ञान केंद्र दौसा का निरीक्षण उन्नति की दिशा में अहम योगदान

दौसा,02 जनवरी (एजेंसियां)। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. एस. आर. ढाका कृषि विज्ञान केंद्र दौसा का हाल ही में दौरा किया। इस दौरान, केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक और अध्यक्ष डॉ. बी. एल. जाट ने केंद्र की विभिन्न गतिविधियों और उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी।

डॉ. ढाका ने केंद्र में स्थापित विभिन्न इकाइयों का निरीक्षण किया, जिनमें वर्षा जल संग्रहण बीज उत्पादन, क्रॉप कैफेटेरिया, पौध नर्सरी, बकरी पालन इकाई, गृह वाटिका, वर्मी कंपोस्ट, एज–ोला और प्राकृतिक खेती शामिल हैं। निरीक्षण के बाद, उन्होंने सुधार के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए और केंद्र की गतिविधियों की सराहना की।उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों का कार्य किसानों को नवीनतम कृषि तकनीकों अवगत कराना और उनकी उन्नति में अहम भूमिका निभाना है। केंद्र को समन्वित कृषि प्रणाली को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान देना चाहिए, ताकि अधिक से अधिक किसान लाभान्वित हो सकें।

माता जीजाबाई सम्मान समारोह खेल क्षेत्र में माताओं की भूमिका का उत्सव : सैनी

चंडीगढ़,02 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज गुरुग्राम में क्रीड़ा भारती की हरियाणा प्रांतीय ईकाई की ओर से पैरालंपिक व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता तथा प्रतिभागी खिलाड़ियों माताओं के सम्मान में आयोजित वीर माता जीजा बाई प्रांत स्तरीय सम्मान समारोह में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने वर्ष 2024 में पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की माताओं को सम्मानित किया।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु की नगरी गुरुग्राम में आयोजित माता जीजा बाई सम्मान समारोह खेल के क्षेत्र में माताओं की भूमिका का उत्सव है। देश–दुनिया में परचम लहराने वाले खिलाड़ियों की माताओं का सम्मान गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि यह समारोह न केवल हमारे खिलाड़ियों के प्रति बल्कि उनकी माताओं के भी कृतज्ञता व्यक्त करने का एक अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि हर बड़ी सफलता के पीछे माँ का हाथ होता है। ऐसी माताओं का सम्मान करना समाज की जिम्मेदारी है। इससे नई पीढ़ी को प्रेरित करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने क्रीड़ा भारती हरियाणा प्रदेश की इकाई को भी इस अनूठी पहल के लिए बधाई दी। साथ ही संस्था को 21 लाख रुपये की सहयोग राशि देने की घोषणा की।

नायब सिंह सैनी ने माताओं के ऐतिहासिक योगदान को याद दिलाते हुए कहा कि माता जीजा बाई, जिनके नाम से समारोह का किया गया है, उन्होंने अपने बेटे छत्रपति शिवाजी महाराज को एक सच्चे योद्धा और नेतृत्वकर्ता के रूप में तैयार किया था। उनकी दूरदृष्टि और परिश्रम से देश को शिवाजी महाराज के रूप में ऐसा महान योद्धा मिला, जिसने उस समय स्वराज की नींव रखी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा खेल क्षेत्र में पूरे देश का गौरव बन चुका है। यहां के खिलाड़ी ओलंपिक, पैरालंपिक, एशियाई और राष्ट्रमंडल स्तर के खेलों में हर जगह अपना परचम लहरा रहे हैं। खिलाड़ी राष्ट्र की धरोहर होता है। हमने इसी सोच के साथ में खिलाड़ियों के लिए स्पोर्ट्स पॉलिसी बनाई है। उत्कृष्ट खिलाड़ियों के लिए रोजगार सुनिश्चित करने के लिए 'हरियाणा उत्कृष्ट खिलाड़ी सेवा नियम 2021' बनाये गए हैं। इसके तहत खेल विभाग में 550 नए पद बनाये गये। इसके अलावा, पदक विजेता 224 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी है। खिलाड़ियों को से क्लास–टू तक के पदों की सीधी भर्ती में आरक्षण का प्रावधान किया गया है। हरियाणा देश का पहला ऐसा राज्य है, जहां पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सबसे अधिक नकद पुरस्कार दिए जाते हैं।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई, रिश्वतखोर सब–इंस्पेक्टर गिरफ्तार

चंडीगढ़,02 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अपने अभियान को आगे बढ़ाते नूंह के आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) के प्रभारी सब–इंस्पेक्टर यशपाल को 1 लाख की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी गुरुग्राम के राजीव चौक पर की गई, जहां यशपाल रिश्वत की रकम लेने पहुंचा था। आरोपी यशपाल पर आरोप है कि उसने थाना सिटी नूंह में दर्ज एफआईआर शिकायतकर्ता और उसके परिवार के सदस्यों को निर्दोष करार देने के एवज में रिश्वत मांगी थी।

शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपी यशपाल पहले ही 8 लाख की रिश्वत ले चुका था। लेकिन लालच की हदें पार करते हुए उसने 1 लाख और शिकायतकर्ता ने बताया कि यशपाल ने धमकी दी कि अगर उसने यह रकम नहीं दी तो उसके परिवार के सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

आरोपी यशपाल की इस हरकत से तंग आकर शिकायतकर्ता ने एंटी करप्शन ब्यूरो गुरुग्राम से संपर्क कर पूरे मामले की दी। ब्यूरो ने शिकायत को प्राथमिकता पर लेते हुए गहन जांच की और ट्रैप प्लान तैयार किया। आरोपी यशपाल को गुरुग्राम के राजीव चौक पर रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया।

हरियाणा में आवारा पशुओं से मिलेगी निजात, सरकार ने उठाए कदम

चंडीगढ़,02 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के पशुपालकों के लिए राहत भरी खबर है। राज्य के पशुपालन एवं मंत्री श्याम सिंह राणा ने आवारा पशुओं की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए ठोस योजना की घोषणा की है। प्री–बजट चर्चा के दौरान मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि इस मुद्दे को प्राथमिकता देते हुए सभी शहरों को आवारा पशुओं से मुक्त करना होगा। उन्होंने इन को गोशालाओं में भेजने और पुनर्वास प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। जियो टैगिंग और नई गोशालाओं का निर्माण

मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि आवारा पशुओं की पहचान और ट्रैकिंग के लिए जियो टैगिंग का इस्तेमाल करें। साथ ही, राज्य में और अधिक गोशालाओं के निर्माण की में तेजी लाई जाए। इस कदम से न केवल मवेशियों की देखभाल में सुधार होगा बल्कि सड़कों पर बढ़ती समस्या का भी समाधान होगा। बैठक में मंत्री ने हरियाणा की स्थानीय नस्लों जैसे हरियाणा गाय और मुर्रा भैंस के संरक्षण और संवर्धन पर जोर उन्होंने अधिकारियों को उन्नत पशु चिकित्सालय, विशेष पशु प्रजनन केंद्र और मेगा गौशालाओं की स्थापना की योजना बनाने के निर्देश दिए। यह पहल राज्य की देशी नस्लों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राज्य सरकार अनुसूचित जाति के परिवारों पाले जाने वाले भेड़, बकरी और सूअर जैसे पशुओं का नि:शुल्क बीमा करने की योजना बना रही है। मंत्री ने पशुधन बीमा योजनाओं में अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ठोस कार्य योजना तैयार करने को कहा। बैठक के दौरान यह भी घोषणा की गई कि में मोबाइल पशु चिकित्सालय शुरू किए जाएंगे। पशुधन की चिकित्सा देखभाल को और अधिक सुलभ और व्यापक बनाने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है।

665 किलो अवैध गांजा जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा,02 जनवरी (एजेंसियां)। भीलवाड़ा जिले की स्पेशल टीम एवं थाना बिजोलिया पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए नेशनल हाईवे पर नाकाबंदी में एक ट्रक से 665 किलो 50 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद कर तस्कर भागचंद लुहार पुत्र शिवराज (28) निवासी धनोप माताजी थाना फुलिया कला भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया है। जब्त किए गए मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कीमत करीब 3 करोड़ 32 लाख 75 हजार रुपये है।

आईजी अजमेर रेंज ओमप्रकाश के मार्ग दर्शन एवं एसपी धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशन में मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई एवं आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी के लिए जिले के समस्त थानाधिकारियों को निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में मादक पदार्थ तस्करी की सूचना मिलने पर एएसपी पारस जैन व सीओ बाबू लाल विश्नोई के सुपरविजन एवं एसएचओ लोकपाल सिंह व डीएसटी प्रभारी आशीष मिश्रा के नेतृत्व में 21 सदस्यीय विशेष टीम गठित की की गई, जिसमें साइबर सेल को सम्मिलित किया गया।

सीएम नीतीश कुमार ने सुना लालू यादव का ऑफर, नीतीश के लिए दरवाजा खुला है

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को आरजेडी अध्यक्ष लालू यादव के इंडिया ब्लॉक में वापस आने के प्रस्ताव पर कुछ अलग अंदाज में जवाब दिया। पत्रकारों द्वारा लालू के नए प्रस्ताव के बारे में पूछे जाने पर जेडी(यू) प्रमुख ने कहा, क्या बोल रहे हैं? बता दें कि नीतीश कुमार ने पिछले एक दशक में दो बार इंडिया ब्लॉक के घटक आरजेडी के साथ गठबंधन किया है।

हालांकि, लालू यादव के बेटे और उत्तराधिकारी तेजस्वी यादव ने स्थानीय समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में अपने पिता द्वारा की गई टिप्पणियों को कमतर आंकते हुए दावा किया कि आरजेडी सुप्रीमो ने केवल मीडिया की जिज्ञासा को शांत करने का प्रयास किया था।

लालू ने कहा था, हमारे दरवाजे (नीतीश के लिए) खुले हैं। उन्हें भी अपने दरवाजे खोलने चाहिए। इससे दोनों तरफ के लोगों की आवाजाही आसान हो जाएगी। यह टिप्पणी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस रुख की पृष्ठभूमि में आई है, जिसमें उन्होंने जेडी(यू) सुप्रीमो को एक साल से भी कम समय में होने वाले विधानसभा चुनावों में एनडीए के चेहरे के तौर पर पेश करने की बात कही है। इससे यहां मीडिया के एक वर्ग में अटकलों का बाजार गर्म हो गया है।

राजभवन में पत्रकारों ने नीतीश कुमार से सवाल पूछे, जहां वे नए राज्यपाल के तौर पर आरिफ मोहम्मद खान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। आरिफ खान और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी (दोनों ओर भाजपा) के साथ खड़े सीएम नीतीश कुमार से से जब लालू यादव की पेशकश पर उनकी टिप्पणी मांगी गई तो

उन्होंने हाथ जोड़कर मुस्कुरा दिया। आगे दबाव डालने पर उन्होंने पूछा, आप क्या कह रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या राज्य सरकार अपना कार्यकाल पूरा कर पाएगी, तो आरिफ खान ने हस्तक्षेप करते हुए कहा, इस तरह के सवाल पूछने का यह सही समय नहीं है। आज खुशी का दिन है। हमें सिर्फ अच्छी चीजों के बारे में बात करनी चाहिए।

बाद में पत्रकारों का एक दल पूर्व उप मुख्यमंत्री और वर्तमान में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के पास पहुंचा, जो समारोह में शामिल होने आए थे। जिन्होंने बुधवार को घोषणा की थी कि नए साल में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार जाएगी। मैंने पहले ही अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। अपने पिता के कथनों के संदर्भ में जब उनसे और पूछा गया तो तेजस्वी यादव ने कहा, अगर आप जैसे लोग उनके पास एक ही सवाल लेकर आते रहेंगे तो वह क्या करेंगे? उन्होंने जो कुछ भी कहा होगा, उसका उद्देश्य आपकी जिज्ञासा को खत्म करना रहा होगा।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान जब केंद्रीय मंत्री और जेडी(यू) के पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह ''ललन'' से प्रसाद के बारे में सवाल पूछे गए तो उन्होंने कहा, एनडीए मजबूत है। जेडी(यू) और बीजेपी एकजुट हैं।

यह एक स्वतंत्र समाज है और कोई भी जो चाहे कह सकता है। लालू जी को अपनी बातों पर ज्यादा कुछ कहना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि जब नीतीश कुमार एनडीए से बाहर थे, तब ललन आरजेडी सुप्रीमो के काफी करीब आ गए थे। ऐसी अफवाह थी कि यही वजह थी कि जेडी(यू) के वास्तविक प्रमुख ने पार्टी का अध्यक्ष बनने का फैसला किया।

ललन सिंह ने लालू प्रसाद यादव के बयान पर दी प्रतिक्रिया, हम एनडीए के साथ

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कि सीएम नीतीश कुमार के लिए गठबंधन के दरवाजे हमेशा खुले हैं, केंद्रीय मंत्री और जेडीयू नेता ललन सिंह ने गुरुवार को पुष्टि की कि उनकी पार्टी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के साथ है। सिंह ने मीडियाकर्मियों से कहा, हम एनडीए के साथ हैं और पूरी दृढ़ता के साथ। मैं लोगों की बातों पर प्रतिक्रिया नहीं दे सकता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है। लोग जो चाहें कह सकते हैं। यह लालू प्रसाद यादव के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि सीएम नीतीश कुमार के लिए विपक्षी गठबंधन के दरवाजे हमेशा खुले हैं। हालांकि, लालू के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए उनके बेटे तेजस्वी यादव ने कहा, आप उनसे यही पूछते रहते हैं, वह और क्या कहेंगे? उन्होंने यह सिर्फ आप सभी को शांत करने के लिए कहा।बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि आरजेडी सुप्रीमो 'डर' के कारण इस तरह के बयान दे रहे हैं। नीतीश कुमार लालू प्रसाद यादव को अंदर से जानते हैं, लालू प्रसाद यादव बस डरे हुए हैं। कांग्रेस नेता शकील अहमद खान ने कहा, अगर गांधी के अनुयायी गोडसे के अनुयायियों से खुद को अलग कर लेते हैं, तो हम उनके साथ हैं। इससे पहले मंगलवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने 2025 में बिहार के लिए एक संकल्प लिया, जिसमें राज्य से बेरोजगारी और पलायन को खत्म करने का वादा किया गया। आगामी वर्ष के लिए अपने विजन के बारे में बोलते हुए यादव ने घोषणा की, नए साल में, हमने संकल्प लिया है कि इस बार हम बिहार से बेरोजगारी और पलायन को खत्म करेंगे। हम नए साल में नई सरकार बनाएंगे। राजद नेता ने कहा कि अगर नई सरकार बनती है तो वह शिक्षा, चिकित्सा, आय, सिंचाई और जवाबदेही जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने राज्य की प्रशासनिक मशीनरी में महत्वपूर्ण सुधारों की आवश्यकता पर भी बल दिया। यादव ने कहा, हम ऐसी सरकार बनाएंगे जहां शिक्षा, चिकित्सा, आय, सिंचाई, सुनवाई और कार्रवाई होगी, जहां नौकरशाही का खात्मा होगा। यादव ने विश्वास जताया कि लोगों के समर्थन और आशीर्वाद से उनका विजन साकार होगा। उन्होंने कहा, अगर सभी लोगों का आशीर्वाद हमारे साथ है, तो हम अपने संकल्प में सफल होंगे। यादव ने दोहराया कि इस साल का प्राथमिक लक्ष्य आर्थिक प्रगति और सामाजिक कल्याण के मामले में बिहार को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा, इस नए साल में हमें बिहार को आगे ले जाना है।

पटना समेत कई जिलों में हाड़ कंपाने वाली ठंड

पारा गिरकर 4.4 डिग्री तक पहुंचा

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में हाड़ कंपा देने वाली ठंड ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है। दिन में धूप नहीं निकल रही है। सर्द पछुआ हवा ने कनकनी बढ़ा दी है। छह से 10 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चल रही है। यह और बढ़ सकती है। मौसम विभाग की मानें अगले दो से तीन दिनों तक यही हालात रहेंगे। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से शीत लहर जैसे हालात बने रहेंगे। सर्द पछुआ हवा के कारण ठिठुरन बढ़ी है।

पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक ठंडी रोहतास और बांका में पड़ी। यहां का न्यूनतम तापमान 4.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं औरंगाबाद का 6.7 डिग्री, बक्सर का 7.1 डिग्री, भागलपुर का 7.6 डिग्री, नालंदा का 7.7 डिग्री, गया का 7.8 डिग्री, सासाराम का 7.9 डिग्री, सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं शेखपुरा का तापमान 8.2 डिग्री, समस्तीपुर का 8.3 डिग्री, वैशाली का 8.4 डिग्री, मधुबनी का 8.9 डिग्री, मोतिहारी का 9 डिग्री, पटना का 10. 6, पूर्णिया और कटिहार का 10.7 डिग्री, गोपालगंज का 11.4 डिग्री, मुजफ्फरपुर का 12.5 डिग्री, सेल्सियस दर्ज किया गया।

इधर, बढ़ते ठंढ और कम तापमान को देखते हुए पटना जिला प्रशासन ने गुरूवार से सभी सरकारी और गैर सरकारी विद्यालयों के समय सारणी में परिवर्तन किया है। नये आदेश के अनुसार विद्यालय का समय सुबह 9 बजे के बाद और शाम के 4:00 बजे के पहले तक ही संचालित किये जाएंगे। यह आदेश पटना जिले में दो जनवरी से छह जनवरी तक प्रभावी रहेगा।

इस संबंध में पटना के डीएम जिला दंडाधिकारी डॉ चंद्रशेखर सिंह ने पत्र जारी करते हुए कहा है कि पटना में अधिक ठंड और विशेष रूप से सुबह और शाम के समय कम तापमान की स्थिति है, जिसके कारण बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। इसलिए इसको देखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत जिले के सभी निजी और सरकारी विद्यालयों (फ्री स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्र सहित) में सभी कक्षाओं के लिए शैक्षणिक गतिविधियों पर पूर्वाह्न 9:00 बजे से पहले और अपराह्न 4:00 बजे के बाद प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को आदेश जारी करते हुए कहा कि इस आदेश के अनुरूप शैक्षणिक गतिविधियों को पुनर्निर्धारित करें।

पुलिस और शराब तस्करों के बीच मुठभेड़ एक अपराधी के पैर में लगी गोली

गोपालगंज (एजेंसियां)।

गोपालगंज जिले के नगर थाना क्षेत्र के मानिकपुर गांव में पुलिस और शराब तस्करों के बीच बुधवार की देर रात मुठभेड़ हो गई। इस घटना में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गोली चलाई जिसमें एक अपराधी के पैर में गोली लगने से बदमाश जख्मी हो गया। जख्मी बदमाश को हिरासत में लेकर इलाज के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति को गंभीर देखते हुए पटना पीएमसीएच के लिए रेफर कर दिया।जख्मी बदमाश की पहचान काकड़कुंड गांव निवासी राजू राम के रूप में की गई है।

बताया जाता है कि जिले के

नगर थाना की पुलिस टीम शराब तस्करों के खोज में छापेमारी करने के लिए गश्ती कर रही थी। किसी बीच एक कार सवार कुछ शराब तस्कर जिले में प्रवेश करना चाह रहे थे।

तभी पुलिस ने शक के आधार पर कार सवार को रोकना चाहा लेकिन कार सवार रुकने के बजाय डायवर्जन को तोड़ते हुए भागने लगे। शराब तस्कर मानिकपुर गांव में पहुंचकर छुपने की कोशिश करने लगे। लेकिन जब पुलिस वहां पहुंची तब अपराधी भागने लगे और पुलिस टीम पर फायरिंग करना शुरू कर दिए।

पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए गोली चलाई जिसमें एक अपराधी के पैर में पुलिस की गोली लग गई।

इससे वह भाग नहीं सका और पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। हिरासत में लेने के बाद पुलिस ने घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज में भर्ती कराया जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति को गंभीर देखते हुए पटना पीएमसीएच के लिए रेफर कर दिया। वहीं एक अन्य अपराधी को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जिससे पुलिस पूछताछ करने में जुटी हुई है।

सहरसा में भीषण सड़क हादसा महिला समेत तीन की मौत

सहरसा (एजेंसियां)।

सहरसा में भीषण सड़क हादसा हुआ जिसमें महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। यह घटना दो अलग-अलग जगहों पर हुई है। पहली घटना बनगांव की है, जहां सिमरी बख्तियारपुर थाना क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना में तीन की मौत हो गई। वही दोनों घटना में आधा दर्जन लोग जख्मी है। जिसका इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है।

मृतकों की पहचान सौवरती देवी (55) और दरुदन खातून (48) के रूप में की गई है।

बनगांव थाना क्षेत्र के सहरसा-दरभंगा मुख्य मार्ग स्थित गोरहो चौक के समीप की है, जहां सामने से आ रहे एक ट्रक ने ऑटो में जबरदस्त टक्कर मार कर फरार हो गया। इस घटना में ऑटो में सवार दो महिलाओं की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। साथ ही तीन लोग बुरी तरह जख्मी हो गए, जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद बनगांव थाना पुलिस मौके पर पहुंच शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। उन घायलों को भी इलाज के लिए बरियाही पीएचसी भेजा गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया।

घटना के संबंध में इस घटना में घायल लोगों ने बताया कि सवारी से लदी ऑटो चंद्रायन से सहरसा आ रही थी। गोरहो चौक के समीप विपरीत दिशा सहरसा की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो को सामने से ठोकर मार दी, जिसमें सौवरती देवी और दरुदन खातून की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद वाहन चालक वाहन लेकर बलुआहा की तरफ फरार हो गया।

नव वर्ष पर फूटा आस्था का जनसैलाब, हर-हर महादेव के नारे से गूंजा बाबा गरीबनाथ धाम

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

नए साल पर जहां पर देश के प्रमुख मंदिरों में उमड़ पड़ी है। दर्शन के लिए श्रद्धालुओं के भीड़ है। वहीं, बिहार का बाबा धाम इससे कैसे अछूता रहेगा। अहलेसुबह से बाबा गरीबनाथ पर दर्शन पूजन और जलाभिषेक करने के लिए हजारों हजार की संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी।

बता दें कि आज नए वर्ष 2025 की शुरुआत हो गई है और इसको लेकर रात के 12 बजते ही लोगों में खास उत्साह देखने को मिल रहा है। वहीं, नए साल की शुरुआत भगवान के दर्शन के साथ हो तो उसकी बात कुछ और होती है। इसको लेकर आज मुजफ्फरपुर में भी उत्सव और श्रद्धा का माहौल बना हुआ है।

रात्रि में लोग नववर्ष का स्वागत जश्न और मनाने के लिए आतिशबाजी कर रहे थे। आज वहीं पर सुबह होते ही श्रद्धालु मंदिरों की ओर उमड़ पड़े। अहले सुबह से बाबा गरीबनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। कहते हैं कि बाबा के

दर्शन पूजन के साथ साल की शुरुआत पूरे वर्ष भर बेहतर रहती है। आज इसको लेकर के मंदिर में विशेष पूजा महाआरती और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं।

आज नववर्ष के अवसर पर पहले दिन बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में स्थित बाबा गरीबनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। बाबा गरीबनाथ मंदिर की प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए थे और इसके साथ ही मंदिर के सैकड़ों की संख्या में स्वयंसेवक को इस कार्य में लगाया गया था।

मंदिर प्रशासन ने इसको देखते हुए भी स्थानीय पुलिस प्रशासन और पूर्व में अन्य पुरोहितों के साथ में एक बैठक कर श्रद्धालुओं के प्रवाह और सुरक्षा के उपायों पर चर्चा की, जिसके बाद से आज यहां पर श्रद्धालु सुबह से ही मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए पहुंचे और नववर्ष की शुरुआत भगवान बाबा गरीबनाथ के दर्शन से की। इस दौरान में भक्त में खास उत्साह देखने को मिल रहा है और लोग हर-हर महादेव के नारे और जय बाबा गरीबनाथ के नारे लगाते हुए आए हैं।

हथियार के बल पर स्कॉर्पियो वाहन को लूटा विरोध करने पर चालक को जमकर पीटा

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बेगूसराय में अपराधियों ने एक स्कॉर्पियो गाड़ी को हथियार के बल पर लूट लिया। जब स्कॉर्पियो लूटने से ड्राइवर मना किया तो अपराधियों ने उसे पिस्टल के बट से जमकर पिटाई कर दी। इस पिटाई में स्कार्पियो ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में ड्राइवर को इलाज के लिए बेगूसराय के सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां इलाज चल रहा है।

घटना बरौनी थाना क्षेत्र के जीरोमाइल के पास की है। घायल ड्राइवर की पहचान भागलपुर जिले के कहलगांव थाना के रहने वाले मनोज मंडल का पुत्र राजकमल मंडल के रूप में की गई है। इस घटना के संबंध में परिजनों ने बताया है कि राजकमल मंडल स्कॉर्पियो गाड़ी चलाता है। उन्होंने बताया कि बीती रात चार अपराधी सबौर से गाड़ी किराया पर लेकर बेगूसराय आया था। उन्होंने बताया है कि जीरो माइल के पास चारों अपराधी हथियार के बल पर गाड़ी लूटने लगा। तभी इसका विरोध राजकमल मंडल के द्वारा किया गया तो इसी से नाराज होकर अपराधियों ने उसे बेहरमी से जमकर पिटाई कर दी।

उन्होंने बताया है कि इस घटना की सूचना राजकमल मंडल के द्वारा सुबह चार बजे परिजनों को दिया। आनन-फानन में परिजन बेगूसराय पहुंचकर घायल अवस्था में राजकमल मंडल उसे इलाज के लिए बेगूसराय के सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। इस संबंध में उन्होंने बताया है कि हालांकि जीपीएस के माध्यम से बरौनी थाने के पुलिस ने स्कॉर्पियो गाड़ी को बरामद कर लिया है।

उन्होंने बताया है कि सभी अपराधी भागलपुर जिले के सबौर गांव में एक लॉज में रहकर पढ़ाई करता था। फिलहाल, इस घटना के बाद पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

बाइक और साइकिल की टक्कर में दो लोगों की मौत

पटना (एजेंसियां)।

रोहतास जिले के चुटिया थाना क्षेत्र अंतर्गत मतकुटिया गांव के समीप मोटर साइकिल और साइकिल की टक्कर में दो युवकों की मौत हो गई है। घटना बुधवार देर रात की बताई जाती है और दोनों युवकों की मौत घटना स्थल पर ही होने की बात सामने आ रही है।

बताया जाता है कि बाइक चालक रामविलास पासवान अपने मोटर साइकिल से बुधवार देर रात गांव लौट रहे थे। तभी सामने से आ रहे एक साइकिल से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद दोनों सड़क के किनारे अचेत अवस्था में पूरी

रात पड़े रहे और तत्काल इलाज न मिलने के कारण घटना स्थल पर ही दोनों की मौत हो गई।

वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर रात में ही घटना की जानकारी मिलती तो शायद दोनों की जान बच सकती थी। लेकिन घटना की जानकारी लोगों को गुरुवार सुबह लगी और खून के अत्यधिक बहाव व कड़ाके की ठंड में दोनों की जान चली गई। इसके बाद ग्रामीणों द्वारा मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई और घटना की सूचना पर पहुंची चुटिया थाने की पुलिस ने दोनों शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमॉर्टम के लिए सासाराम के सदर अस्पताल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक बाइक चालक रामविलास पासवान गांव पंडुका के निवासी बताए जाते हैं तथा 50 वर्षीय साइकिल सवार सुरेश शाह गांव मतकुटिया के रहने वाले हैं। मामले में चुटिया थानाध्यक्ष ने बताया कि शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है तथा उनके लिखित शिकायत पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com